रायपुर। बुधवार, 28 अक्टूबर, 2026
आश्विन शुक्ल पक्ष तृतीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 86/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल आईसीसी रैंकिंगः वनडे बल्लेबाजी में स्मृति ने गंवाया 'नंबर 1' ...
@ विचार राजनीति का गिरता स्तरः शुचिता, संवाद ...
@ व्यापार सोना-चांदी के दाम घटे...

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी 15 नवम्बर से

संवाददाता ■ रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में सिविल लाईन स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक हुई, इसमें में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए ।

मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में छत्तीसगढ़ प्रदेश के किसानों से दिनांक 15 नवम्बर 2026 से धान खरीदी करने का निर्णय लिया है। उक्त अवधि में 27.50 लाख से अधिक किसानों से 3100 रूपये प्रति क्विंटल की दर से अधिकतम 21 क्विंटल प्रति एकड़ के मान से धान की खरीदी की जावेगी। किसान हित में बड़ा फैसला लेते हुए एग्रीस्टेक आईडी युक्त विगत वर्ष के पंजीकृत सभी कृषकों को धान विक्रय हेतु मान्य किया है, इन किसानों को पृथक से पंजीयन की कोई आवश्यकता नहीं होगी।

एग्रीस्टेक में पंजीयन होने के कारण किसानों को धान विक्रय हेतु पृथक से ऋण पुस्तिका समिति में लाने की आवश्यकता नहीं होगी। डिजिटल क्राप सर्वे के माध्यम धान के रकबे का ऑनलाईन निर्धारण डिजिटल रूप से सुनिश्चित हुआ है। वास्तविक किसानों से धान खरीदी सुनिश्चित करने हेतु बायोमैट्रिक आधारित धान की खरीदी की जावेगी। किसानों को बेहतर एवं सुगम व्यवस्था प्रदान किये जाने हेतु 360 नये उपार्जन केन्द्र प्रारंभ किये जा रहे हैं, फलस्वरूप इस वर्ष 3100 उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से धान खरीदी सुश्चित की जायेगी। धान खरीदी हेतु समितियों में समुचित व्यवस्था किये जाने के निर्देश दिये गये है।

मंत्रिपरिषद ने खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 एवं वर्ष 2025-26 में अतिशेष धान की धान की नीलामी के माध्यम से निराकरण करने के संबंध में मंत्रिमण्डलीय उपसमिति की बैठक के निर्णय का अनुसमर्थन किया है। मंत्रिपरिषद ने मुख्यमंत्री ऊर्जा राहत जन अभियान (एम-ऊर्जा) योजना के अंतर्गत घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक बिजली बिल में दी जा रही रियायत को पूर्ववत जारी रखने का निर्णय लिया है। साथ ही, योजना का लाभ लेने के लिए 400

यूनिट तक मासिक विद्युत खपत की पात्रता अवधि को 30 सितंबर 2026 से बढ़ाकर 31 मार्च 2027 तक कर दिया गया है। इस निर्णय से लगभग 7.25 लाख घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं को योजना के तहत बिजली बिल में मिल रही रियायत का लाभ निरंतर प्राप्त होता रहेगा।

छत्तीसगढ़ मंत्रिपरिषद् ने बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण वृद्धि को देखते हुए छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अंतर्गत संचालित तथा लोक निर्माण विभाग अंतर्गत राज्य वित्त पोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों के अनुबंधकों को मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

इसके तहत 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि में अनुबंधकों द्वारा वास्तव में क्रय एवं उपयोग की गई बिटुमिन की मात्रा पर छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के अंतर्गत संचालित कार्यों के लिए कुल 130.88 करोड़ रुपये की राहत राज्य शासन द्वारा बजट से अनुदान के रूप में दी जाएगी।

वहीं, राज्य वित्त पोषित सड़क निर्माण, नवीनीकरण एवं संधारण कार्यों के ऐसे अनुबंध, जिनकी निविदाएं 1 अप्रैल 2026 से पूर्व प्राप्त हुई हैं, उनमें 15 अक्टूबर से 31 दिसंबर 2026 तक क्रय कर उपयोग किए गए बिटुमिन पर भी मूल्य राहत प्रदान की जाएगी। इस पर लगभग 70 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक अतिरिक्त व्यय का अनुमान है।

इस निर्णय से डामरीकरण से संबंधित लंबित सड़क निर्माण कार्यों को गति मिलेगी और उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने में सहायता मिलेगी। साथ ही, भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

मंत्रिपरिषद ने राज्य के शासकीय सेवकों एवं उनके आश्रित परिवारजनों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा लागू करने के महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी दी है। नई व्यवस्था के तहत शासकीय सेवकों को उपचार के समय अस्पताल में चिकित्सा व्यय का भुगतान स्वयं करने और बाद में प्रतिपूर्ति के लिए लंबी प्रक्रिया से गुजरने की आवश्यकता नहीं होगी। सूचीबद्ध अस्पतालों में उन्हें कैशलेस उपचार की सुविधा मिलेगी तथा पूर्व-अनुमोदन और दावों की प्रक्रिया ऑनलाइन एवं डिजिटल माध्यम से की जाएगी। इस निर्णय से विशेष रूप से गंभीर बीमारी और आपातकाल की स्थिति में शासकीय सेवकों एवं उनके परिवारों को तत्काल उपचार के साथ बड़ी आर्थिक राहत मिलेगी।

तीसरा टी20ः अभिषेक शर्मा का विस्फोटक शतक, भारत ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराया

एजेंसी ■ वेलिंगटन

भारत ने हेनरी स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले को 6 विकेट से जीत लिया है। भारतीय टीम को जीत के लिए 199 रन का लक्ष्य मिला था। अभिषेक शर्मा के विस्फोटक शतक के दम पर टीम इंडिया ने 13.2 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले ली है।

भारत की तरफ से पारी की शुरुआत करने के लिए वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा उतरे। बाएं हाथ के दोनों विस्फोटक बल्लेबाजों ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की ऐसी धुनाई की कि पावर प्ले का नया रिकॉर्ड बन गया।

वैभव और अभिषेक ने 6 ओवर के पावर प्ले में 118 रन बनाए। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पावर प्ले का यह विश्व रिकॉर्ड है। इन 118 रनों में वैभव ने 17 गेंदों पर 4 चौकों और 4 छक्कों की मदद से 44 रन बनाए, जबकि अभिषेक ने 20 गेंदों पर 7 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 67 रन का योगदान दिया।

भारत को पहला झटका 133 के स्कोर पर लगा। वैभव सूर्यवंशी 19 गेंदों पर 45 रन बनाकर आउट हुए।

अभिषेक शर्मा ने अपने अंतरराष्ट्रीय टी20 करियर का चौथा शतक लगाया। अभिषेक ने 38 गेंदों पर 11 छक्कों और 9 चौकों की मदद से 113 रन की पारी खेली। वह 10वें ओवर की आखिरी गेंद पर 178 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद श्रेयस अय्यर 5 और सैमसन 18 रन बनाकर आउट हुए। भारत ने 13.2 ओवर में 4 विकेट पर 199 रन बनाकर मैच 6 विकेट से जीता। नमन धीर 4 और तिलक वर्मा 1 रन बनाकर नाबाद रहे।

टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने 3 विकेट पर 198 रन बनाए थे। सलामी बल्लेबाज एलन ने 25 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से 40 रन की पारी खेली। फिलिप्स ने 17 रन बनाए। मिचेल और जैकब्स ने 48 गेंदों पर 75 रन की साझेदारी करके कीवी टीम का स्कोर 3 विकेट पर 198 तक पहुंचाया। मिचेल ने 52 गेंदों पर 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से नाबाद 89 रन और जैकब्स ने 23 गेंदों पर 4 चौकों और 1 छक्के की मदद से नाबाद 39 रन बनाए।

ब्रिक्स देशों ने सतत विकास और ग्लोबल साउथ के लिए एआई तक समान पहुंच के एजेंडे का किया समर्थन

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ब्रिक्स सदस्य देशों की संसदों के प्रतिनिधियों ने मंगलवार को सतत विकास के लिए 2030 एजेंडे के कार्यान्वयन में तेजी लाने, विकासशील देशों की चुनौतियों से निपटने के लिए डिजिटल तकनीकों का इस्तेमाल करने और ग्लोबल साउथ के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तक समान पहुंच सुनिश्चित करने का समर्थन किया।

यहां आयोजित बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य के अनुसार, प्रतिनिधियों ने वर्ष 2026 में भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का पुरजोर समर्थन किया। भारत की अध्यक्षता की थीम 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण' है। यह साझा चुनौतियों से निपटने के लिए संतुलित, समावेशी और दूरदर्शी तरीके से ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

'जन-केंद्रित विकास के लिए संसदों को प्रोत्साहित करना' विषय पर आयोजित इस बैठक में ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, भारत, इंडोनेशिया, ईरान, रूस, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की संसदों के पीठासीन अधिकारियों और प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। संयुक्त वक्तव्य में गरीबी के सभी रूपों, विशेषकर अत्यधिक गरीबी का उन्मूलन, दुनिया की सबसे बड़ी चुनौती और सतत विकास की पूर्वशर्त बताया गया। साथ ही, वर्ष 2030 के बाद सतत विकास के वैश्विक एजेंडे को आकार देने में ब्रिक्स देशों के घनिष्ठ सहयोग और सार्थक योगदान की उम्मीद जताई गई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने की तात्कालिकता को स्वीकार करते हुए ब्रिक्स देशों ने संवाद और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से प्रयास तेज करने का आह्वान किया। इसमें राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को लागू करना, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने और उनके अनुकूलन के प्रयासों को मजबूत करना तथा न्यायसंगत बदलाव के रास्तों को बढ़ावा देना शामिल है। इसका उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन (यूएनएफसीसीसी) और पेरिस समझौते के लक्ष्यों को हासिल करना है।

वक्तव्य में विकसित देशों से विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों के अनुकूल बनने और उससे निपटने के लिए अतिरिक्त, पर्याप्त, पूर्वानुमान योग्य और सुलभ वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने की अपील भी की गई।

खबर झरोखा

भारत भविष्य की तकनीकों को अपनाने तक सीमित नहीं: पीएम मोदी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि भारत अब विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दूसरे देशों की उपलब्धियों को अपनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश का लक्ष्य भविष्य की तकनीकों का विकास करना, उनमें नवाचार को बढ़ावा देना और दुनिया की समस्याओं के समाधान तैयार करना है। उन्होंने कहा कि भारत के युवा जिस कौशल के साथ आगे बढ़ रहे हैं और उनमें जिस तरह का आत्मविश्वास दिखाई दे रहा है।

न बाड़ी न गुड़ी, हो गई दो करोड़ की गड़बड़ी

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

भगवान और मासूम बच्चों को एक समान माना जाता है। मगर बस्तर संभाग के स्वार्थ में अंधे भ्रष्ट तंत्र ने इन दोनों को भी नहीं छोड़ा है। यहां भगवान और नौनिहालों के नाम पर दो करोड़ रुपए से भी ज्यादा का घोटाला कर दिया है। कहीं भी एक ईंट तक नहीं रखी गई और कागजों पर दिखा दिया गया 40 आंगनबाड़ी भवन एवं 50 से अधिक देवगुड़ी निर्माण। यह गजब खेल हुआ बस्तर संभाग के सुकमा जिले की कोंटा जनपद पंचायत में। अफसरशाही का आलम यह कि भाजपा नेताओं की शिकायत तक को दरकिनार कर दिया गया।

सुकमा जिले के जिला एवं मंडल स्तरर के कुछ भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया है कि पूर्व मंत्री के प्रिय पात्र रहे कोंटा जनपद के पूर्व सीईओ एवं पंचायत सचिवों की सांठगांठ के तहत जनपद क्षेत्र में 40 आंगनबाड़ी केंद्र भवन एवं 50 से अधिक देवगुड़ी निर्माण के नाम पर 2 करोड़ से

अधिक की राशि का अग्रिम भुगतान प्राप्त कर पूरी राशि डकार ली गई है। इन आंगनबाड़ी भवनों एवं देवगुड़ी निर्माण की स्वीकृति वर्ष 2020-2021 से 2023-2024 की बताई जा रही है। राशि का आहरण कर बंटवारा नेता एवं अधिकारी के बीच किए जाने की चर्चा है। इस मामले पर कुछ बड़े अधिकारी और नेता पर्दा डालने में लगे हैं ताकि पूर्व सरकार के काले कारनामे बाहर न आ सकें। सुकमा जिले के कोंटा जनपद के दो दर्जन से अधिक पंचायतों में नक्सलियों के नाम पर 2021 से 2023 के दौरान विकास एवं निर्माण कार्यों को कागजी अंजाम देकर करोड़ों की बंदरबाट की गई है। इस राशि का हिस्सा सुकमा के कांग्रेस भवन के निर्माण में खर्च किए जाने की भी चर्चा है। पूर्व सरकार के कुछ अधिकारी जो वर्षों से सुकमा में जमे हुए हैं, वे भाजपा नेताओं से संपर्क कर मामले पर पर्दा डालने में जुटे हैं और सफल भी हो चुके हैं। कुछ अधिकारी तबादला होने के बाद भी भी वरिष्ठ अधिकारियों एवं बड़े नेताओं को चढ़ावा अर्पित कर तबादला आदेश निरस्त करा चुके हैं। यही अधिकारी उन काले कारनामों के फाईलों को खुलने से रोक रहे हैं।

इन मदों से मिली थी राशि

जिला एवं मंडल स्तर के कुछ भाजपा नेताओं ने बताया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 50 देवगुड़ी भवनों के जीर्णोद्धार के लिए राशि जारी की गई थी। इसके अलावा 40 से अधिक आंगनबाड़ी भवनों की भी स्वीकृति प्रदान की गई थी। सूत्रों से जानकारी मिली है कि 15वें वित्त मदद एवं डीएमएफटी मद से निर्माण कराने के नाम पर प्रत्येक आंगनबाड़ी के लिए 3 लाख रूपए अग्रिम भुगतान किया गया था। इसी तरह प्रति देवगुड़ी 2 लाख रूपए के मान से अग्रिम राशि के भुगतान की खबर है। इस तरह दो करोड़ से अधिक राशि राशि निकाल तो ली गई, लेकिन न आंगनबाड़ी और न ही देवगुड़ी का निर्माण कराया गया।

जांच रिपोर्ट और शिकायतें दबीं

इस मामले की पूर्व में शिकायत भी की जा चुकी है। जिले में पूर्व मंत्री के करीबी अधिकारी के जमे होने के कारण शिकायती पत्र ही गायब कर दिए गए हैं। इस कारण मामला फाईलों में बंद है। मामले की जांच हुई तो जिला पंचायत व जनपद के पूर्व अधिकारी भी बेनकाब होंगे इसलिए कांग्रेस शासनकाल में हुए भ्रष्टाचार की फाईलों को भाजपा की सरकार ओपन करने की साहस नहीं जुटा पा रही है।सुकमा जिले में रीपा योजना में करोड़ो की बंदरबांट के साथ कई पंचायतों की जांच रिपोर्ट भी जिला पंचायत की फाईलों में धूल खा रही है। अफसर उन फाईलों को खोलने से बच रहे हैं।

कलश यात्रा के साथ माता मावली को दी गई आत्मीय विदाई

जगदलपुर ■ अर्जुन कुमार झा

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों का विधिवत समापन मंगलवार को माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की ससम्मान विदाई के साथ हुआ। बस्तर जिला मुख्यालय जगदलपुर के राजमहल परिसर स्थित ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर में परंपरागत विधि-विधान और मंत्रोच्चार के साथ विशेष पूजा-अर्चना संपन्न की गई। इसके उपरांत पुलिस के जवानों ने माता को सलामी दी। विदाई के इस पावन और भावुक क्षण में सिर पर कलश धारण किए महिलाओं ने मंगल गीतों के साथ माता को अत्यंत आत्मीय विदाई दी, जिससे संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।

माता की इस ऐतिहासिक विदाई यात्रा के लिए दंतेश्वरी मंदिर परिसर और विदाई मार्ग को लगभग डेढ़ क्विंटल गेंदे, गुलाब और

बासंती फूलों की सुंदर पंखुड़ियों से सजाया गया था। डोली के प्रस्थान के समय उपस्थित जनसमुदाय और श्रद्धालुओं ने जयकारों के बीच माता पर गुलाब की पंखुड़ियों की पुष्पवर्षा कर आस्था के साथ विदा किया। इस धार्मिक विधान में बेल और सागौन की लकड़ी से निर्मित करीब 15 साल पुरानी डोली आकर्षण का मुख्य केंद्र रही, जिसमें करीब चार किलो चांदी, दोनों ओर चांदी की प्रतिमाएं और 45 चांदी के गुब्बे जड़े हुए हैं।

परंपरा अनुसार बस्तर राजपरिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव और श्रद्धालुओं ने माता की करीब 20 किलो वजनी डोली को कंधों पर उठाकर जिया डेरा तक पहुंचाया, जिसके बाद डोली और छत्र को दंतेवाड़ा के लिए विदा किया गया। इस पावन अवसर पर मंदिर पहुंचे दर्शनार्थियों को 76 किलो बूंदी और लड्डू से तैयार किए गए 5 हजार से अधिक पैकेटों में प्रसाद का वितरण किया गया। साथ ही माता को विदाई रस्म के तहत 25 किलो चावल, 11 किलो दाल, घी, मसाले और श्रृंगार सामग्री भेंट स्वरूप अर्पित की गई।

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय विशाल धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न हुए उक्त आयोजन के साथ ही बस्तर के इस अनूठे पारंपरिक पर्व का औपचारिक समापन हो गया।

चक्रवात और भारी बारिश की आशंका के मद्देनजर स्कूलों में अवकाश घोषित कर सकेंगे कलेक्टर

स्कूल शिक्षा विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को दिए अधिकार, स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार ले सकेंगे निर्णय

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। रायपुर, छत्तीसगढ़ में चक्रवात के प्रभाव से भारी बारिश और तेज हवाओं की आशंका को देखते हुए राज्य शासन ने विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार शासकीय और अशासकीय विद्यालयों में अवकाश घोषित करने के अधिकार दिए हैं।

उप सचिव स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 27 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। आदेश में उल्लेख

किया गया है कि मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी के अनुसार प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में चक्रवात (साइक्लोन) के कारण भारी वर्षा और तेज हवाएं चलने की आशंका है। इससे उत्पन्न होने वाली संभावित आपातकालीन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिला कलेक्टर अपने-अपने जिलों में स्थिति का आकलन कर विद्यालयों में अवकाश घोषित कर सकेंगे। राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि अवकाश घोषित करने का निर्णय संबंधित जिले की स्थानीय परिस्थितियों और आवश्यकताओं के आधार पर लिया जाएगा। इसके तहत शासकीय एवं अशासकीय दोनों विद्यालय शामिल होंगे।

किसान-वैज्ञानिक संवाद में कृषि संबंधी समस्याओं का किया समाधान

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान, रायपुर ने कृषि विज्ञान केंद्र, बेमेतरा और कृषि विभाग के सहयोग से ग्राम अंधियारखोर, विकासखंड नवागढ़ में 'खेत बचाओ अभियान-2026' के अंतर्गत किसान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, प्राकृतिक एवं जैविक खेती तथा संतुलित उर्वरक उपयोग के प्रति जागरूक करते हुए टिकाऊ कृषि पद्धतियां अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में 38 किसानों ने भाग लिया, जिनमें तीन महिला किसान शामिल थीं।

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत अंधियारखोर के सरपंच भी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय जैविक स्ट्रेस प्रबंधन संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. पी. मुवेंथन और डॉ. योगेश येले ने किसानों से संवाद कर मृदा संरक्षण एवं वैज्ञानिक कृषि पद्धतियों की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र, बेमेतरा के विषय विशेषज्ञ डॉ. जितेंद्र कुमार जोशी और डोमन सिंह टेकाम तथा कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी कृषि संबंधी तकनीकी जानकारी साझा की।

विशेषज्ञों ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड के महत्व, मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के चयन और उपयोग तथा फसलों में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने, खेती की लागत कम करने तथा फसल उत्पादन की गुणवत्ता और स्थिरता बढ़ाने के लिए उर्वरकों का वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग आवश्यक है। किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में दी गई सिफारिशों के अनुरूप उर्वरकों का उपयोग करने तथा स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल प्राकृतिक एवं जैविक खेती की पद्धतियां अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

जिला निर्वाचन की बैठक में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रस्तावों पर जताई सहमति

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के संदर्भ में फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम (SSR-2027) के तहत मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की जा रही है। इसी क्रम में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गौरव सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभाकक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिले के मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण के संबंध में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा प्राप्त प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को प्रस्तावित युक्तियुक्तकरण की जानकारी दी गई तथा उनके सुझाव एवं विचार प्राप्त किए गए। बैठक में उपस्थित राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने प्रस्तुत प्रस्तावों पर अपनी सहमति व्यक्त की।

उल्लेखनीय है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार मतदान केंद्रों के युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया 02 नवंबर 2026 तक पूर्ण की जानी है। इस प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान केंद्रों की व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाना है।

संविद 2026 के समापन सत्र में युवाओं को मिला नेतृत्व, संवाद और संघर्ष का संदेश

विश्व केसरी

भिलाई। श्री शंकराचार्य प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी एवं श्री शंकराचार्य टेक्निकल कैंपस, जुनवानी, भिलाई के वार्षिक टेक्नो-कल्चरल एवं मैनेजमेंट फेस्ट 'सम्विद 2026' के अंतर्गत आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशंस (एमयूएन) का समापन सत्र 25 अक्टूबर को संपन्न हुआ। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को नेतृत्व क्षमता, तार्किक चिंतन, संवाद, समस्या समाधान और सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व से अवगत कराया गया। वक्ताओं ने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहते हुए बदलते समय की चुनौतियों को समझने और उनका समाधान

खोजने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति आई.पी. मिश्रा ने मॉडल यूनाइटेड नेशंस के आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि भारत की बड़ी युवा आबादी देश की विरासत को आगे ले जाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी रखती है। युवाओं को केवल समस्याओं की पहचान तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके समाधान खोजने की दिशा में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं में प्रश्न पूछने, तर्क करने और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझने की प्रवृत्ति विकसित होनी चाहिए। जिस प्रकार कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका अपनी-अपनी भूमिकाओं के माध्यम से व्यवस्था का संचालन करती हैं, उसी प्रकार युवाओं को भी समस्याओं का विश्लेषण कर समाधान की दिशा में सोचने का अभ्यास करना चाहिए। श्री मिश्रा ने कहा कि जीवन में अनेक प्रकार के संघर्ष और चुनौतियां आती हैं। युवाओं को यह सीखना होगा कि कठिन परिस्थितियों का सामना कैसे किया जाए और उनसे निकलने का रास्ता कैसे खोजा जाए। उन्होंने नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) के संदर्भ में हिंदी सहित भारतीय भाषाओं के प्रयोग को महत्व देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

रायपुर में ईडी का छापा

रायपुर (संवाददाता)। राजधानी के रवि नगर में मंगलवार सुबह ईडी की टीम पहुंचने से हलचल मच गई। पंडरी क्षेत्र स्थित सुशील विला में अधिकारी जांच कर रहे हैं। बाहर सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

शुरुआती जानकारी के अनुसार, टीम घर के भीतर दस्तावेज खंगाल रही है। जांच किस व्यक्ति और किस मामले से जुड़ी है, इसका खुलासा अभी नहीं हुआ है। ईडी की ओर से भी कार्रवाई को लेकर आधिकारिक विवरण सामने नहीं आया है। इधर, दुर्ग में भी ईडी की कार्रवाई की खबर मिल रही है। हालांकि, वहां किन ठिकानों पर जांच चल रही है, इसकी विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

रायपुर-अभनपुर रेल लाइन यातायात के लिए बंद

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत रायपुर-अभनपुर रेल लाइन पर स्थित केंद्री रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक आर.डी.-22 (किमी 31/6-7) पर आवश्यक एवं विशेष मरम्मत कार्य किया जाना है। इस कार्य के चलते उक्त रेलवे फाटक से सड़क यातायात अस्थायी रूप से बंद रहेगा।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 28 अक्टूबर 2026 को रात्रि 21:00 बजे से 29 अक्टूबर 2026 को सुबह 09:00 बजे तक रेलवे लेवल क्रॉसिंग क्रमांक आर.डी.-22 पर सड़क मार्ग से आवागमन पूर्णत: बंद रहेगा। रेलवे प्रशासन द्वारा संबंधित रेलवे फाटक पर सुरक्षित एवं सुचारु रेल परिचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह मरम्मत कार्य किया जा रहा है।

आम नागरिकों एवं सड़क उपयोगकर्ताओं से अनुरोध है कि उक्त अवधि में असुविधा से बचने के लिए वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें तथा रेलवे प्रशासन को मरम्मत कार्य में सहयोग प्रदान करें।

बीएसपी के स्वास्थ्य शिविरों में 131 ग्रामीणों की जांच, नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। भिलाई इस्पात संयंत्र ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत दुर्ग जिले के ग्राम बीरेझर, बोरवाय और अरसनारा में नि:शुल्क चिकित्सा जांच शिविर आयोजित किए। इन शिविरों के माध्यम से कुल 131 ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। इनमें 36 पुरुष और 95 महिलाएं शामिल थीं। शिविरों में ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और आवश्यक दवाइयों का नि:शुल्क वितरण किया गया।

ग्राम बीरेझर में आयोजित शिविर में 44 ग्रामीणों ने स्वास्थ्य जांच कराई, जिनमें 9 पुरुष और 35 महिलाएं शामिल थीं। भिलाई इस्पात संयंत्र के सीएसआर विभाग

की ओर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. नितिन कुमार महंत, फार्मासिस्ट विविध बर्छिहा, नर्सिंग स्टाफ मोहम्मद सिराज और पंजीयन कार्य में सहयोग के लिए राकेश कुमार ने सेवाएं दीं। जिला चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ-एफ) प्रिया कश्यप ने भी शिविर में सहयोग प्रदान किया।

ग्राम बोरवाय में आयोजित शिविर में 44 ग्रामीणों ने चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। इनमें 16 पुरुष और 28 महिलाएं शामिल थीं। शिविर में बीएसपी के चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रणय दत्ता, फार्मासिस्ट मनीष कुमार, नर्सिंग स्टाफ रेणुका और पंजीयन कार्य में सहयोग के लिए श्री विवेक ध्रुव ने अपनी सेवाएं दीं। जिला चिकित्सालय की सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी गायत्री चंद्राकर ने भी शिविर में सहयोग किया। ग्रामीणों को स्वास्थ्य जांच, चिकित्सकीय परामर्श और नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

इसी क्रम में ग्राम अरसनारा में आयोजित शिविर में 43 ग्रामीणों की स्वास्थ्य जांच की गई, जिनमें 11 पुरुष और 32 महिलाएं शामिल थीं। यहां बीएसपी की ओर से चिकित्सा अधिकारी डॉ. रवींद्र कश्यप, फार्मासिस्ट मनीष कुमार, नर्सिंग स्टाफ रेणुका और पंजीयन कार्य में सहयोग के लिए विवेक ध्रुव ने सेवाएं प्रदान कीं। शिविर में ग्रामीणों को चिकित्सकीय परामर्श देने के साथ आवश्यक दवाइयां भी नि:शुल्क वितरित की गईं।

इन शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाना, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करना और लोगों को उचित चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराना था।

लाभांडी बीएसयूपी कॉलोनी में युवक की हत्या

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के तेलीबांधा थाना क्षेत्र स्थित लाभांडी BSUP कॉलोनी में एक युवक की हत्या का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस विभाग में हलचल मच गई। सूचना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी है।

घटना की सूचना मिलने के बाद सेंट्रल BSUP तारकेश्वर पटेल, एडिशनल BSUP विवेक शुक्ला, ACP रमाकांत साहू और तेलीबांधा थाना प्रभारी अजय झा मौके पर पहुंचे। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले से जुड़े साक्ष्य जुटाने की कार्रवाई शुरू की।

पुलिस लाभांडी BSUP कॉलोनी के आसपास रहने वाले लोगों से पूछताछ कर रही है। घटना किन परिस्थितियों में हुई और इसमें कौन शामिल है, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है।

छत्तीसगढ़ के विकास का प्रमुख इंजन बनेगा हाउसिंग बोर्ड

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। वित्त, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा है कि छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल आने वाले वर्षों में प्रदेश के आर्थिक और अधोसंरचनात्मक विकास का प्रमुख इंजन बनेगा। हाउसिंग बोर्ड को केवल आवास निर्माण तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि सड़क, पुल, खेल अधोसंरचना, सार्वजनिक भवनों, टाउन प्लानिंग और शहरी पुनर्विकास जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भी इसकी भागीदारी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए मंडल को परंपरागत कार्यप्रणाली से आगे बढ़कर नवाचार, आधुनिक तकनीक, वित्तीय प्रबंधन और परिणामोन्मुखी कार्यसंस्कृति अपनानी होगी।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी नवा रायपुर स्थित छत्तीसगढ़ संवाद के ऑडिटोरियम में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय तकनीकी प्रशिक्षण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला का

उद्देश्य मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता, प्रशासनिक क्षमता, वित्तीय प्रबंधन और कार्यकुशलता में वृद्धि करना तथा उन्हें आधुनिक निर्माण तकनीकों, नवाचारी वित्तीय मॉडल और अधोसंरचना विकास की नई संभावनाओं से परिचित कराना था।

मंत्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल को आर्थिक रूप से सुदृढ़, आत्मनिर्भर और बहुआयामी अधोसंरचना विकास संस्था के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी उद्देश्य से मंडल की वित्तीय स्थिति में सुधार, रिक्त संपत्तियों के विक्रय, नई परियोजनाओं के चयन और कार्यप्रणाली में व्यापक सुधार किए जा रहे हैं।

लगभग 700 करोड़ रुपये की ऋण देनदारी समाप्त कर मंडल को दी नई आर्थिक मजबूती

आवास एवं पर्यावरण मंत्री चौधरी ने कहा कि कुछ वर्ष पूर्व हाउसिंग बोर्ड गंभीर वित्तीय चुनौतियों का सामना कर रहा था। बड़ी ऋण देनदारी, सीमित परियोजनाओं और लंबे समय से रिक्त पड़ी संपत्तियों के कारण संस्था की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई थी। उन्होंने कहा कि हाउसिंग बोर्ड बजट आधारित संस्था नहीं है। उसे अपनी परियोजनाओं, सेवाओं और संसाधनों के माध्यम से आय अर्जित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना होगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने वित्त विभाग के सहयोग से लगभग 700 करोड़ रुपये की लंबित ऋण देनदारी समाप्त करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इससे मंडल को बड़े वित्तीय दबाव से राहत मिली और नई परियोजनाओं की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हुआ।

चौधरी ने कहा कि लंबे समय से रिक्त पड़ी संपत्तियों के विक्रय के लिए वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना लागू की गई। आकर्षक छूट, प्रभावी विपणन और निरंतर निगरानी के माध्यम से बड़ी संख्या में संपत्तियों का विक्रय संभव हुआ। इससे मंडल की वित्तीय स्थिति में सुधार के साथ उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग को भी बढ़ावा मिला। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए मंडल अध्यक्ष अनुराग सिंह देव सहित अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की।

मंत्री ने कहा कि पूर्व में कई आवासीय परियोजनाएं पर्याप्त मांग का आकलन किए बिना शुरू कर दी जाती थीं। परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में आवास रिक्त रह जाते थे और संस्था की पूंजी लंबे समय तक फंसी रहती थी। भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो, इसके लिए परियोजना चयन और क्रियान्वयन की व्यवस्था में महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि नई व्यवस्था में प्रारंभिक तीन माह के भीतर 30 प्रतिशत बुकिंग अथवा कुल 60 प्रतिशत बुकिंग की शर्त को निविदा प्रक्रिया से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य वास्तविक मांग के अनुरूप आवासीय परियोजनाएं विकसित करना और अनावश्यक वित्तीय जोखिम को कम करना है।उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मंडल को अपनी परियोजनाओं की गुणवत्ता, स्थान चयन, लागत, नागरिक सुविधाओं और विपणन व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा। आम नागरिकों की आवश्यकताओं और क्रय क्षमता के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण आवास उपलब्ध कराना मंडल की प्राथमिकता होनी चाहिए।

AFFIDAVIT

Name: Vaishali C/O G/5041820W Rank- Rfn(GD) Name Firoj Kumar a resident House No. 15 Ward No. 15 Village - Bharda Post, Kondapar Tah.- Kurud, Dist., Dhamtari (C.G) Pin.No.- 493661 do hereby solemnly affirm and declare under oath as follow :-

a. That, my correct names is Vaishali which hold true with my Aadhaar card bearing No-7518 1160 9085 Educational Certificate, and PAN Card bearing No-IPMPB2079K, This is true.

b. That errorneously entered my name as Vaishali Baghel in my record, This is true

C . That correction/rectification of my name is necessary in my record so that it read as Vaishali as per my adhaar card, Educational Certificate, and PAN Card by the concern authority, This is true.

d.That, I am producing this affidavit for the purpose of evidence for orrection of name in my records, This is true.

VERIFICATION :-

I, Deponent above named, do hereby solemnly declare and verify that the contents of the above Affidavit are true to the best of my knowledge and belief and nothing has been concealed or suppressed there from on this 26/10/2026 Anno Domini-

Deponent
Vaishali

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर: : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....36629..../ न. पा. नि. जोन क्रं 6/2026 -
रायपुर, दिनांक 27-10-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 36629

-वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR663R00840** जो की निगम अभिलेख श्री /श्रीमती **SHUBHASH SHRIVASTAV** पिता / पति श्री श्रीमती **KRISHNALAL SHRIVASTAV** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **ASHA KHARE** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O ANIL KHARE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बिलाईगढ़ बीईओ ऑफिस में 1300 शिक्षकों का भविष्य भगवान भरोसे, खिड़की खुली, फाइलें ढेर में

खिड़की से झांक रही झाड़ियां, फाइलों पर मंडरा रहा सांप-बिच्छू और आगजनी का खतरा

विश्व केसरी■

भटगांव (रामदास कुर्रे)। विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय बिलाईगढ़ इन दिनों लापरवाही और भ्रष्ट व्यवस्था की जीती-जागती मिसाल बना हुआ है। कार्यालय बंद होने के बाद भी खिड़कियां खुली रहती हैं और उसी खुली खिड़की के पास 1300 शिक्षकों के सर्विस बुक सहित जीवन भर की जमा-पूंजी जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों का ढेर लगा है।

1300 शिक्षकों का भविष्य खतरे में - जरा सोचिए, अगर किसी ने द्वेषवश, जलन में या किसी असामाजिक तत्व ने एक तीली लगा दी तो 1300 परिवारों का भविष्य एक रात में राख हो जाएगा। इसका जवाबदार कौन होगा? बीईओ? डीईओ? या कलेक्टर? विभाग को इसकी कोई चिंता ही नहीं है। महत्वपूर्ण दस्तावेजों को चूहे कुतर रहे हैं, दीमक चाट रही है। विश्वस्त सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि शिक्षिका स्नेहलता ठाकुर सहित कुछ शिक्षकों की सेवा पुस्तिका कार्यालय से गायब कर दी गई है, जिससे संबंधित शिक्षक अत्यंत परेशान हैं, हालाकि इसकी पुष्टि होनी बाकी है। आरोप यह भी है कि विकासखंड शिक्षा अधिकारी अपने कार्यालय में कार्यालयीन समय में बहुत कम बैठते हैं, किसी को उनसे काम हो, तो वे कार्यालय से अक्सर गायब रहते हैं। ऑफिस में अफसर न रहने से लोगों को अनेक परेशानियों का सामना करना पड़ता है तथा कई लोग छोटे कर्मचारियों के पास चढ़ावा चढ़ाने के लिए मजबूर हो जाते हैं।

10 साल से एक ही कुर्सी पर कब्जा, हटाने की मांग तेज - जानकारी के मुताबिक बीईओ एस.एन. साहू पिछले लगभग 10 साल से बिलाईगढ़ में ही जमे हुए हैं। एक ही ब्लॉक में 10 साल तक जमे रहना अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। क्या यह अच्छे काम का इनाम है या फिर ऊपर तक नियमित 'भेंट-चढ़ावे' का आशीर्वाद है, जिससे उन्हें लाइफ टाइम एक ही जगह रहने का वरदान मिला हुआ है? इतना ही नहीं, वे मनचाहे तरीके और स्वेच्छाचारितापूर्ण ढंग से कार्यालय का संचालन कर रहे हैं।

नियमानुसार हर 3 साल में बीईओ का स्थानांतरण होना चाहिए, लेकिन बिलाईगढ़ में नियम-कायदे ताक पर हैं।

मांग - 1300 शिक्षकों के भविष्य और कार्यालय की सुरक्षा को देखते हुए तत्काल प्रभाव से वर्तमान बीईओ एस.एन. साहू को हटाकर किसी ईमानदार और जिम्मेदार अधिकारी को नया प्रभार पदस्थ किया जाए, ताकि दस्तावेज सुरक्षित रहें और कार्यालय जंगल से मुक्त हो सके।

ऑफिस में अफसर नहीं, सांप-बिच्छू का राज : बीईओ

ऑफिस के अगल-बगल और पीछे बड़ी-बड़ी झाड़ियां उग आई हैं। ये झाड़ियां खिड़कियों से अंदर झांक कर मानो कार्यालय के कामकाज की समीक्षा कर रही हैं। अधिकारी-कर्मचारी रोज इन झाड़ियों को देखकर निकल जाते हैं, पर सफाई कराने की किसी ने जहमत नहीं उठाई। कार्यालय में जहरीले सांप, बिच्छू और कीड़े-मकोड़ों का खतरा हमेशा बना रहता है। कर्मचारी डर के साए में काम करने को मजबूर हैं।

सड़क सुरक्षा के मद्देनजर यात्री बसों की सघन जांच

विश्व केसरी■

राजनांदगांव (आदर्श गुप्ता)। परिवहन विभाग द्वारा जिले में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने एवं यात्री बसों के सुरक्षित संचालन के उद्देश्य से यात्री बसों की सघन जांच अभियान चलाया गया। अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजनांदगांव ने बताया कि दुर्ग परिवहन उडनदस्ता दल द्वारा खैरागढ़ रोड एवं बस स्टैंड क्षेत्र में जांच प्वाइंट लगाकर यात्री बसों की जांच की गई।

जांच के दौरान बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारी परिवहन, निर्धारित दर से अधिक यात्री किराया वसूली सहित अन्य आवश्यक दस्तावेजों एवं परिवहन नियमों के पालन की जांच की गई। इस दौरान कुल 26 यात्री वाहनों की जांच की गई तथा विभिन्न अनियमितताएं पाए जाने पर मोटरयान अधिनियम एवं नियमों के प्रावधानों के अंतर्गत कुल 9500 रूपए शमन शुल्क वसूल किया गया। इसके अतिरिक्त दस्तावेजों की वैधता समाप्त होने के संबंध में 29 बसों के फिटनेस प्रमाण पत्र, 26 वाहनों के बीमा, 5 वाहनों के परमिट तथा 91 वाहनों के प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र की वैधता समाप्त पाए जाने पर संबंधित वाहन स्वामियों को नोटिस जारी किया गया है तथा वाहन स्वामियों को आवश्यक दस्तावेजों का नवीनीकरण कराकर नियमानुसार वाहन संचालन सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है।

अतिरिक्त क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी राजनांदगांव द्वारा बताया गया कि परिवहन विभाग द्वारा यात्रियों की सुरक्षा एवं सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यात्री बसों जांच एवं प्रवर्तन कार्रवाई आगे भी निरंतर जारी रहेगी। सभी बस संचालकों एवं वाहन स्वामियों को वाहनों के फिटनेस, बीमा, प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज अद्यतन रखने तथा निर्धारित यात्री क्षमता एवं किराया दरों का अनिवार्य रूप से पालन करने कहा गया है। परिवहन नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर संबंधित वाहन संचालकों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

26वीं राज्य स्तरीय शालेय कीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

विश्व केसरी■

राजनांदगांव (आदर्श गुप्ता)। 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का आयोजन 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर तक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिवस स्टेट स्कूल के व्हालीबॉल मैदान में खेले गए व्हालीबॉल प्रतियोगिता अंर्तगत 19 वर्ष बालक व बालिका एवं नवागांव मिनी स्टेडियम में खेले गए क्रिकेट प्रतियोगिता अंर्तगत 19 वर्ष बालक में बस्तर, बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, सरगुजा संभागों की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबले खेले गए। प्रतियोगिता में खिलाडियों ने शानदार खेल कौशल, अनुशासन एवं खेल भावना का प्रदर्शन किया। व्हालीबॉल प्रतियोगिता के पहले मैच में 19 वर्ष बालक वर्ग के मुकाबले में रायपुर ने बस्तर को 2-0 से एवं दूसरे मैच में दुर्ग ने सरगुजा को 2-0 से पराजित किया। इसी प्रकार 19 वर्ष बालिका वर्ग के मुकाबले में रायपुर ने बस्तर को 2-0 से एवं दूसरे मैच में दुर्ग ने सरगुजा को 2-0 से पराजित कर अगले चरण में प्रवेश किया।

कलेक्टर ने निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज का किया निरीक्षण

विश्व केसरी■

राजनांदगांव (आदर्श गुप्ता)। कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने राजनांदगांव शहर के निर्माणाधीन स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज का निरीक्षण कर निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान रेलवे अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से अंडरब्रिज निर्माण की वर्तमान स्थिति तथा पूर्ण करने की समय-सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी ली।

कलेक्टर ने निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने रेलवे अंडरब्रिज के बॉक्स पुशिंग कार्य, आंतरिक निर्माण एवं एप्रोच रोड के निर्माण की जानकारी ली। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि बॉक्स पुशिंग कार्य पूर्ण करने में लगभग डेढ़ माह का समय लगेगा। इसके साथ ही एप्रोच रोड का निर्माण किया जाना है। कलेक्टर ने बॉक्स पुशिंग एवं एप्रोच रोड का निर्माण कार्य समानांतर रूप से संचालित करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जा सके। उन्होंने माह दिसंबर तक प्रमुख निर्माण कार्यों में अपेक्षित प्रगति लाने तथा जनवरी एवं फरवरी माह में शेष कार्यों को पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित करने कहा। साथ ही मार्च 2027 तक सभी निर्माण कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्टेशनपारा रेलवे अंडरब्रिज शहर की यातायात व्यवस्था की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसके निर्माण को प्राथमिकता देते हुए सभी शेष कार्यों को तेजी से पूर्ण किया जाए, ताकि नागरिकों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

यात्री बसों की जांच में खामियां मिलने पर 46,400 रुपए अर्थदंड एवं 2 बस जब्त

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। परिवहन विभाग द्वारा यात्री बसों की जांच हेतु माह अक्टूबर में जॉच के दौरान कुल 30 यात्री बसों पर 46,400 रूपये की चालानी कार्यवाही की गई है तथा 2 यात्री बस को जब्त करते हुए कार्यवाही की गई। जॉच के दौरान नियम के अनुरूप कमी पाये जाने वाले 28 बसों में कमियों को सुधार करने के संबंध में नोटिस जारी की गई है।

जॉच के दौरान यात्री बसों में परमिट, बीमा, फिटनेस, प्रदूषण जैसे दस्तावेज सहित वाहन में लगे हुए वीएलटीडी पेनिक बटन, एसएलडी, रिफलेक्टिव टेप, फस्ट एड बाक्स, अग्निशमन यंत्र आदि की जॉच की गई है एवं सभी बस संचालकों को हिदायत दी गई कि तत्काल कमियों को पूर्ण करे और विधिवत् मोटर यान अधिनियम और नियमों का पालन करते हुए यात्रीयों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए परमिट शर्तो के अनुरूप संचालन किया जाये। मोटर यान अधिनियम का पालन नहीं किये जाने की स्थिति में मोटरयान अधिनियम के तहत कार्यवाही की जावेगी इसके साथ ही परमिट निरस्तीकरण हेतु अनुशंसा करते हुए उच्च कार्यालय को कार्यवाही के लिए भेजी जायेगी।

सरगतोरा कबड्डी प्रतियोगिता में सरेकेल बना विजेता

विश्व केसरी■

पिथौरा (परमीत सिंह माटा)। ग्राम सरगतोरा में जय सरारी कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।जिसमे समापन व पुरुस्कार वितरण समारोह में पहुंचे मुख्यअतिथि मुकेश यादव,पूर्व उपाध्यक्ष, जनपद पंचायत पिथौरा, अध्यक्षता खेदू राम पटेल सरपंच, कसही बाहरा, विशेष अतिथि सोमकान्त यादव, घनश्याम यादव, राकेश ध्रुव, सालिक राम यादव, नंदकुमार ध्रुव, बसन्त यादव, टीका राम यादव, मंचा सीन थे। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत पिथौरा मुकेश यादव ने कहा यह खेल टीम भावना से खेले जाने वाला खेल है,इसे भाई चारा व प्रेम से खेलना चाहिए, आपसी द्वेष के साथ नही, प्रत्येक खिलाड़ी में खिलाड़ी भावना होना चाहिये। यह पारम्परिक खेल अब यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याती प्राप्त कर चुका है।इससे शारिरिक, मानसिक बौद्धिक, स्तर में सुधार होता। खेल मनुष्य जीवन के एक कड़ी के रूप में है, इससे जीवन स्वस्थ व प्रसन्न चित रहता है इस प्रकार के खेल आयोजन से गांव की एकता, भाई चारा, प्रेम प्रदर्शित होता है, ऐसे आयोजन से बच्चे प्रेरित होकर,आगे बढ़ने का प्रयास करते हैं। युवा पीढ़ी के लिए खेल आवश्यक है,इसके माध्यम से अपने समय का सदुपयोग कर,इसमें अपना भविष्य बना सकते है।आज के युवा खेल प्रति जागरूक है।इस आयोजन के लिए गाँव व आयोजक समिति को बधाई दी।सरेकेल और ठाकुरिपाली की टीम का फाइनल मैच रोमांचक रहा। सरेकेल की टीम विजेता बनी। ठाकुरिपाली की टीम उपविजेता रही।

शिशु मंदिर राजिम के 8 छात्र राष्ट्रीय गणित प्रतियोगिता में झारखंड में दिखाएंगे हुनर

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। सरस्वती शिशु मंदिर राजिम के विद्यार्थियों ने क्षेत्रीय गणित मेला प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया है। रायपुर में 22 से 24 अक्टूबर तक आयोजित प्रतियोगिता में विद्यालय के 17 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 8 ने प्रथम, 8 ने द्वितीय और 2 विद्यार्थियों ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले 8 विद्यार्थी अब 21 से 24 नवंबर तक धनबाद (झारखंड) में आयोजित अखिल भारतीय वैदिक गणित प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में मालवा, महाकौशल, मध्यभारत और छत्तीसगढ़ प्रांत के विजेता विद्यार्थियों ने भाग लिया। राजिम के सफल विद्यार्थियों में ओजस साहू, आशीष साहू, लक्की कुमार साहू, तुभ्यम कुमार ध्रुव, भवनीश भोई, दीक्षा साहू, तानिया साहू और मिनेश कुमार साहू ने अपनी-अपनी विधाओं में प्रथम स्थान हासिल किया। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर श्री कुलेश्वर नाथ बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष राघोबा महाडिक सहित पदाधिकारियों, विद्यालय के प्राचार्य गोविन्द चैधरी, प्रधानाचार्य नामदास लहरे, आचार्यों एवं दीदियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं और राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए अग्रिम बधाई दी।

रासेयो ने सात दिवसीय शिविर के पांचवें दिन 'एक पेड़ मां के नाम' पर चलाया अभियान

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय -दतान(ख), लवन में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंम सेवकों ने संस्था के प्रभारी प्राचार्य एवं कार्यक्रम अधिकारी चन्द कुमार बंछोर भूतपूर्व सैनिक ने नेतृत्व में 'एक पेड़ मां के नाम', प्रकृति है तो मानव है अभियान के तहथ स्वयंम सेवकों ने धर धर जाकर वृक्षारोपण के प्रति लगाव, समर्पित, वृक्ष को अपने पुत्र के समान मानने को कहा प्राचार्य महोदय ने सभी गांव वालों से अपिल कि वृक्षारोपण ही मानव का भविष्य है आने वाले समय में लोगों को पेट भरने के लिए अनाज मिल जायेगा लेकिन पीने का पानी नहीं मिलेगा इसी लिए भविष्य को खुशहाल रखना तो वृक्ष से प्रेम करना पड़ेगा, जिस अनुपात से मानव कि आबादी बढ़ रही है।

सप्तऋषियों के गोत्र से अवतरित ब्राम्हण समाज सर्वे भवन्तु सुखिनः के मार्ग पर चलते है और सभी समाज को दिशा देते है : सांसद लक्ष्मी वर्मा

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को नवापारा के विप्र भवन में ब्राम्हण समाज द्वारा आयोजित विशाल जनसमूह के बीच राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा ने खुलकर ब्राम्हण समाज की तारीफ करते हुए कहा कि यह समाज सप्तऋषियों के गोत्र से अवतरित है जो सर्वे भवन्तु सुखिनरू के मार्ग पर चलते है। ब्राम्हण समाज सर्वजनों के सुखी जीवन की कामना करते है।

सांसद वर्मा ने कहा कि ब्राम्हण समाज सदैव से अग्रणी भूमिका निभाते चले आ रहे है। बुद्धिजीवी वर्ग के रूप में इस समाज को जाना जाता है। स्वभाव से ब्राम्हण बहुत ही विनम्र होते है। सभी समाज के लोगों का मार्गदर्शन करते है। वर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ में सर्व समाज का तालमेल आपस में बना हुआ है। त्रेता, द्वापर, सतयुग चाहे कलयुग हो इन सभी युगों की बात करते है जिसमें ब्राम्हण समाज ने सनातन धर्म को आगे बढ़ाने का काम किया है।

वाल्मीकी रामायण या महाभारत की बात करें तो इसके रचयिता ब्राम्हण ही है। कहा कि छत्तीसगढ़ का इतिहास अत्यंत समृद्ध है। यह भगवान श्रीराम का ननिहाल और माता कौशल्या की जन्मभूमि के रूप में जाना जाता है। वनवास काल में भी भगवान श्रीराम का छत्तीसगढ़ से गहरा संबंध रहा है। चंद्रखुरी स्थित माता कौशल्या मंदिर प्रदेश की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत का महत्वपूर्ण प्रतीक है। राजिम और नवापारा क्षेत्र का भी अपना गौरवशाली इतिहास है। महानदी हमारे जीवन का आधार है। इस क्षेत्र की संस्कृति, परंपराओं और धार्मिक मान्यताओं ने समाज को सदैव एक नई दिशा दी है।

आज आवश्यकता है कि बुद्धिजीवी वर्ग और ब्राह्मण समाज अपनी संस्कृति एवं संस्कारों के संरक्षण के लिए आगे आएं। हमारी सनातन संस्कृति हमें आपस में भेदभाव करना नहीं, बल्कि सदभाव, एकता और भाईचारे के साथ रहना सिखाती है। हमें अपने बच्चों को ऐसे संस्कार देने चाहिए, जिससे वे अपनी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत पर गर्व कर सकें। राज्यसभा सांसद लक्ष्मी वर्मा का कहना है कि ब्राह्मण समाज अपनी सांस्कृतिक विरासत, सनातन परंपराओं और संस्कारों को सुरक्षित रखते हुए समाज में एकता, सद्भाव और जागरूकता बढ़ाने के लिए आगे आए। हमारी पुरातन परंपराएं, हमारी संस्कृति और हमारे संस्कार ही समाज की असली पहचान हैं। आज के आधुनिक युग में सभ्यता और संस्कृति में तेजी से बदलाव हो रहे हैं। ऐसे समय में हमें यह विचार करना होगा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को कौन-सी विरासत सौंपकर जा रहे हैं। पहले परिवारों में चार-पांच भाई एक साथ रहते थे। परिवार केवल रहने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि संस्कारों, परंपराओं और सामाजिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का माध्यम भी था।

मुंगेली से निकली सतनाम पदयात्रा का लवन में भव्य स्वागत, गिरौदपुरी धाम में टेकेंगे मत्था

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। गुरु घासीदास बाबा के दर्शन और आशीर्वाद लेने निकले श्रद्धालु, लवन में विश्राम के बाद गिरौदपुरी धाम के लिए हुए रवाना।

गुरु घासीदास बाबा के प्रति आस्था और श्रद्धा का भाव लेकर मुंगेली से निकली सतनाम पदयात्रा आज चौथे दिन लवन पहुंची, जहां पदयात्रियों ने विश्राम के लिए पड़ाव डाला। लवन पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। पदयात्रा में शामिल श्रद्धालु गिरौदपुरी धाम पहुंचकर गुरु घासीदास बाबा की तपोभूमि में मत्था टेकेंगे और आशीर्वाद प्राप्त करेंगे।

सतनाम पदयात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का माहौल है। पदयात्री सतनाम पंथ के संदेश को आत्मसात करते हुए अपनी यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं। गिरौदपुरी धाम पहुंचकर बाबा गुरु घासीदास के दर्शन करने और उनके बताए सत्य, अहिंसा, समानता तथा मानवता के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने की भावना के साथ श्रद्धालु आगे बढ़ रहे हैं। लवन में पदयात्रियों के पड़ाव से क्षेत्र में धार्मिक वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालु विश्राम के बाद गिरौदपुरी धाम के लिए रवाना हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण, ग्रामीण जन प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

संपादकीय

नारी के समर्पण और प्रेम का प्रतीक 'करवाचौथ'

वसुंधरा धर्माणी

पति-पत्नी के अटूट रिश्ते को और भी मजबूत बनाने के लिए करवा चौथ का व्रत अपनी विशिष्ट महत्ता लिए हर साल बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के हर प्रांत में महिलाएँ इसे अपने-अपने ढंग से बड़ी उत्सुकता, हर्षोल्लास के साथ मनाती हैं। पति की दीर्घायु, अखँड सौभाग्य और मँगल कामना के लिए सुहागिन स्त्रियाँ इस दिन व्रत रखती हैं। इस व्रत के विषय में यह माना जाता है कि सबसे पहले करवा चौथ का व्रत माता पार्वती जी ने भगवान शिव के लिए रखा था। करवा चौथ के दिन महिलाएँ निर्जला व्रत रखती हैं, यानी दिन भर बिना कुछ खाए पिए रहती हैं और रात्रि को चँद्र दर्शन के बाद ही व्रत को तोड़ती है। इस व्रत का महत्व सिर्फ धार्मिक और पारिवारिक ही नहीं है, बल्कि इसमें भारतीय समाज की सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं की भी झलक मिलती है।

करवा चौथ व्रत के विषय में अनेक धार्मिक एवं पौराणिक कथाएं जुड़ी है, जिसमें सबसे प्रसिद्ध कहानी रानी वीरवती की है। कहा जाता है कि वीरवती नाम की एक रानी अपने पति की लंबी उम्र के लिए पहले करवा चौथ का व्रत रखती है, लेकिन दिन भर भूखी प्यासी रहने के कारण वह शाम को बेहोश हो जाती है। उसके भाइयों ने उसकी यह हालत देखकर एक तरकीब सोची। भाइयों ने पेड़ पर एक दीपक जलाकर उसे चँद्रमा का प्रकाश दिखाने का नाटक किया। वीरवती ने अपने भाइयों पर विश्वास किया और चँद्रमा को अर्ध्य देकर व्रत तोड़ दिया। परिणाम स्वरुप उसका पति मृत्यु को प्राप्त हुआ। भाइयों के इस छल का परिणाम वीरवती को भोगना पड़ा। उसने पुन: देवी देवताओं की पूजा की और करवा चौथ का व्रत पूरी श्रद्धा से दोबारा किया, जिससे उसके पति को पुन: जीवन मिला।

एक अन्य पौराणिक कथा के अनुसार यह कथा एक करवा नामक स्त्री की है, जो अपने पति के साथ तुंगभद्रा नदी के पास रहती थी। एक दिन करवा के पति नदी में स्नान करने गए तो एक मगरमच्छ ने उनका पैर पकड़ लिया और नदी में खींच कर ले गया। मृत्यु को करीब देखकर करवा के पति करवा को जोर-जोर से पुकारने लगे। करवा जैसे ही दौड़कर नदी के पास पहुँची तो पति को मौत के मुँह में ले जाते हुए मगरमच्छ को देखकर चिल्लाने लगी। करवा ने तुरंत एक कच्चा धागा लेकर मगरमच्छ को पेड़ से बांध दिया, वह एक पतिव्रता नारी थी उसके सतीत्व के कारण मगरमच्छ एक कच्चे धागे में भीतर भी कस से मस नहीं हो पा रहा था। अपने पति के प्राण संकट में देखकर करवा ने यमराज से अपने पति को जीवन दान देने और मगरमच्छ को मृत्युदंड देने के लिए प्रार्थना की। यमराज कहने लगे कि मैं ऐसा नहीं कर सकता क्योंकि मगरमच्छ की आयु अभी शेष है और तुम्हारे पति की आयु पूरी हो चुकी है। यह सुनकर करवा क्रोधित हो गई और यमराज को कहने लगी अगर आपने ऐसा नहीं किया तो मैं आपको श्राप दे दूंगी। पतिव्रता स्त्री के श्राप से भयभीत होकर यमराज ने तुरंत मगरमच्छ को यमलोक भेज दिया और करवा के पति को जीवन दान दे दिया, इसलिए करवा चौथ के व्रत में सुहागन स्त्रियाँ करवा माता से प्रार्थना करती हैं-- ' हे करवा माता! जैसे आपने अपने पति को मृत्यु के मुँह से वापस निकाल लिया वैसे ही हमारे सुहाग की भी रक्षा करना। करवा माता की इसी कथा से ही इस व्रत का नाम करवा चौथ पड़ा।

महिलाएँ इस व्रत की तैयारी कुछ दिन पहले ही शुरू कर देती हैं। इस अवसर पर नए वस्त्र, गहने और श्रृंगार के सामान खरीदती हैं। विशेष रूप से इस दिन लाल, गुलाबी और सुनहरे रंगों के परिधान पहनना शुभ माना जाता है, क्योंकि ये रंग वैवाहिक जीवन के सौंदर्य और समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं। सोलह श्रृंगार करवा चौथ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसमें सिंदूर, बिंदी, चूड़ियाँ, काजल, मेहंदी और आभूषण आदि शामिल होते हैं। महिलाएँ अपने हाथों पर सुंदर मेहंदी लगवाती है और इसका गहरा रंग पति के प्रेम का प्रतीक माना जाता है। मेहंदी का रंग जितना गहरा होगा पति का प्रेम भी उतना ही गहरा होता है।

इस दिन महिलाएँ सूर्योदय से पहले उठकर स्नान आदि करने के पश्चात यह संकल्प बोलकर करवा चौथ का व्रत आरंभ करती हैं--

'मम सुख सौभाग्य पुत्र-पौत्रादि सुस्थिर
श्री प्राप्तये करक चतुर्थी व्रतमहं करिष्ये '

व्रत आरंभ करने से पहले सरगी खाने का रिवाज़ है। सरगी में फल, मिठाइयां और सूखे मेवे होते हैं, जो दिन भर उर्जा बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके बाद वे चँद्रोदय तक निर्जला व्रत रखती हैं। दोपहर में सभी आस-पड़ोस की महिलाएँ मेहंदी लगाकर, सजधजकर सोलह श्रृंगार कर एक स्थान पर करवा चौथ की व्रत कथा का श्रवण करती हैं और साज श्रृंगार की सभी वस्तुओं से युक्त सुहागी का आदान-प्रदान भी करती हैं। रात को चँद्रमा के उदय होने का इंतजार किया जाता है और चँद्र को अर्ध अर्पित कर दर्शन के पश्चात महिलाएँ अपने पति के हाथ से पानी पीकर और खाना खाकर अपना व्रत खोलती हैं। आधुनिक युग में करवाचौथ की परंपराएं और तौर -तरीके भी बदल रहे हैं। जहां पहले करवा चौथ का पालन सिर्फ धार्मिक नियमों के अनुसार किया जाता था, वहीं आज यह पर्व एक सामाजिक आयोजन का रूप ले चुका है। बड़े-बड़े होटलों और क्लबों में करवा चौथ के विशेष आयोजन होते हैं जहाँ महिलाएँ मिलकर इस पर्व को मनाती हैं।

राजनीति का गिरता स्तर: शुचिता, संवाद और विवेकहीनता का संकट

गिरीश पंकज

लोकतंत्र की आत्मा उसके संवाद में बसती है। संवाद जब विचारों के धरातल पर तर्कों, सिद्धांतों और लोक-कल्याण के मुद्दों पर आधारित होता है, तब वह राष्ट्र को नई दिशा देता है। किंतु जब वही संवाद कटुता, व्यक्तिगत प्रहार, गाली-गलौज और चरित्र-हनन का रूप ले ले, तो यह केवल राजनीतिक दलों का पतन नहीं होता, बल्कि संपूर्ण लोकतांत्रिक ढांचे की नींव हिल जाती है। आज भारतीय राजनीति जिस दौर से गुजर रही है, वहां मतभेद नहीं, गहरा 'मनभेद' हावी हो चुका है। विचार की जगह विकार ने ले ली है और विवेक पर आक्रोश की धूल जम चुकी है। आज कोई भी प्रमुख दल इस नैतिक पतन के दोष से पूरी तरह मुक्त होने का दावा नहीं कर सकता। चाहे भारतीय जनता पार्टी हो, कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो या अन्य क्षेत्रीय दल, लगभग हर खेमे में ऐसे नेताओं की कमी नहीं है जिनकी पहचान जनहित के मुद्दों से कम और अपने जहरीले बयानों से ज्यादा है। मंचों से विपक्ष के नेताओं के माता-पिता, दिवंगत पुरखों, बच्चों या जीवनसाथी को निशाना बनाना अब सामान्य बात मानी जाने लगी है। राजनीति का यह नियम था कि व्यक्ति विशेष की नीतियों का विरोध हो, न कि उसके कुल और परिवार का। किसी को 'नीच', किसी को 'पापी', किसी को 'देशद्रोही', 'आतंकी' या 'राक्षस' कह देना भाषणों का मुख्य आकर्षण बना दिया गया है. चुनावी रैलियों में खुलेआम 'देख लेने', 'हिसाब चुकता करने' या शारीरिक नुकसान पहुंचाने की धमकियां देना अब चौंकाता नहीं, बल्कि इस पर तालियां बजवाई जाती हैं।

संवाद की मेज से मर्यादा गायब हो चुकी है। सिनेमा का वह प्रसिद्ध संवाद 'जिनके अपने घर शीशे के होते हैं, वे दूसरों के घरों पर पत्थर नहीं फेंका करते', आज राजनीति के संदर्भ में एकदम उलट दिया गया है। आज हर कोई पत्थर उछाल रहा है, बेखौफ होकर, यह जाने बिना कि उसका अपना घर भी उसी कांच का है। अपनी गालियां 'स्वाभाविक जन-आक्रोश' बता दी जाती हैं और विपक्षी का जरा-सा तीखा शब्द सुनते ही मानहानि के मुकदमे दर्ज कराने की होड़ मच जाती है।

यह गिरावट अचानक नहीं आई है,इसके पीछे सुनियोजित रणनीतियां, तकनीकी बदलाव और तात्कालिक लाभ की भूख है। सोशल मीडिया ने राजनीति को 15 से 30 सेकंड के 'क्लिप-कल्चर' में समेट दिया है। एल्गोरिदम उग्र, आक्रामक और भड़काऊ सामग्री को सबसे अधिक प्रचारित करता है। जो नेता संतुलित, गंभीर और बौद्धिक बात करेगा, उसे डिजिटल स्पेस में जगह नहीं मिलती। वहीं जो नेता किसी को सरेआम अपमानित करेगा, वह तुरंत सोशल मीडिया पर 'ट्रेंड' करने लगता है। नेताओं ने समझ लिया है कि विवेक से ज्यादा 'वायरल' होना उपयोगी है। टेलीविजन बहसों का स्वरूप अब चर्चा का नहीं, बल्कि अखाड़े का हो गया है। वहां दोनों पक्षों के प्रवक्ताओं को लड़ाकर टीआरपी

बटोरी जाती है। जिस प्रवक्ता की आवाज जितनी तेज और भाषा जितनी आक्रामक होगी, उसे अगली बहस में उतनी ही प्राथमिकता मिलती है। जटिल आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक समस्याओं पर जनता से संवाद करना कठिन काम है। इसके विपरीत, किसी समुदाय, जाति या नेता की छवि पर कीचड़ उछालकर भावनाओं को भड़काना और वोटों का ध्रुवीकरण करना बेहद आसान है। तात्कालिक सत्ता के लिए दीर्घकालिक सामाजिक ताने-बाने की बलि दी जा रही है। दलों के शीर्ष नेतृत्व की चुप्पी इस पतन की सबसे बड़ी वजह है। जब कोई नेता मर्यादा तोड़ता है, तो उसे निष्कासित करने के बजाय उसका कद बढ़ा दिया जाता है, उसे स्टार प्रचारक बना दिया जाता है। चुनाव आयोग की चेतावनियां और 24-48 घंटों के प्रचार प्रतिबंध केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं।

भारतीय संसदीय परंपरा का इतिहास साक्षी है कि वैचारिक मतभेद कितने भी तीखे रहे हों, नेताओं के बीच आत्मीयता और शुचिता का धागा कभी नहीं टूटा था।

एक दौर वह भी था, जब नेहरू और वाजपेयी, लोहिया और शास्त्री जी विपक्ष को सदैव सम्मान देते थे । लेकिन अब विपक्ष को पूरी तरह 'समाप्त' करने और अपमानित करने की मानसिकता बन गई है । पहले अवांछित टिप्पणी करने वाले नेता को जनता मतदान के जरिए खारिज करती थी। अब तो अमर्यादित भाषा बोलने वालों की जय-जयकार और डिजिटल उन्माद दिखाई पड़ता है । डॉ. राममनोहर लोहिया ने पंडित जवाहरलाल नेहरू की नीतियों की जितनी कठोर आलोचना की, शायद ही किसी ने की हो। लेकिन उस आलोचना का स्तर हमेशा बौद्धिक और जनहितैषी रहा। अटल बिहारी वाजपेयी को नेहरू जी ने भविष्य का प्रधानमंत्री कहा था, क्योंकि वे विरोधी में भी राष्ट्र की क्षमता देखते थे। आज विरोधी को 'शत्रु' मान लिया गया है, जिसे पराजित नहीं, बल्कि अपमानित और नेस्तनाबूद करना ही एकमात्र लक्ष्य बना लिया गया है।

जनता सबक सिखाए..

राजनीतिक भाषा केवल संसद या मंचों तक सीमित नहीं रहती, वह पूरे समाज की मानसिकता को आकार देती है। जब समाज अपने चुने हुए प्रतिनिधियों को मां-बहन की गालियां देते और हिंसा की धमकी देते देखता है, तो आम नागरिक के मन में भी असहमति के प्रति हिंसा जायज लगने लगती है। संसद, विधानसभाएं और संवैधानिक पद जनता की आस्था के केंद्र हैं। जब इन मंचों से अपशब्द गूंजते हैं, तो जनता का पूरे लोकतांत्रिक तंत्र से विश्वास उठने लगता है। जो युवा राजनीति को समाज सेवा और नेतृत्व का माध्यम मानकर आगे आना चाहते हैं, वे इस गंदे कीचड़ को देखकर राजनीति से विमुख हो रहे हैं। यह स्थिति केवल अवसरवादियों और बाहुबलियों के लिए रास्ता खोलती है। राजनीति को इस अंधेरी खाई से बाहर निकालने के लिए बहुपक्षीय प्रयासों की आवश्यकता है। किसी भी दल के शीर्ष नेतृत्व को यह स्पष्ट संदेश देना होगा कि बदजुबानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो नेता मर्यादा तोड़े, उसे टिकट न मिले और पार्टी के पदों से हटाया जाए। चुनाव आयोग को केवल नोटिस जारी करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए। अमर्यादित भाषा, चरित्र-हनन और हिंसा की धमकी देने वाले उम्मीदवारों की उम्मीदवारी रद्द करने जैसे सख्त कदम उठाने का समय आ गया है। सदन के भीतर मर्यादा तोड़ने वाले सांसदों और विधायकों की सदस्यता को निश्चित समय के लिए निलंबित किया जाए, चाहे वे किसी भी दल के हों। सबसे बड़ी अदालत जनता की होती है। जब तक मतदाता गालियों पर तालियां बजाना बंद नहीं करेगा, तब तक नेता अपनी जुबान नहीं सुधारेंगे। वोट की चोट से उन नेताओं को सबक सिखाना होगा जो मुद्दों की जगह केवल अपशब्दों की राजनीति करते हैं।लोकतंत्र केवल बहुमत का खेल नहीं है, यह परस्पर सम्मान और संवाद की मर्यादा का नाम है। यदि राजनीति में विवेक, शुचिता और संयम की वापसी नहीं हुई, तो हम एक ऐसा समाज बन जाएंगे जो तकनीक में तो 21वीं सदी में होगा, किंतु संवाद और सह-अस्तित्व के मामले में बर्बरता के दौर में खड़ा मिलेगा। समय आ गया है कि राजनीति करने वाले समझें कि सत्ताएं आती-जाती रहेंगी, लेकिन जुबान से गिरा हुआ सम्मान और लोकतंत्र की मर्यादा कभी वापस नहीं लाई जा सकेगी।

काश 'जियो और जीने दो' का भी आईपीओ आता!

वीरेंद्र हीरालाल पथरिया

जिस दुनिया में हर चीज का बाजार है, वहाँ काश इंसानियत, प्रेम, सहिष्णुता और दूसरों को जीने देने की भावना का भी कोई आईपीओ आता! लोग उसमें निवेश करते और बदले में एक ऐसी दुनिया पाते, जहाँ हर व्यक्ति अपने हिस्से की खुशियाँ जी सकता और दूसरों की खुशियों का सम्मान कर सकता।

आज के दौर में आईपीओ यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग का नाम सुनते ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ जाती है। कौन-सी कंपनी बाजार में उतर रही है, उसमें निवेश करने से कितना लाभ मिलेगा और भविष्य में उसके शेयर कितनी ऊँचाई छू सकते हैं, इन सब बातों पर खूब चर्चा होती है। लोग अपना धन बढ़ाने के लिए अवसर तलाशते हैं। लेकिन कभी-कभी मन में एक विचार आता है, काश! 'जियो और जीने दो' का भी कोई आईपीओ आता!

एक ऐसा आईपीओ, जिसमें निवेश करने के लिए धन नहीं, बल्कि प्रेम, संवेदना, सहिष्णुता और उदारता की जरूरत होती। जहाँ लाभांश के रूप में पैसा नहीं, बल्कि सुकून मिलता। जहाँ निवेशक को ऐसी दुनिया मिलती, जिसमें वह स्वयं भी सम्मानपूर्वक जी सके और दूसरों को भी उनकी पसंद के अनुसार जीवन जीने दे।

लेकिन सवाल यह है कि क्या आज हमें ऐसे आईपीओ की सबसे ज्यादा जरूरत नहीं है?

हमने विज्ञान और तकनीक के सहारे दुनिया की दूरियाँ कम कर दी हैं। मोबाइल ने पूरी दुनिया को हमारी मुट्ठी में ला दिया है। हम दूसरों की जिंदगी के बारे में पहले से कहीं अधिक जानते हैं, लेकिन उनकी भावनाओं को समझने का धैर्य शायद कम होता जा रहा है। किसने क्या पहना, क्या खाया, किससे संबंध रखा, किस विचार को अपनाया और किस तरह जीवन जिया, इन सब पर हमारी नजर रहती है। कभी परंपरा के नाम पर, कभी सामाजिक प्रतिष्ठा के नाम पर और कभी अपनी सोच को श्रेष्ठ मानकर हम दूसरों की जिंदगी में दखल देने लगते हैं।

विडंबना देखिए कि अपनी जिंदगी में कोई हस्तक्षेप करे तो हमें अपनी स्वतंत्रता याद आने लगती है, लेकिन दूसरों की जिंदगी में हस्तक्षेप करने का अवसर मिले तो हम स्वयं को उनका हितैषी समझने लगते हैं।

हम चाहते हैं कि हमारे विचारों का सम्मान हो, लेकिन दूसरों के विचार हमसे अलग हों तो हमें परेशानी होने लगती है। हम अपने लिए आजादी चाहते हैं, मगर दूसरे अपनी पसंद से जीवन जिएँ तो उनकी आलोचना करने लगते हैं। हर व्यक्ति अपने लिए खुला आकाश चाहता है, लेकिन दूसरे के आकाश में उड़ते पंछी को देखकर बेचैन हो उठता है।

'जियो और जीने दो' केवल एक सुंदर वाक्य नहीं, बल्कि सभ्य समाज की बुनियादी शर्त है।

इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय देखकर चुप रहा जाए या गलत कार्यों का विरोध करना छोड़ दिया जाए। इसका अर्थ है कि जब तक किसी का व्यवहार दूसरों के अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान को नुकसान नहीं पहुँचाता, तब तक उसे अपनी पसंद के अनुसार जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए।

हर व्यक्ति की परिस्थितियाँ अलग हैं। किसी की खुशी सादगी में है, तो किसी की उपलब्धियों में। कोई परंपराओं से जुड़कर आनंदित होता है, तो कोई नए रास्तों पर चलकर अपना भविष्य बनाना चाहता है। किसी को भीड़ पसंद है, तो किसी को एकांत में सुकून मिलता है। जब तक किसी की पसंद से दूसरे का अधिकार प्रभावित नहीं होता, तब तक केवल अपनी पसंद को श्रेष्ठ मानकर दूसरों को गलत ठहराना कहाँ तक उचित है?

हम अक्सर भूल जाते हैं कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल अपनी इच्छाओं को पूरा करना नहीं, बल्कि दूसरों की स्वतंत्रता का सम्मान करना भी है।

बोध कथा

एक सेवा का मूल्य

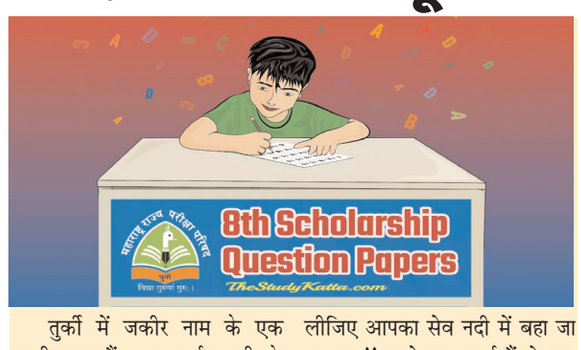

तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया।अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंत:करण से आवाज आई ''फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से पैदा किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?''सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े।

थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।'' उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।''फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ। फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली-अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?''फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।''

कविता

नाक में दम करने...!

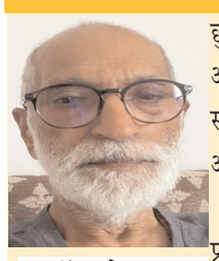

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

छुपे रुस्तम खुलकर सामने
आ गए,
सड़कों पर कुकर कटखने
आ गए।

प्रगति-रथ को आगे बढ़ता
देखकर,
रास्ते में अवरोध पैदा करने
आ गए।

देश में दुश्मनों द्वारा लगाई आग में,
विरोधी अपने हाथ सेंकने आ गए।

सात समंदर पार से मौत खिंच लाई,
क़ुरबान होने को खुद मेमने आ गए।

उरग, मूषक,मच्छर,मक्खियाँ मिल,
नृप की नाक में दम करने आ गए।

2. बाग़ औ' बहार में...!

टिड्डी दल आसमां पर छा जाना चाहता है,
हरी-भरी फ़सल चट कर जाना चाहता है।

देश भर की गंदगी को जमा कर, बहाकर,
आबे- गटर का दरिया बहाना चाहता है।

विकलांगता का जरा दुस्साहस तो देखिए,
हिम-शिखर पर ध्वज फहराना चाहता है।

नभ से विराट, सागर से गहरे जन-मत में,
शंखों के दम पर तूफ़ान उठाना चाहता है।

सौदाई हस्तिनापुर को हथियाने के लिए,
बाग औ'बहार में आग लगाना चाहता है।

व्यंग्य केसरी

क्रेडिट के लिए भिड़े दो फूफा!

अजय कुमार बियानी

बाल रंगवाने पहुँचे बुजुर्ग ने नाई से कहा, 'भैया, थोड़ा फेशियल भी कर देना। इंजीनियरिंग कॉलेज के रीयूनियन की तैयारी है।' नाई मुस्कुराया, 'दादा, लगता है कॉलेज के दिनों वाली जवानी लौटाने का इरादा है!'

बुजुर्ग ने आईने में चेहरा निहारा और ठंडी साँस भरकर बोले, 'जवानी लौटे न लौटे, रीयूनियन का मामला जरूर लिंबो में लटक गया है। दो पूर्व छात्र संगठनों की खींचतान देखकर कॉलेज प्रशासन ने आयोजन समिति ही भंग कर दी। अब पुराने दोस्तों को मिलाने से पहले आयोजकों को आपस में मिलाने की जरूरत पड़ गई है।'

नाई ने पूछा, 'फिर आयोजन आगे कैसे बढ़ेगा?'

दादा बोले, 'हमारे यहाँ जो पहले दौड़ता है, वही मैदान मारने की कोशिश करता है। वर्ष 2010 में बने एक संगठन ने तेजी दिखाई। प्रतिनिधि भोपाल पहुँचे, मंत्रियों और अधिकारियों से मुलाकात की और आयोजन के लिए सहमति भी हासिल कर ली। लेकिन असली ट्विस्ट यह है कि सरकारी सहमति का कागज हाथ में होने के बावजूद आगे का ठोस कार्यक्रम तय नहीं हो पा रहा।'

नाई ने हैरानी से पूछा, 'तो क्या अब दोबारा मंत्रियों के पास जाना पड़ेगा?'

'यही तो मुश्किल है! सहमति लेने के बाद फिर जाकर पूछें कि हुजूर, अब करना क्या है? मंत्रियों को तो उद्घाटन और रिबन काटने से मतलब है; उन्हें क्या फर्क पड़ता है कि आयोजन किस संगठन के बैनर तले हो रहा है!'

नाई ने कहा, 'लेकिन सुना है, अस्सी प्रतिशत से ज्यादा बैचों के लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है?'

दादा बोले, 'रजिस्ट्रेशन कराया नहीं, उम्मीद में करा दिया! '.फिर व्यंग्य से कहा, 'हालत ऐसी है जैसे बारात तैयार हो, घोड़ी दरवाजे पर खड़ी हो, बारातियों के कपड़े सिल चुके हों और हलवाई ने सामान भी जुटा लिया हो। मगर दो फूफा इस बात पर भिड़े हों कि तोरण पहले कौन मारेगा!'

नाई ने हँसते हुए पूछा, 'दादा, असली मुद्दा रीयूनियन है या क्रेडिट?'

दादा ने जवाब दिया, 'यही तो मिलियन डॉलर क्वेश्चन है! पुराने दोस्तों को मिलाने का उद्देश्य पीछे छूट रहा है और मंच पर नाम, फोटो में जगह तथा आयोजन का श्रेय लेने की होड़ आगे निकल गई है। वर्षों पुरानी दोस्ती से ज्यादा कीमती आयोजन का क्रेडिट हो गया है।'

नाई ने शरारत से पूछा, 'और दादीजी? वे भी साथ चलेंगी?'

दादा के चेहरे पर चमक आ गई: 'उनका रजिस्ट्रेशन तो हो चुका है। उन्हें पुराने दोस्तों से मिलना है, कॉलेज के दिनों की यादें ताजा करनी हैं। लेकिन डर है कि जब तक दोनों संगठनों का ईगो सेटल होगा, तब तक घर में सवाल उठने लगेंगे—आपका रीयूनियन है या सिर्फ मीटिंग पर मीटिंग?'

कुछ देर बाद दादा बोले, 'अब तो सोचता हूँ कि सहमति-पत्र महाकाल के दरबार में चढ़ा आऊँ। शायद बाबा महाकाल ही सबको सद्बुद्धि दें, ताकि इंजीनियरिंग कॉलेज के पुराने साथी फाइलों और गुटबाजी से बाहर निकलकर एक मंच पर आ सकें।'

इतिहास

28 अक्टूबर का इतिहास देश और दुनिया की कई प्रमुख घटनाओं से जुड़ा है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1492: क्रिस्टोफर कोलंबस ने क्यूबा के पूर्वी तट की खोज की।

1636: अमेरिका का सबसे पुराना उच्च शिक्षण संस्थान हार्वर्ड यूनिवर्सिटी कैम्ब्रिज, मैसाचुसेट्स में स्थापित हुआ।

1831: वैज्ञानिक माइकल फैराडे ने इलेक्ट्रिक डायनेमो का सफल प्रदर्शन किया।

1886: अमेरिका के राष्ट्रपति ग्रोवर क्लीवलैंड ने फ्रांस द्वारा तोहफे में दी गई स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी का आधिकारिक अनावरण किया।

1918: ऑस्ट्रिया-हंगरी से अलग होकर चेकोस्लोवाकिया एक स्वतंत्र राष्ट्र बना।

1954: प्रसिद्ध लेखक अर्नेस्ट हेमिंग्वे को साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

मुंगेली को उप मुख्यमंत्री अरुण साव की बड़ी सौगात

नवापारा तालाब के कायाकल्प के लिए 3.01 करोड़ की मिली प्रशासकीय स्वीकृति

विश्व केसरी■

मुंगेली (रवि शुक्ला)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने मुंगेली नगर को एक और बड़ी सौगात दी है। नगर के वार्ड क्रमांक 12 स्थित नवापारा तालाब के रिवाइटलाइजेशन (कायाकल्प एवं पुनर्जीवन) कार्य के लिए राज्य शहरी विकास अभिकरण, छत्तीसगढ़ द्वारा 3 करोड़ 1 लाख 7 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृति से नगर में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ ही तालाब के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और बेहतर उपयोग की दिशा में महत्वपूर्ण पहल का रास्ता खुला है।

भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा संचालित अमृत मिशन 2.0 (अटल शहरी नवीकरण एवं परिवर्तन मिशन) के अंतर्गत वाटर बॉडी रिवाइटलाइजेशन घटक में इस परियोजना को स्वीकृति दी गई है। राज्य स्तरीय हाई पावर स्टेयरिंग कमेटी की बैठक में लिए गए निर्णयों तथा राज्य शासन के संबंधित आदेशों के परिप्रेक्ष्य में यह प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। परियोजना की स्वीकृत लागत में पांच वर्षों का संचालन एवं संधारण भी शामिल है।

नवापारा तालाब के कायाकल्प की इस परियोजना से तालाब के संरक्षण एवं विकास को गति मिलने की उम्मीद है। जल निकायों का पुनर्जीवन शहरी क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण, जल संचयन और नागरिकों को बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दृष्टि से महत्वपूर्ण माना जाता है। परियोजना का क्रियान्वयन नगर पालिका परिषद मुंगेली द्वारा किया जाएगा। इसके लिए शासन ने निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्य करने, स्वीकृत डिजाइन के अनुसार निर्माण कराने तथा निर्धारित समय-सीमा में परियोजना पूर्ण करने की शर्तें रखी हैं।

आदेश के अनुसार, निर्माण कार्य के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित निविदा प्रारूप के आधार पर निविदा आमंत्रित की जाएगी। कार्य की प्रगति की नियमित समीक्षा होगी तथा व्यय की उपयोगिता संबंधी प्रमाण-पत्र निर्धारित समय पर प्रस्तुत करना अनिवार्य रहेगा। परियोजना के निर्माण कार्यों का निरीक्षण भारत सरकार द्वारा नियुक्त थर्ड पार्टी इंडिपेंडेंट रिव्यू एंड मॉनिटरिंग एजेंसी (आईआरएमए) द्वारा भी किया जाएगा। साथ ही, परियोजना के आगामी पांच वर्षों के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी संबंधित निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

एल्डरमैन अमितेश विज्जु आर्य ने जताया आभार - नगर पालिका परिषद मुंगेली के एल्डरमैन अमितेश विज्जु आर्य ने नवापारा तालाब के रिवाइटलाइजेशन कार्य के लिए 3.01 करोड़ रुपए से अधिक की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किए जाने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है।

अमितेश विज्जु आर्य ने कहा कि मुंगेली नगर के विकास और नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण निर्णय है। वार्ड क्रमांक 12 के नवापारा तालाब के कायाकल्प के लिए इतनी बड़ी राशि की स्वीकृति मिलने से क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। तालाब जैसे जल निकायों का संरक्षण और पुनर्जीवन नगर के पर्यावरण तथा भविष्य की आवश्यकताओं के लिए भी महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नगरीय क्षेत्रों के विकास, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। नवापारा तालाब के विकास की स्वीकृति इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है। इसके लिए उन्होंने उप मुख्यमंत्री अरुण साव का धन्यवाद करते हुए उम्मीद जताई कि परियोजना का कार्य निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा होगा और नगरवासियों को इसका लाभ मिलेगा। नवापारा तालाब के कायाकल्प के लिए मिली यह स्वीकृति मुंगेली के शहरी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। अब नगरवासियों की निगाहें परियोजना के धरातल पर उतरने और कार्य समय पर पूरा होने पर रहेंगी।

चक्रवाती तूफान 'अर्नब' को लेकर चेतावनी, मुंगेली में हाई अलर्ट, 29 को बारिश के आसार

विश्व केसरी■

मुंगेली (रवि शुक्ला)। बंगाल की खाड़ी में बने कम दबाव के क्षेत्र के प्रभाव से चक्रवाती तूफान 'अर्नब' की आशंका के बीच छत्तीसगढ़ में मौसम के प्रभावित होने की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त पूर्वानुमान के अनुसार मुंगेली जिले में 29 अक्टूबर तक वर्षा होने की संभावना है। मौसम विभाग ने 28 एवं 29 अक्टूबर को जिले में गरज-चमक के साथ बारिश की आशंका जताई है। इसे देखते हुए जिला प्रशासन ने सतर्कता बरतने की अपील की है। वहीं, किसानों की फसलों, सब्जियों, फलदार पौधों और पशुधन को संभावित नुकसान से बचाने के लिए कृषि विभाग ने भी आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

जिले के कलेक्टर अमृत विकास तोपनो ने जिलेवासियों से मौसम की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए सावधानी बरतने की अपील की है। उन्होंने कहा कि खराब मौसम के दौरान लोग अपने घरों में सुरक्षित रहें और अत्यंत आवश्यक कार्य होने पर ही बाहर निकलें। गरज-चमक, तेज हवा और बारिश के दौरान विशेष सतर्कता बरतें तथा मौसम विभाग एवं जिला प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। कलेक्टर ने किसानों से अपील की है कि वे खेतों में कटी हुई फसलों को खुले में न छोड़ें, बल्कि उन्हें सुरक्षित एवं सूखे स्थानों पर रखें। इसके साथ ही पशुधन की सुरक्षा के लिए भी समुचित इंतजाम करें। किसी भी आपातकालीन स्थिति में जिला प्रशासन द्वारा स्थापित कंट्रोल रूम के माध्यम से सहायता लेने की अपील की गई है।

किसानों को फसल सुरक्षा के लिए विशेष सलाह - संभावित बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए कृषि विभाग ने किसानों को अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए पहले से तैयारी करने की सलाह दी है। विभाग ने खेतों में जल निकासी की व्यवस्था दुरुस्त रखने, कटी हुई फसलों का सुरक्षित भंडारण करने और खेतों की नियमित निगरानी करने पर जोर दिया है। खेतों में पानी जमा होने से फसलों को नुकसान पहुंच सकता है, इसलिए जलभराव रोकने के लिए आवश्यक प्रबंध करने की सलाह दी गई है।

कृषि विभाग की उपसंचालक ने आगामी दिनों में बारिश की संभावना को देखते हुए पकने की अवस्था में पहुंच चुकी धान, दलहन एवं तिलहन फसलों की कटाई अगले दो से चार दिनों तक टालने की सलाह दी है। जिन किसानों ने पहले ही कटाई शुरू कर दी है, उन्हें कटी हुई फसलों को जल्द से जल्द सुरक्षित और सूखे स्थान पर रखने को कहा गया है, ताकि बारिश के कारण उपज खराब होने की आशंका कम की जा सके। विभाग ने किसानों को फसलों में कीट या रोग के लक्षण दिखाई देने पर मौसम साफ होने के बाद आवश्यकतानुसार कीटनाशक एवं कवकनाशक का छिड़काव करने की सलाह दी है।

देश काल और परिस्थिति को ध्यान में रख कर दिया गया दान ही उचित होता है : राजेश्री महन्त

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शिवरीनारायण मठ राजवंश स्थल, सबेरा संकेत के बाजू ,राजनांदगांव में आयोजित श्री वैष्णव महासभा छत्तीसगढ़ के सम्मान समारोह में मुख्यद्य के रूप में सम्मिलित हुए। यह कार्यक्रम नवनिर्वाचित अध्यक्ष सुरेंद्र दास जी के जन्म दिवस के अवसर पर संपन्न हुआ।

मुख्य अतिथि का स्वागत सामाजिक बंधुओं के द्वारा पुष्पाहार, पुष्पवर्षा, शाल, श्रीफल से किया गया। भगवान लक्ष्मी नारायण जी की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा अर्चना के बाद बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राजेश्री महन्त जी महाराज ने कहा कि - श्रीमद् भागवत गीता में लिखा है कि 'देशे काले च पात्रे च तद्दानं सात्विकं स्मृतम्' अर्थात देश,काल और परिस्थिति को ध्यान में रखकर दिया गया दान ही उचित होता है। आप सभी ने दाऊजी को अपना अमूल्य वोट देकर निर्वाचित किया है मुझे पूरा विश्वास है वे अपने पद के साथ न्याय करेंगे, वैष्णव समाज की प्रतिष्ठा के अनुरूप समाज को आगे बढ़ाएंगे। संपूर्ण समाज में वैष्णवों की अग्रणी पंक्ति में स्थान है। उन्होंने कहा कि हमें अपने पूर्वजों के द्वारा प्रदत्त सनातन परंपरा का निर्वाह करनी चाहिए। प्रत्येक वैष्णव जन को तिलक, जनेऊ, सिर पर सिखा, गले में तुलसी का कंठी माला अवश्य धारण करनी चाहिए। इसके पूर्व नवनिर्वाचित अध्यक्ष जी ने अपने संबोधन में कहा है कि- वैष्णव समाज को उस ऊंचाई तक ले जाऊंगा जहां प्रत्येक वैष्णव जन उसे देखना चाहते हैं। उन्होंने मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने हमारा निवेदन स्वीकार कर यहां पहुंच कर हम सभी का गौरव बढ़ाया है।

ऑपरेशन 'बॉज' के तहत जिला सक्ती पुलिस की लगातार कार्रवाई

विश्व केसरी■

सक्ती (ईश्वर लोधी)। पुलिस अधीक्षक जिला सक्ती प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के निर्देशन में जिले में लंबे समय से फरार चल रहे स्थायी वारंटियों की धरपकड़ के लिए रेंज कार्यालय द्वारा चलाये जा रहे ऑपरेशन 'बॉज' के तहत विशेष अभियान चलाने हेतु दिशा - निर्देश प्राप्त हुआ था है। अभियान के अंतर्गत फरार वारंटियों की पतासाजी कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने हेतु जिले के प्रत्येक थाना स्तर पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस सक्ती भुवनेश्वरी पैकरा के मार्गदर्शन में अलग-अलग थानों के पुलिस टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए आज 27 अक्टूबर को और 07 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार कर सभी स्थाई वांरटियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा आरोपियों को जेल दाखिल किए जाने का आदेश दिए जाने सभी 07 स्थाई वांरटियों को जेल दाखिल कराया गया।

तुस्मा में खुलेआम अवैध महुआ शराब की बिक्री

विश्व केसरी■

शिवरीनारायण (नीरज शर्मा)। शिवरीनारायण क्षेत्र से लगे ग्राम पंचायत तुस्मा में कथित रूप से अवैध महुआ शराब की बिक्री का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव के सतनामी मोहल्ला, सड़क पारा सहित कई स्थानों पर खुलेआम महुआ शराब उपलब्ध कराई जा रही है। इससे गांव का माहौल प्रभावित होने के साथ ही युवा वर्ग और स्कूली बच्चों पर भी नशे का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार, गांव में अवैध शराब की बिक्री के चलते सामाजिक वातावरण लगातार प्रभावित हो रहा है। शराब सेवन के बाद विवाद और घरेलू कलह की स्थिति बनने के साथ ही सड़क हादसों का खतरा भी बढ़ने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ शराबी नशे की हालत में गलियों और सड़क किनारे सो जाते हैं। ऐसे में मोहल्लेवासियों को आवागमन सहित अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विरोध करने पर भी कई तरह की मुश्किलें खड़ी होने की बात ग्रामीणों ने कही है।

कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी - ग्रामीणों ने पुलिस और आबकारी विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए ग्राम तुस्मा में विशेष जांच अभियान चलाने की मांग की है। उनका कहना है कि अवैध शराब बनाने और बेचने वालों की पहचान कर नियमानुसार कार्रवाई की जाए। साथ ही शराब निर्माण में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की जांच कर नियमानुसार जब्ती की कार्रवाई भी की जाए।

आसपास के गांवों में भी जांच की मांग - स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से तुस्मा सहित आसपास के गांवों में आबकारी विभाग की टीम भेजकर जांच कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि केवल एक बार कार्रवाई करने से इस तरह के कारोबार पर प्रभावी रोक लगाना मुश्किल है। इसके लिए नियमित निगरानी और लगातार कार्रवाई जरूरी है। अब ग्रामीणों की नजर पुलिस, आबकारी विभाग और जिला प्रशासन की पहल पर टिकी है। देखना होगा कि शिकायतों के बाद संबंधित विभाग इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।

कोरिया के पटना क्षेत्र में अवैधानिक कोयले के कारोबार का खेल!

विश्व केसरी■

पटना/कोरिया (राजेश उपाध्याय)। कोरिया जिले के पटना क्षेत्र में कथित तौर पर अवैध कोयला कारोबार का खेल लगातार जारी रहने की शिकायतें सामने आ रही हैं। आरोप है कि एसईसीएल क्षेत्र से कोयला निकालकर अवैध रूप से ईंट भट्ठों तक पहुंचाया जा रहा है और इसके बदले मोटी रकम वसूली जा रही है। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह न केवल सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला है, बल्कि संबंधित निगरानी व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है।

पुलिस की निगरानी के बावजूद कैसे चल रहा कारोबार?

क्षेत्र में कथित अवैध कोयला निकासी और उसकी बिक्री को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि यह गतिविधि लंबे समय से चल रही है, तो जिम्मेदार विभागों को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? क्या कोयले की निकासी और परिवहन पर प्रभावी निगरानी नहीं हो रही है, या फिर जांच और कार्रवाई में कहीं कोई कमी रह गई है?

स्थानीय स्तर पर इस तरह के कारोबार की चर्चा के बीच पुलिस, खनिज विभाग और संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी भी सवालों के घेरे में है। हालांकि, पूरे मामले की वास्तविक स्थिति जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

ईंट भट्ठों तक कैसे पहुंच रहा एसईसीएल का कोयला?

आरोप है कि एसईसीएल क्षेत्र से निकाले गए कोयले को अवैध ईंट भट्ठों तक पहुंचाकर बेचा जा रहा है। यदि ऐसा हो रहा है, तो कोयले के स्रोत, परिवहन में इस्तेमाल होने वाले वाहनों, बिक्री से जुड़े लोगों और संबंधित भट्ठों की जांच जरूरी है।

लखनपुर विकासखंड में शराबबंदी, अब कुंवरपुर में तैयारी

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। सरगुजा जिले के लखनपुर विकासखंड में इन दिनों शराबबंदी को लेकर जागरूकता की लहर देखने को मिल रही है। कंचनपुर, खरसुरा और केवरी के बाद अब ग्राम पंचायत कुंवरपुर में भी पूर्ण शराबबंदी की दिशा में पहल शुरू हो गई है। शराब के दुष्परिणामों से गांव और परिवारों को बचाने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामसभा की बैठक में बड़ी संख्या में महिलाएं एकजुट हुईं और पंचायत में शराबबंदी लागू करने को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई।

बैठक में ग्रामीणों ने गांव में शराब के सेवन, बिक्री और निर्माण पर रोक लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस दौरान शराब पीने-पिलाने और शराब बनाने वालों पर भारी जुर्माना लगाने का प्रस्ताव भी चर्चा में आया। ग्रामसभा में मौजूद महिलाओं और ग्रामीणों ने शराबबंदी को लेकर अपनी सहमति जताते हुए इसे गांव के सामाजिक वातावरण में सुधार लाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

महिलाओं की एकजुटता से बढ़ी शराबबंदी की उम्मीद

ग्राम कुंवरपुर में शराबबंदी को लेकर हुई इस पहल में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से देखने को मिली। ग्रामीणों का मानना है कि शराब की लत के कारण कई परिवारों को आर्थिक और सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में गांव में शराबबंदी लागू होने से परिवारों की आर्थिक स्थिति में सुधार, घरेलू विवादों में कमी और सामाजिक वातावरण को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। बैठक में ग्राम पंचायत के सरपंच चमन सिंह, पंचों सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने शराबबंदी की पहल को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई। हालांकि, ग्राम पंचायत में पूर्ण शराबबंदी लागू करने के लिए आगे क्या कदम उठाए जाएंगे और प्रस्ताव को किस तरह अमलीजामा पहनाया जाएगा, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

अन्य गांवों के बाद कुंवरपुर पर टिकी निगाहें

लखनपुर विकासखंड के कंचनपुर, खरसुरा और केवरी सहित आसपास के क्षेत्रों में शराबबंदी को लेकर चल रही पहलों के बीच अब कुंवरपुर का नाम भी इस मुहिम से जुड़ता नजर आ रहा है। ग्रामीणों की एकजुटता और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से शराबबंदी की उम्मीद मजबूत हुई है।

किसान कांग्रेस लखनपुर की कार्यकारिणी का विस्तार, 30 सदस्यीय कार्यकर्ता शामिल

विश्व केसरी■

लखनपुर (रिक्की)। ब्लॉक किसान कांग्रेस लखनपुर की कार्यकारिणी का किया गया गठन यह गठन टी एस सिंह देव पूर्व उपमुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ कांग्रेस जिला अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक प्रदेश कांग्रेस सदस्य विक्रमादित्य सिंहदेव लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अमित सिंह देव किसान कांग्रेस सरगुजा जिला अध्यक्ष नागेश्वर यादव की अनुशंसा पर किसान कांग्रेस अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा के अनुमोदन से ब्लॉक किसान कांग्रेस अध्यक्ष अजर राम चौधरी के द्वारा ब्लाक कार्यकारिणी की आधिकारिक घोषणा किया गया जिसमें उपाध्यक्ष बाबर हुसैन, विजय यादव, लोचन सिंह पैकरा, धनी प्रजापति

कोषाध्यक्ष विजय पैकरा, महामंत्री मुनि देव , नरेश कुमार सिंह, सुमित राजवाड़े, जयप्रकाश साहू, हाकिम सिंह, लक्ष्मण सिंह, सचिव मुनेश्वर यादव, गुरुदयाल, सेवक राम राजवाडे, धनीराम, प्रतिमा, धनेश्वर राजवाड़े सिंह, रामजीवन, उदय सिंह, सदस्य नंदलाल मिर्रे, राम सिंह पैकरा,बाल रूप , उमेश्वर सिंह, आत्माराम, शिरो सिंह, मुन्नी राजवाड़े,मनीष सिरदार, श्याम नारायण, संगम लाल, सबन पोर्ते सहित 30 सदस्यीय टीम का गठन किया गया।

बिहान योजना से गुड्डी को मिला आत्मनिर्भरता का संबल, बांस शिल्प से संवर रही परिवार की आर्थिक स्थिति

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

योजना के माध्यम से महिलाएं स्व-सहायता समूहों से जुड़कर स्वरोजगार अपना रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत बना रही हैं। इसकी एक प्रेरक मिसाल सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत गुमगराकलां की गुड्डी हैं, जिन्होंने महिला स्व-सहायता समूह से 50 हजार रुपये का ऋण लेकर पारंपरिक बांस शिल्प को आजीविका का माध्यम बनाया है। आज वे बांस से विभिन्न घरेलू उपयोग की सामग्री तैयार कर परिवार की जरूरतें पूरी करने के साथ बच्चों की शिक्षा में भी सहयोग कर रही हैं।

समूह से मिले 50 हजार रुपये के ऋण ने खोली स्वरोजगार की राह

गुड्डी बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। सीमित आय के कारण घर का खर्च चलाने और बच्चों की पढ़ाई की जरूरतें पूरी करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। इसी बीच वे बिहान योजना के अंतर्गत माही महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ीं। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक गतिविधि शुरू करने का अवसर मिला। उन्होंने समूह के माध्यम से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और इस राशि से बांस की खरीदारी कर पारंपरिक बांस उत्पादों के निर्माण का कार्य शुरू किया।

गुड्डी बांस से सूपा, मोरा, बथिया, टोकरी सहित दैनिक उपयोग की विभिन्न सामग्रियां तैयार करती हैं। इन उत्पादों के निर्माण और बिक्री से उन्हें आमदनी होने लगी, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार आया।

पासेना-बरडांडपारा से गंगोली गोठान होते हुए घंघरी तक 2.40 किलोमीटर सड़क का डामरीकरण कार्य पूर्ण

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। लोक निर्माण विभाग द्वारा जिले में सड़क अधोसंरचना को सुदृढ़ करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर आवागमन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया गया है। इसके अंतर्गत पासेनादृबरडांडपारा से गंगोली गोठान होते हुए घंघरी तक 2.40 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण एवं डामरीकरण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उक्त सड़क निर्माण कार्य के लिए 24 दिसंबर 2024 को 373.58 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई थी।

सड़क निर्माण से आसपास के ग्रामीणों को मिलेगी बेहतर आवागमन सुविधा

इस सड़क के निर्माण से गंगोली, कोयलारी, पासेना, बरडांडपारा एवं घंघरी सहित आसपास के ग्रामों के ग्रामीणों को सुगम एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी।

सड़क का डामरीकरण पूर्ण होने से ग्रामीण क्षेत्रों की संपर्क व्यवस्था बेहतर हुई है। विशेष रूप से स्कूली विद्यार्थियों को गंगोली हाई स्कूल तक पहुंचने में आसानी होगी। इससे विद्यार्थियों को नियमित रूप से विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलने के साथ ही शैक्षणिक गतिविधियों में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

क्षेत्र के कृषक मुख्य रूप से खीरा, टमाटर एवं गन्ना सहित विभिन्न कृषि उपज का उत्पादन करते हैं। सड़क निर्माण से किसानों को अपनी कृषि उपज खेतों से स्थानीय बाजारों एवं व्यापारिक केंद्रों तक पहुंचाने में सुविधा होगी।

भारत अपने हितों को केंद्र में रखकर ले रहा फैसले, रूस से तेल आयात कम करने का दबाव नहीं: हरदीप पुरी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी ने मंगलवार को कहा कि भारत कच्चे तेल के लिए अपने हित को केंद्र में रखकर फैसले ले रहा है और फिलहाल रूसी तेल आयात कम करने के लिए अमेरिका को कई दबाव नहीं है।

एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मध्य-पूर्व से कच्चे तेल की आपूर्ति में तेज वृद्धि हुई है। बड़ी संख्या में कार्गो क्षेत्र से बाहर निकल पा रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यूक्रेन युद्ध से पहले भारत केवल अपना 0.2 प्रतिशत ही कच्चा तेल रूस से आयात करता था, लेकिन रूसी कच्चे तेल पर डिस्काउंट के चलते आयात में तेज वृद्धि हुई।

शिप ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, सितंबर में भारत का मध्य-पूर्व से कच्चे तेल का आयात काफी बढ़ गया है और यह युद्ध-पूर्व के स्तर पर वापस आ गया है। वहीं, चीन से मिल रही कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच, रिफाइनरियों ने रूसी तेल की खरीद कम कर

दी है। रिपोर्ट में बताया गया कि रूसी तेल की खरीद, अन्य प्रकार के तेलों की तुलना में मिलने वाली छूट और कीमत पर निर्भर करती है। रूसी तेल का आयात इसलिए कम हुआ है क्योंकि रिफाइनरियां अब खाड़ी देशों से मिलने वाला वह तेल ज्यादा खरीद रही हैं, जो छूट पर उपलब्ध है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आखिरकार, हर फैसला अपने ही फायदे को ध्यान में रखकर लिया जाता है।

अक्टूबर की शुरुआत में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 'राष्ट्रीय हित' से जुड़े प्रावधानों का इस्तेमाल करते हुए, पिछले महीने बने एक कानून के तहत रूसी ऊर्जा निर्यात पर लगने वाले नए प्रतिबंधों और शुल्कों को हटा दिया। इससे भारत को 100 प्रतिशत तक के संभावित शुल्कों से राहत मिली है। सितंबर में, पुरी ने कहा था कि भारत ने भू-राजनीतिक संकटों के बीच आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों को बखूबी संभाला है और ऊर्जा आयात को लगातार बनाए रखा है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की 'ऊर्जा कूटनीति' की सफलता को दर्शाता है।

केंद्रीय मंत्री के अनुसार, 'आज ऊर्जा सुरक्षा का मतलब सिर्फ आपूर्ति सुनिश्चित करना नहीं है; बल्कि इसका मतलब संघर्षों, मुश्किल रास्तों, कीमतों में उतार-चढ़ाव और अचानक आने वाली रुकावटों के बीच देश और उसकी अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप से आगे बढ़ाते रहना भी है।'

इसके अलावा, मंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य को आकार देने में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रहा है। अगले दो दशकों में दुनिया की ऊर्जा मांग में होने वाली कुल वृद्धि का लगभग एक-चौथाई हिस्सा भारत से आने की उम्मीद है।

सोना-चांदी के दाम घटे

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। धनतेरस और दिवाली से पहले सोने-चांदी की खरीदारी करने वालों के लिए राहत भरी खबर है। पिछले कई दिनों से जारी गिरावट के बीच मंगलवार को भी घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमती धातुओं पर दबाव बना रहा। घरेलू बाजार एमसीएक्स पर सोने में 0.43 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, और यह 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया। वहीं चांदी 2.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1.91 लाख रुपए प्रति किलोग्राम के करीब पहुंच गई।

इस तरह, सोने और चांदी की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तरों से काफी नीचे आ चुकी हैं, जिससे त्योहारी खरीदारी की योजना बना रहे उपभोक्ताओं को फायदा मिल रहा है। बाजार जानकारों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर ऊंची ब्याज दरों की आशंका, कमजोर निवेश मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में जारी बिकवाली का असर घरेलू कीमतों पर भी दिखाई दे रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार, कॉमेक्स में मंगलवार को सोना करीब 0.54 प्रतिशत गिरकर 4,016.60 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार करता नजर आया, जबकि चांदी 2.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52.855 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। पिछले कुछ हफ्तों से वैश्विक बाजार में लगातार दबाव बना हुआ है और सोना मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर के आसपास कारोबार कर रहा है। निवेशकों की नजर अब अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक और आगे की ब्याज दर नीति पर बनी हुई है।

वहीं, वैश्विक कमजोरी का असर भारतीय बाजार में भी दिखा। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर दिसंबर डिलीवरी वाला सोना करीब 656 रुपए यानी 0.46 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,417 रुपए प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता नजर आया। वहीं चांदी में और बड़ी गिरावट देखने को मिली यह करीब 3,808 रुपए यानी 1.94 प्रतिशत टूटकर 1,91,985 रुपए प्रति किलोग्राम पर ट्रेड करती नजर आई। दिन के कारोबार में एमसीएक्स पर सोने ने 0.43 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,42,216 रुपए प्रति 10 ग्राम का निम्नतम स्तर छुआ, वहीं चांदी ने 2.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,91,516 रुपए यानी 54.40 प्रतिशत प्रति किलोग्राम का इंट्रा-डे लो छुआ। बता दें कि इस वर्ष 29 जनवरी को सोने ने 1,80,779 रुपए प्रति 10 ग्राम के करीब अपना रिकॉर्ड उच्च स्तर बनाया था। वहीं चांदी जनवरी में 4,20,048 रुपए प्रति किलोग्राम के ऐतिहासिक स्तर तक पहुंच गई थी।

मौजूदा कीमतों की तुलना करें तो सोना अपने उच्चतम स्तर से लगभग 38,563 रुपए यानी 21.33 प्रतिशत प्रति 10 ग्राम तक और चांदी करीब 2,28,532 लाख रुपए प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो चुकी है।

पेटीएम का मर्चेंट विस्तार भुगतान क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा की चिंताओं को कर रहा कम: बर्नस्टीन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत के डिजिटल भुगतान बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा को लेकर चिंताओं के बीच पेटीएम अपने मर्चेंट पेमेंट कारोबार का लगातार विस्तार कर रहा है, जिससे ये चिंताएं कम हो रही हैं। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने फिनटेक कंपनी पर अपनी 'आउटपरफॉर्म' रेटिंग बरकरार रखी है और इसके लिए 2,200 रुपए का लक्ष्य तय किया है।

पेटीएम के वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के नतीजों पर अपनी ताजा रिपोर्ट में बर्नस्टीन ने कहा कि कंपनी ने सितंबर तिमाही के दौरान लगभग 7 लाख मर्चेंट डिवाइस जोड़े। यह हाल की तिमाहियों में डिवाइस जोड़ने की उसकी रफ्तार के अनुरूप है। लगातार नए डिवाइस जोड़ने से प्रतिस्पर्धा बढ़ने को लेकर चिंताएं कम हो रही हैं।

पेटीएम का मर्चेंट डिवाइस नेटवर्क बढ़कर 1.64 करोड़ हो गया है, जो कारोबारियों के बीच कंपनी की बढ़ती पहुंच को दर्शाता है। कंपनी

ने उपभोक्ताओं की बढ़ती भागीदारी की भी जानकारी दी। मासिक लेनदेन करने वाले यूजर्स की संख्या पिछली तिमाही के मुकाबले 50 लाख और सालाना आधार पर एक करोड़ बढ़कर 8.5 करोड़ हो गई।

बर्नस्टीन ने उपभोक्ता गतिविधियों में तेज वृद्धि को एक और सकारात्मक संकेत बताया। इससे पता चलता है कि पेटीएम अपने भुगतान इकोसिस्टम में यूजर्स की भागीदारी को लगातार मजबूत कर रही है।

ब्रोकरेज ने परिचालन खर्च में वृद्धि को लेकर चिंता जताई, लेकिन पेटीएम के वित्तीय प्रदर्शन में परिचालन लाभ बढ़ने के संकेत दिखाई दिए। कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर 28 प्रतिशत बढ़कर 2,648 करोड़ रुपए हो गया, जबकि एबिटा 90 प्रतिशत बढ़कर 270 करोड़ रुपए रहा। अप्रत्यक्ष खर्च में कुल राशि के लिहाज से वृद्धि हुई, लेकिन राजस्व के अनुपात में यह एक साल पहले के 52 प्रतिशत से घटकर लगभग 46 प्रतिशत रह गया।

बर्नस्टीन ने पेटीएम के भुगतान कारोबार से कमाई करने की क्षमता में सुधार का भी उल्लेख किया। कंपनी का शुद्ध भुगतान मार्जिन 8.5 आधार अंक से बढ़कर 9.1 आधार अंक हो गया। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर भुगतान का कुल लेनदेन मूल्य (जीएमवी) स्थिर रहने के बावजूद शुद्ध भुगतान राजस्व में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह मौजूदा लेनदेन से अधिक कमाई करने की बेहतर क्षमता को दर्शाता है।

वित्तीय सेवाएं कंपनी के लिए वृद्धि का एक अन्य प्रमुख माध्यम बनकर उभरीं। इस क्षेत्र का राजस्व सालाना आधार पर 49 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 12 प्रतिशत बढ़ा। वहीं, मार्केटिंग सेवाओं का राजस्व सालाना आधार पर 26 प्रतिशत और तिमाही आधार पर 20 प्रतिशत बढ़ा। यह कई तिमाहियों तक सुस्ती रहने के बाद इस कारोबार में सुधार का संकेत है।

एफएंडओ एक्सपायरी पर सपाट बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स-निफ्टी में मामूली गिरावट

विश्व केसरी ■

मुंबई। एफएंडओ एक्सपायरी के दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद लगभग सपाट स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सतर्क रुख अपनाया।

कारोबार के अंत में बीएसई सेंसेक्स 8.08 अंक यानी 0.01 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 73,598.67 पर बंद हुआ, तो वहीं निफ्टी 50 भी 3.45 अंक यानी 0.02 प्रतिशत फिसलकर 22,749.75 पर बंद हुआ। वहीं बैंक निफ्टी 0.72 प्रतिशत गिरकर 53,974.90 पर आ गया।

हालांकि, प्रमुख सूचकांकों की सुस्त चाल के बावजूद व्यापक बाजार में खरीदारी का माहौल देखने को मिला। निफ्टी स्मॉलकैप

100 इंडेक्स 2 प्रतिशत से अधिक उछला, जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। इससे संकेत मिला कि निवेशकों की रुचि चुनिंदा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बनी हुई है।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी सीमेंट में 2 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई। इसके बाद निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज और निफ्टी आईटी में कमजोरी देखने को मिली। वहीं निफ्टी मीडिया में 3.6 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी में 1.9 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा में 1.9 प्रतिशत और निफ्टी ऑटो में 1.5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। इसके साथ ही निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल और निफ्टी पीएसयू बैंक भी बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि दूसरी तिमाही (क्यू2) के नतीजों के आधार पर शेयरों में सेक्टर और स्टॉक-आधारित हलचल देखने को मिल रही है। यही वजह रही कि प्रमुख सूचकांक सीमित दायरे में रहे, लेकिन व्यापक बाजार ने बेहतर प्रदर्शन किया।

विशेषज्ञों ने कहा कि मंगलवार के कारोबार में निवेशकों का मनोबल बढ़ाने वाली एक महत्वपूर्ण खबर सरकार की ओर से लगभग 2.12 लाख करोड़ रुपए के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी देना रही। इन प्रस्तावित खरीदों में लगभग 82 प्रतिशत उपकरण घरेलू निर्माताओं से लिए जाने की संभावना है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह फैसला देश के रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए सकारात्मक है और 'आत्मनिर्भर भारत' तथा घरेलू रक्षा उत्पादन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। इससे रक्षा क्षेत्र से जुड़े शेयरों और कंपनियों के दीर्घकालिक विकास की संभावनाएं मजबूत हुई हैं।

पीएनबी में करोड़ों रुपए के गबन, ग्राहकों का दावा- बैंक ने बदला पूरा स्टाफ

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के कर्मचारियों पर ग्राहकों ने करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। साथ ही, दावा किया है कि गड़बड़ी सामने आने के बाद बैंक ने अपने पूरे स्टाफ को बदल दिया है।

मामला ग्रेटर नोएडा में मौजूद पीएनबी की सेक्टर पाई-1 ब्रांच का है।

ग्राहकों ने दावा किया है कि उनके खातों में मौजूद राशि बिना उनकी अनुमति के निकाल ली गई और बैंक अब राशि वापसी के लिए समय मांग रहा है।

बैंक में खाताधारक सोनू ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि उनका इस ब्रांच में खाता है और उससे करीब 90 लाख रुपए गायब है। बैंक की ओर से पैसे गायब होने के पीछे कोई कारण बताया जा रहा है, लेकिन आश्वासन दिया है कि जल्द ही पैसा आ जाएगा।

राहुल ने आईएएनएस से कहा कि उनकी माता जी का इस ब्रांच में खाता है और गड़बड़ी का पता लगने के बाद वह बैंक आए हैं और उनके खाते से करीब 51 लाख रुपए गायब हो गए हैं। साथ ही, कहा कि इस खाते में मोबाइल नंबर नहीं था, जिस वजह से उन्हें अनधिकृत लेनदेन के बारे में समय पर जानकारी नहीं मिल पाई है।

वहीं, सोनू सागर ने आईएएनएस से कहा कि उनके पिता का खाता इस ब्रांच में है। इसमें करीब 88 लाख रुपए थे, लेकिन अब जब स्टेटमेंट निकाला, तो जमा राशि मात्र 1.29 हजार रुपए निकाली।

उन्होंने दावा किया कि यह गबन आज का नहीं है, बल्कि कई सालों से चल रहा है। 6 जून, 2025 को उनके पिता के खाते से 25 लाख, 20 लाख, 5 लाख और 21 लाख की निकासी हुई है और भी अन्य निकासी हुई हैं।

इस गड़बड़ी को लेकर पीएनबी के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दी गई है, जिसे आईएएनएस द्वारा देख गया है।

इसमें एक खाताधारक ने कहा कि जैसे ही उन्हें गड़बड़ी का पता लगा, तो बैंक से संपर्क किया। वहां कर्मचारियों ने एक-दो दिन बाद आने को कहा, लेकिन जैसे ही मैं बैंक पहुंचा, तो शाखा में कोई भी संबंधित अधिकारी उपलब्ध नहीं था और सामान्य बैंकिंग कार्य भी प्रभावित था।

साथ ही, इसमें कहा गया कि बैंक की ब्रांच मैनेजर निशा तिरकी ने 26 अक्टूबर को बताया कि पूरी ब्रांच को सस्पेन्ड कर दिया गया है।

हालांकि, पीएनबी की ओर से इसे लेकर कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

स्टार्टअप इंडिया से 2.5 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मिला बढ़ावा, 25 लाख से ज्यादा रोजगार सृजित: सरकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कारोबार को आसान बनाने और नियामकीय बोझ कम करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए सुधारों ने भारत के कारोबारी माहौल को अनुमति-आधारित व्यवस्था से भरोसा-आधारित ढांचे में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार का कहना है कि इन कदमों ने स्टार्टअप, निवेश, रोजगार सृजन और डिजिटल सेवाओं के विस्तार को नई गति दी है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत अब तक देश

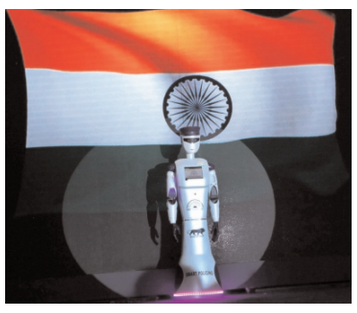

के 770 से अधिक जिलों और 56 क्षेत्रों में 2.5 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है। इन स्टार्टअप्स ने मिलकर 25.42 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में से लगभग 52 प्रतिशत गैर-मेट्रो शहरों से हैं, जो यह दर्शाता है कि उद्यमिता अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। इसके अलावा 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक शामिल है, जो महिला उद्यमिता की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

वहीं, सरकार समर्थित वित्तपोषण योजनाओं का दायरा भी लगातार बढ़ा है। स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के तहत 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 244 इन्क्यूबेटरों के माध्यम से 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स के लिए 775 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता स्वीकृत की गई है।

इसी तरह, सिडबी यानी भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (एसआईडीबीआई) के माध्यम से संचालित फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स के तहत वैकल्पिक निवेश फंडों (एआईएफ) को 12,600 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिबद्धता दी गई है। इन फंडों ने आगे चलकर लगभग 1,500 स्टार्टअप्स में 28,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है।

क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स के अंतर्गत 500 से अधिक ऋण मामलों को समर्थन दिया गया है, जिनकी कुल राशि 1,662 करोड़ रुपए से अधिक है।

हुंडई मोटर इंडिया ने भारत के लिए विशेष रूप से डिज़ाइन की गई हुंडई बेयोन का किया अनावरण

विश्व केसरी■

रायपुर (संवाददाता)। हुंडई बेयोन पिछले दिनों भारत में लॉन्च की गई और इसकी बुकिंग हुंडई डीलरों के साथ-साथ www.hyundai.co.in पर भी शुरू हो चुकी है।

एचएमआईएल का पहला जनरेटिव एआई वॉयस असिस्टेंट, जिसमें 'परप्लेक्सिटी द्वारा इंटेलिजेंस' और साउंडहाउंड एआई द्वारा संचालित वॉयस एआई शामिल है, सहज और स्वाभाविक बातचीत और वास्तविक समय में स्मार्ट ड्राइविंग सहायता प्रदान करता है।

NVIDIA™ द्वारा त्वरित, कनेक्टेड कार नेविगेशन कॉकपिट (CCNC) एक सहज, कनेक्टेड और सहज इन-कार अनुभव प्रदान करता है।

ओवर-द-एयर (सी-ओटीए) अपडेट के लिए 19 तक कंट्रोलर डीलरशिप पर जाए बिना ही रिमोट सॉफ्टवेयर एन्हांसमेंट को

सक्षम बनाते हैं। दो 62.5 सेमी (12.3' + 12.3') घुमावदार पैनोरमिक डिस्प्ले एक शानदार डिजिटल कॉकपिट का अनुभव प्रदान करते हैं।

70 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स से लैस 'हुंडई ब्लूलिंक' एक सहज कनेक्टेड मोबिलिटी अनुभव प्रदान करता है।

हुंडई के भरोसेमंद चार-सिलेंडर 1.5 लीटर MPi पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित, जो 84.4 किलोवाट (115 पीएस) और 144 एनएम (14.7 किलोग्राम) का टॉर्क प्रदान करता है, यह इंजन एक परिष्कृत और कुशल ड्राइविंग अनुभव के लिए 6-स्पीड मैनुअल ट्रांसमिशन (6MT) या इंटेलिजेंट वेरिएबल ट्रांसमिशन (IVT) के विकल्प के साथ आता है।

इंफोटेनमेंट और क्लस्टर स्क्रीन पर मौजूद बहुभाषी यूजर इंटरफेस, जो 10 क्षेत्रीय और 2 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं को सपोर्ट करता है, साथ ही अंग्रेजी, हिंदी, तमिल, बंगाली, तेलुगु और हिंग्लिश में उपलब्ध 500 से अधिक अंतर्निहित वॉयस कमांड, सुगमता, सुविधा और रोजमर्रा के उपयोग को बेहतर बनाते हैं।

गुरुग्राम 7 12 अक्टूबर, 2026: हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड (HMIL) भारत में लॉन्च होने वाली हुंडई बेयोन के साथ इंटेलिजेंट मोबिलिटी के नए युग की शुरुआत कर रही है। यह एक इंटेलिजेंट यूटिलिटी व्हीकल है जिसे 'इंटेलिजेंस दैट मूव्स' के सिद्धांत पर डिजाइन किया गया है। आधुनिक ग्राहकों के लिए डिज़ाइन की गई यह एसयूवी, जो रोजमर्रा की यात्राओं को सरल और समृद्ध बनाने के लिए तकनीक की अपेक्षा रखते हैं, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, उन्नत कनेक्टिविटी, सॉफ्टवेयर-डिफाइंड आर्किटेक्चर और एक इमर्सिव डिजिटल कॉकपिट को सहजता से एकीकृत करती है ताकि एक सहज और कनेक्टेड मोबिलिटी अनुभव प्रदान किया जा सके।

किस दिन मिलेगी सबसे सस्ती फ्लाइट? ट्रैवलर्स को जरूर पता होनी चाहिए टिकट बुकिंग के 5 जबरदस्त हैक्स

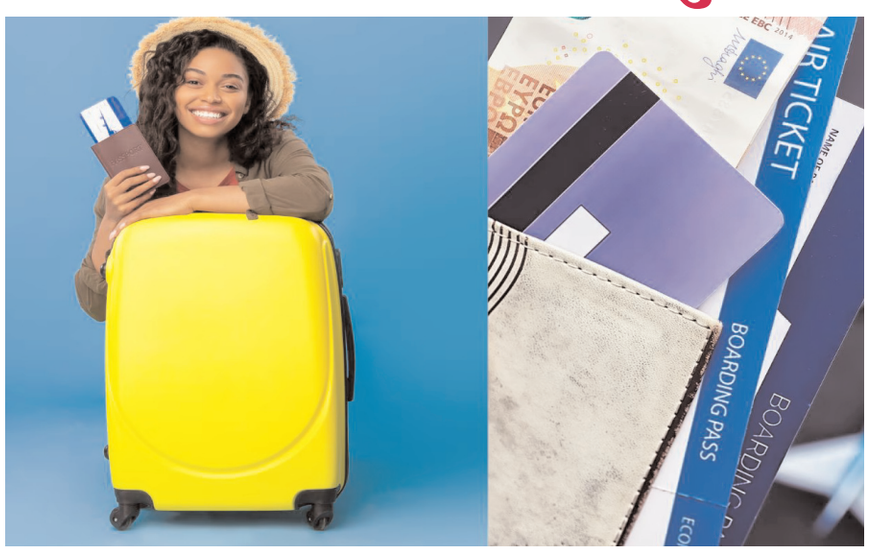

फ्लाइट की टिकट लेना है लेकिन सस्ते में तो कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है. हम आपके लिए लेकर आए हैं ऐसे उपयोगी हैक्स, जिनकी मदद से आप अपने बजट की टिकट ले सकेंगे.

कहीं घूमने जाने का प्लान बनाते समय होटल, घूमने-फिरने और खाने का बजट तो हम बना लेते हैं, लेकिन फ्लाइट टिकट पूरा हिसाब बिगाड़ देती है. एक ही रूट पर अलग-अलग तारीखों में किराया काफी अलग होता है. ऐसे में सवाल उठता है कि टिकट कब बुक करें और किस दिन यात्रा करने पर कम पैसे खर्च हो सकते हैं! वैसे तो इसका कोई एक परफेक्ट नियम नहीं है. यह प्लेन का किराया आपकी मंजिल, यात्रा की तारीख, सीटों की उपलब्धता, छुट्टियों और यात्रियों की मांग पर निर्भर करता है. फिर भी कुछ तरीके हैं, जिनकी मदद से आप अलग-अलग विकल्पों की तुलना कर सकते हैं और जरूरत से ज्यादा पैसे खर्च करने से बच सकते हैं. आइए जानते हैं फ्लाइट टिकट बुक करते समय किन पांच बातों का ध्यान रखना चाहिए.

सस्ता फ्लाइट टिकट खरीदने के हैक्स -

.इन्कॉग्निटो मोड का इस्तेमाल-

कभी नोटिस किया है कि जब आप एक ही जगह की फ्लाइट टिकट बार-बार सर्च करते हैं, तो हर 10 मिनट में उसका किराया बढ़ता हुआ दिखता है? दरअसल, ट्रैवल प्लेटफॉर्म्स आपके वेब ब्राउज़र की 'कुकीज' से आपकी सर्च हिस्ट्री ट्रैक कर लेते हैं. उन्हें समझ आ जाता है कि आपको उस रूट पर जाना ही है, इसलिए वे जानबूझकर दाम बढ़ाकर दिखाते हैं ताकि आप हड़बड़ी में महंगी बुकिंग कर लें. ऐसे में ब भी फ्लाइट सर्च करें, तो अपने ब्राउज़र में Ctrl + Shift + N दबाकर Incognito / Private Window खोलें. इससे आपकी पुरानी सर्च हिस्ट्री सेव नहीं होगी और आपको सही व न्यूट्रल फेयर दिखाई देगा.

प्राइस अलर्ट्स और कंपैरिजन इंजन का फायदा लें-

किसी एक ही ट्रैवल ऐप या एयरलाइन की ऑफिशियल वेबसाइट पर भरोसा करके तुरंत टिकट न काटें. सबसे पहले Google Flights, Skyscanner या Kayak जैसे एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म्स पर जाएं. ये प्लेटफॉर्म्स एक साथ दर्जनों एयरलाइंस के रेट्स की तुलना करके सबसे सस्ता ऑप्शन सामने रख देते हैं. गूगल फ्लाइट्स या स्काईस्कैनर पर अपनी पसंदीदा तारीखों के लिए 'Price Alert' ऑन कर दें. जैसे ही उस रूट का किराया अचानक गिरेगा, आपके फोन या ईमेल पर तुरंत नोटिफिकेशन आ जाएगा और आप सबसे कम दाम में बुकिंग कर सकेंगे।

ज्यादातर लोग शुक्रवार शाम, शनिवार या रविवार को ट्रैवल करना पसंद करते हैं क्योंकि उन्हें ऑफिस की छुट्टी मिलती है. लेकिन लाइवमिंट के अनुसार, भारी डिमांड के कारण एयरलाइंस वीकेंड्स पर किराए सबसे ज्यादा रखती हैं. ऐसे में अगर आपकी ट्रिप की तारीखें थोड़ी फ्लेक्सिबल हैं, तो हफ्ते के बीच में यानी मंगलवार या बुधवार को यात्रा का प्लान बनाएं. अक्सर देखा गया है ।

सर्दियों में शरीर को मिलेगी ताकत और गर्माहट, घर पर ऐसे बनाएं मेवे और सूजी के लड्डू, नोट करें आसान रेसिपी

सर्दियों में शरीर को ऊर्जावान और सेहतमंद रखने के लिए मेवे और सूजी के लड्डू एक बेहतरीन विकल्प हैं. देसी घी, काजू, बादाम और किशमिश से बने ये लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि पोषण भी देते हैं. इन्हें घर पर आसानी से बनाकर लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है. जानिए इन्हें बनाने की आसान रेसिपी, फायदे और खाते समय किन जरूरी बातों का ध्यान रखना चाहिए.

सर्दियों के मौसम में शरीर को गर्म रखने और ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए खानपान पर विशेष ध्यान देना जरूरी होता है. ऐसे में मेवे और सूजी से बने लड्डू एक अच्छा विकल्प हो सकते हैं. इनमें बादाम, काजू, किशमिश और घी जैसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो शरीर को ऊर्जा देने के साथ पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं. खास बात यह है कि मेवे वाले सूजी के लड्डू घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं और इन्हें कई दिनों तक स्टोर करके भी रखा जा सकता है. अगर आप भी इस सर्दी में घर पर स्वादिष्ट और पौष्टिक लड्डू बनाना चाहते हैं, तो आइए जानते हैं इसकी आसान रेसिपी और फायदे।

मेवे और सूजी के लड्डू बनाने के लिए जरूरी सामग्री

एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव लोकल 18 से बताती हैं कि मेवे वाले सूजी के लड्डू बनाने के लिए 2 कप सूजी, आधा कप देसी घी, आधा कप चीनी या स्वादानुसार बूरा, आधा कप बारीक कटे बादाम और काजू, 2 बड़े चम्मच किशमिश, आधा छोटा चम्मच इलायची पाउडर और जरूरत के अनुसार थोड़ा गर्म दूध लें. आप चाहें तो इसमें अखरोट या पिस्ता भी मिला सकते हैं. सभी सामग्री की मात्रा अपने स्वाद और जरूरत के अनुसार कम या ज्यादा कर सकते हैं.

इस तरह तैयार करें स्वादिष्ट लड्डू

सबसे पहले कड़ाही में थोड़ा घी गर्म करें और उसमें बादाम, काजू तथा किशमिश को हल्का भूनकर निकाल लें. अब उसी कड़ाही में बचा हुआ घी डालें और सूजी को धीमी आंच पर सुनहरा होने तक भूनें. सूजी को लगातार चलाते रहें, ताकि वह जले नहीं. जब सूजी से अच्छी खुशबू आने लगे, तो गैस बंद कर दें. इसके बाद इसमें भुने हुए मेवे, इलायची पाउडर और बूरा मिला दें. मिश्रण थोड़ा ठंडा होने पर जरूरत के अनुसार थोड़ा गर्म दूध डालें और हाथों से गोल लड्डू बना लें. ध्यान रखें कि दूध बहुत ज्यादा न डालें, वरना लड्डू जल्दी खराब हो सकते हैं।

पत्नी के लिए पति भी रखते हैं करवा चौथ का व्रत, जानिए कहां से शुरू हुआ यह ट्रेंड?

करवा चौथ पर पति का पत्नी के लिए व्रत रखना बदलते समय के साथ लोकप्रिय हुई परंपरा है. इसकी शुरुआत कब और कहां हुई, इसका पक्का ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है. पति के लिए व्रत रखना जरूरी नहीं है. कपल अपनी आस्था, सेहत और सुविधा के अनुसार त्योहार मना सकते हैं.

करवा चौथ का नाम आते ही अक्सर महिलाओं के व्रत, सोलह श्रृंगार और चांद देखकर व्रत खोलने की तस्वीर सामने आती है. लेकिन अब कई घरों में पति भी अपनी पत्नी के लिए करवा चौथ का व्रत रखते हैं. कोई पत्नी का साथ देने के लिए दिनभर भूखा-प्यासा रहता है, तो कोई शाम की पूजा और चांद निकलने का इंतजार भी साथ करता है. पति का पत्नी के लिए व्रत रखना आज रिश्ते में प्यार और बराबरी जताने का एक तरीका बन गया है.

हालांकि, इस परंपरा को किसी एक व्यक्ति या जगह से शुरू हुआ ट्रेंड बताना आसान नहीं है. इसके पीछे बदलती सोच, आपसी साथ और त्योहार को नए तरीके से मनाने की इच्छा जैसे कई पहलू हैं.

करवा चौथ पर पति के व्रत रखने की परंपरा कितनी पुरानी है?

करवा चौथ की पारंपरिक मान्यताओं में विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के लिए व्रत रखती हैं. यह त्योहार खास तौर पर उत्तर भारत के पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में मनाया जाता है. भारत सरकार के पर्यटन पोर्टल के अनुसार, अब कुछ पति भी अपनी पत्नी की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य की कामना से यह व्रत रखने लगे हैं. हालांकि, पति के व्रत रखने की शुरुआत कब और किस जगह से हुई, इसका कोई पक्का ऐतिहासिक रिकॉर्ड सामने नहीं आता. इसलिए इसे किसी एक व्यक्ति, परिवार या शहर से शुरू हुआ ट्रेंड कहना सही नहीं होगा।

पेरेंट्स की इन आदतों की वजह से भाई-बहनों में होती है लड़ाइयां, जिंदगी भर के लिए रिश्तों में घुल जाती है कड़वाहट

भाई-बहनों के बीच छोटी-मोटी लड़ाइयां होना आम बात है, लेकिन पेरेंट्स की कुछ आदतें इन झगड़ों को बढ़ा सकती हैं. बच्चों की तुलना करना, हर बार एक का पक्ष लेना या किसी एक को ज्यादा जिम्मेदारियां देना उनके रिश्ते में जलन और दूरियां पैदा कर सकता है. जानें, माता-पिता की ऐसी 5 आदतें कौन-सी हैं, जिन्हें बदलकर बच्चों के बीच प्यार और समझ बढ़ाई जा सकती है.

घर में दो बच्चे हों, तो कभी खिलौने को लेकर झगड़ा होता है. कभी टीवी के रिमोट पर बहस छिड़ जाती है और कभी इस बात पर लड़ाई होने लगती है कि मम्मी-पापा किससे ज्यादा प्यार करते हैं. भाई-बहनों के बीच ऐसी नोकझोंक होना आम बात है. लेकिन कई बार माता-पिता की कुछ आदतें बच्चों के बीच की लड़ाइयों को बढ़ा सकती हैं. धीरे-धीरे यही नाराजगी जलन, मनमुटाव और रिश्तों में दूरी की वजह बन सकती है.

एक?सपर्ट यह कहते हैं कि बच्चों को यह सिखाना जरूरी है कि वे एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें और झगड़ा होने पर बात करके समस्या सुलझाएं. इसकी शुरुआत घर के माहौल से ही होती है. आइए जानते हैं माता-पिता की ऐसी 5 आदतों के बारे में, जिन पर ध्यान देना जरूरी है.

हर बात में बच्चों की तुलना करना- 'देखो, तुम्हारी बहन कितनी अच्छी लिखती है', 'भाई से कुछ सीखो' या 'वह तो तुम्हारी उम्र में सब काम खुद करता था'. माता-पिता कई बार बच्चों को बेहतर करने के लिए ऐसी बातें कह देते हैं. लेकिन हर बच्चे की अपनी खूबियां, कमजोरियां और सीखने की रफ्तार होती है. बार-बार तुलना होने पर बच्चे को लग सकता है कि माता-पिता की नजर में वह अपने भाई या बहन से कमतर है. इससे दूसरे बच्चे के लिए मन में जलन भी पैदा हो सकती है.तुलना के बजाय उनकी अपनी मेहनत और प्रगति की तारीफ करें. हर बच्चे को यह महसूस होना चाहिए कि उसकी अपनी पहचान और खूबियां हैं.

. हर बार एक ही बच्चे का पक्ष लेना- अगर घर में झगड़ा होने पर माता-पिता बिना पूरी बात सुने बड़े बच्चे को दोषी ठहरा देते हैं या छोटे बच्चे का साइड लेते हैं, तो दूसरे बच्चे के मन में नाराजगी बढ़ सकती है. उसे लग सकता है कि उसकी बात सुनी ही नहीं जाती. इसलिए याद रखें कि उम्र में छोटा होने का मतलब यह नहीं कि बच्चा हमेशा सही होगा. इसी तरह बड़े होने का मतलब यह भी नहीं कि हर गलती की जिम्मेदारी उसी की है.

. एक बच्चे को ज्यादा जिम्मेदारियां देना- अक्सर बड़े बच्चे से कहा जाता है कि वह छोटे भाई या बहन का ध्यान रखे, अपनी चीजें साझा करे और हर बार समझदारी दिखाए. जिम्मेदारी सिखाना अच्छी बात है, लेकिन अगर हर बार उसी बच्चे से समझौता करने की उम्मीद की जाए, तो वह खुद को नजरअंदाज महसूस कर सकता है. दूसरी ओर, छोटे बच्चे को हर गलती के लिए माफ कर देना भी सही नहीं है. इससे उसे अपनी जिम्मेदारी समझने का मौका नहीं मिलता. घर के नियम दोनों बच्चों के लिए स्पष्ट रखें. उम्र के हिसाब से जिम्मेदारियां दें, लेकिन किसी एक बच्चे से हमेशा त्याग करने की उम्मीद न करें।

सर्दियों में भी क्यों जरूरी है पौधों के लिए ग्रीन नेट? वजह कर देगी हैरान, आप न करना गलती

ये तो सभी जानते हैं कि ग्रीन नेट का इस्तेमाल गर्मियों में पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए किया जाता है, लेकिन ये सर्दियों में भी गार्डनिंग के लिए उतना ही जरूरी है. लोकल 18 से ऋषिकेश के गार्डनर राम सागर बताते हैं कि ग्रीन नेट हरे रंग की एक जाली होती है, जिसका इस्तेमाल पौधों को तेज धूप और मौसम की मार से बचाने के लिए किया जाता है. इसका इस्तेमाल सिर्फ गर्मियों तक ही सीमित नहीं है. सर्दियों में रात के समय तापमान गिरने, ठंडी हवाएं चलने और पाला पड़ने से पौधों को नुकसान पहुंचता है. ग्रीन नेट पौधों पर पड़ने वाली ठंडी हवाओं के सीधे असर को कम करता है.

अक्सर लोग ग्रीन नेट का इस्तेमाल गर्मियों में पौधों को तेज धूप से बचाने के लिए करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है कि सर्दियों में भी यह बागवानी के काम आती है. बदलते मौसम में पौधों की देखभाल करना जरूरी होता है. ऐसे में ग्रीन नेट पौधों को बढ़ने में मदद करती है. लोकल 18 ने इस बारे में ऋषिकेश के गार्डनर राम सागर से बात की. वे बताते हैं कि ग्रीन नेट हरे रंग की एक जाली होती है, जिसका इस्तेमाल पौधों को तेज धूप और मौसम के असर से बचाने के लिए किया जाता है. इसे घर की छत, बालकनी, आंगन और बगीचे में लगाया जा सकता है. बाजार में यह अलग-अलग तरह की मिलती है. कुछ जालियां कम धूप रोकती हैं, जबकि कुछ ज्यादा धूप को रोकती हैं. पौधों की जरूरत के हिसाब से इसे लगाएं.

गार्डनर राम सागर बताते हैं कि गर्मियों में तेज धूप के कारण पौधों की पत्तियां झुलसने लगती हैं और मिट्टी की नमी भी जल्दी सूख जाती है. खासकर छत और बालकनी में रखे पौधों पर सीधी धूप पड़ने से उन्हें ज्यादा नुकसान हो सकता है।

खाना छोड़ना और तेज बुखार ही नहीं, गाय-भैंस में ये लक्षण भी लंपी के संकेत, इन लक्षणों को न करें नजरअंदाज

पशुओं में तेज बुखार, खाना-पीना कम करना और शरीर पर गोल-गोल गांठें दिखाई देना लंपी रोग का संकेत हो सकता है. इस बीमारी में आंख-नाक से पानी आने, पैरों में सूजन और दूध उत्पादन घटने जैसी समस्याएं भी दिख सकती हैं. कृषि विज्ञान केंद्र सुल्तानपुर के पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. दिवाकर कुमार के मुताबिक, ऐसे लक्षण दिखने पर पशु को दूसरे पशुओं से अलग कर तुरंत पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए.

लंपी स्किन डिजीज गाय और भैंस को प्रभावित करने वाली संक्रामक वायरल बीमारी है. पशु के शरीर पर अचानक गोल और कठोर गांठें या उभरे हुए दाने दिखाई देना इसका प्रमुख लक्षण माना जाता है. ये गांठें गर्दन, सिर, पैरों और शरीर के दूसरे हिस्सों पर भी दिख सकती हैं. ऐसे बदलाव नजर आने पर पशुपालकों को लापरवाही नहीं करनी चाहिए और पशु चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए.

लंपी रोग से प्रभावित पशु को तेज बुखार आ सकता है. कई बार पशु चारा और पानी कम लेने लगता है और उसकी सक्रियता भी घट जाती है. पशु की दिनचर्या, भूख और व्यवहार में अचानक बदलाव दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए. इन लक्षणों के पीछे दूसरी बीमारियां भी हो सकती हैं, इसलिए सही पहचान के लिए पशु चिकित्सक की जांच जरूरी है.

शरीर पर गांठों के अलावा कुछ पशुओं में आंख और नाक से पानी आने तथा मुंह से लार निकलने जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं. पशु की हालत बिगड़ने पर कमजोरी बढ़ सकती है और वह सामान्य तरीके से चारा खाने में भी परेशानी महसूस कर सकता है. ऐसे लक्षणों को देखकर खुद से दवा देने के बजाय पशु चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए.

लंपी रोग के दौरान कुछ पशुओं के पैरों में सूजन आ सकती है. बीमारी और कमजोरी का असर दूध उत्पादन पर भी पड़ सकता है, जिससे दूध की मात्रा कम हो सकती है. अगर पशु के शरीर पर गांठों के साथ सूजन, कमजोरी या दूध में अचानक कमी दिखाई दे तो जल्द पशु चिकित्सक को दिखाएं. समय पर जांच से पशु की स्थिति के अनुसार उचित देखभाल की जा सकती है.

कृषि विज्ञान केंद्र सुल्तानपुर के पशु चिकित्सा वैज्ञानिक डॉ. दिवाकर कुमार के मुताबिक, लंपी रोग संक्रमित पशु का खून चूसने वाले कीड़ों, मक्खियों, मच्छरों और टिक के जरिए फैल सकता है. इसलिए पशुशाला की साफ-सफाई रखना और कीटों को नियंत्रित करने के उपाय करना जरूरी है. संक्रमित पशु को स्वस्थ पशुओं से अलग रखने से संक्रमण के प्रसार का जोखिम कम करने में मदद मिल सकती है.

अगर गाय या भैंस में लंपी रोग के लक्षण दिखाई दें, तो उसे तुरंत दूसरे पशुओं से अलग रखें और पशु चिकित्सक से संपर्क करें. बीमारी की पुष्टि पशु के लक्षणों और जरूरत पड़ने पर प्रयोगशाला जांच से की जा सकती है. बचाव के लिए पशुशाला की सफाई रखें और पशु चिकित्सक की सलाह के अनुसार टीकाकरण कराएं. समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना पशु की देखभाल के लिए महत्वपूर्ण है।

दलेर मेहंदी के शो पर मंत्री की नाराजगी को लेकर

मीका सिंह का तंज, 'ऑडियंस तो खुश थी'

गायक ने कहा- लाइव शो में दर्शक अपनी पसंद-नापसंद खुलकर जाहिर करते हैं, मंत्री को ही क्यों आया गुस्सा

मुंबई। गायक मीका सिंह ने उत्तराखंड में एक कार्यक्रम के दौरान दलेर मेहंदी की परफॉर्मेंस को लेकर हुए विवाद पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि लाइव शो के दौरान दर्शक अपनी पसंद और नापसंद खुलकर जाहिर करते हैं। अगर किसी गाने या परफॉर्मेंस में उन्हें मजा नहीं आता, तो वे कलाकार से गाना बदलने तक के लिए कह देते हैं।

मीका ने कहा, "अगर किसी को आप पसंद नहीं हैं, तो कुछ फैंस चिल्लाकर कहते हैं कि यहां से चले जाओ। ऐसा होता हैं। मेरे भी कई हिट गाने हैं, लेकिन कभी-कभी जब मैं कोई बोरिंग गाना गाने लगता हूं, तो लोग मुझसे उसे बदलने के लिए कहते हैं। दलेर मेहंदी के कॉन्सर्ट में दर्शक एजॉय कर रहे थे और मंत्री साहब को ही गुस्सा आ रहा था। पुरी ऑडियंस परफॉर्मेंस का मजा ले रही थी और डांस कर रही थी। आप वीडियो देख सकते हैं। इंस्टागाम पर कमेंट्रस देख सक सकते हैं और यह भी देख सकते हैं कि लोगों ने मंत्री को किस तरह के कमेंट्रस दिए हैं।"

दलेर मेहंदी के शो पर विवाद

> "अगर किसी को आप पसंद नहीं हैं, तो कुछ फैंस चिल्लाकर कहते हैं कि यहां से चले जाओ. ऐसा होता हैं। मेरे भी कई हिट गाने हैं, लेकिन कभी-कभी जब मैं कोई बोरिंग गाना गाने लगता हूं, तो लोग मुझसे उसे बदलने के लिए कहते हैं।
> — मीका सिंह, गायक

अपने लाइव शो का भी साझा किया अनुभव

मीका ने अपने लाइव शो का अनुभव साझा करते हुए कहा कि जब कलाकारों की परफॉर्मेंस दर्शकों को पसंद नहीं आती, तो वे अपनी नाराजगी जाहिर कर देते हैं। उन्होंने बताया कि उनके साथ भी ऐसा होता हैं।

मंत्री ने रुकवाया था शो

दरअसल, उत्तराखंड में सिद्धपीठ मां कुंजापुरी पर्वटन एवं विकास मेले के दौरान दलेर मेहंदी की परफॉर्मेंस विवादों में आ गई थी। बताया गया कि राज्य के मंत्री सुबोध उनियाल ने कार्यक्रम खत्म होने से पहले ही शो रुकवा दिया था। आरोप हैं

तिरुमला के श्रीवारी मंदिर पहुंचीं भूमि पेडनेकर, परिवार के साथ किए भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर फिल्मों के साथ-साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित प्रसिद्ध श्रीवारी मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने अपने परिवार के साथ भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए और आशीर्वाद लिया।

इस दौरान भूमि का सादगी भरा अंदाज देखने को मिला। उनकी इस धार्मिक यात्रा की चर्चा हो रही है।

भूमि ने मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर और अन्य देवी-देवताओं के दर्शन किए। इस दौरान वह हाथ जोड़कर प्रार्थना करती दिखाई दीं। उनके लुक की बात करें तो उन्होंने खूबसूरत साड़ी पहनी थी, जिसके साथ शॉल कैरी किया था। उन्होंने अपने बाल खुले रखे और हाथों में चूड़ियां पहनी थीं। लाइट मेकअप में उनका लुक काफी सादा नजर आया।

उन्होंने मंदिर में दर्शन के दौरान पूरी श्रद्धा के साथ भगवान का आशीर्वाद लिया।

बता दें कि तिरुमला का श्रीवारी मंदिर भगवान वेंकटेश्वर को समर्पित है। यह भारत के सबसे प्रसिद्ध और श्रद्धालुओं के बीच खास महत्व रखने वाले तीर्थस्थलों में से एक है। यहां सालभर देश के अलग-अलग हिस्सों से भक्त दर्शन करने पहुंचते हैं।

वर्कफ्रंट की बात करें तो भूमि पेडनेकर जल्द ही ऐतिहासिक फिल्म 'द प्राइड ऑफ भारत: छत्रपति शिवाजी महाराज' में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह वीरांगना रानी बेलवाड़ी मल्लम्मा का किरदार निभाएंगी। फिल्म में ऋषभ शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं। इस प्रोजेक्ट को संदीप सिंह निर्देशित कर रहे हैं और वह इसके निर्माता भी हैं।

फिल्म में अर्जुन रामपाल और विवेक ओबेरॉय भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके पहले भाग को 21 जनवरी, 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है, खासकर इसलिए कि इसमें भारतीय इतिहास से जुड़े किरदारों को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा।

भूमि को पिछली बार रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में देखा गया था। इसके अलावा, वह नेटफ्लिक्स की वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में भी नजर आई थीं, जिसमें उनके साथ ईशान खट्टर ने काम किया था।

'मणिकंदा' के फर्स्ट लुक में छाए वैभव, हाथ में भाला और पीछे भगवान अयप्पा की विशाल प्रतिमा

विश्व केसरी ■

चेन्नई। एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर रवि मोहन ने अपकमिंग तमिल फिल्म 'मणिकंदा' का फर्स्ट लुक जारी कर दिया है। विष्णु शशि शंकर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में एक्टर वैभव लीड रोल में नजर आएंगे। फिल्म का नाम पहले 'तत्थवमसि' रखा गया था जिसे अब बदलकर 'मणिकंदा' कर दिया गया है।

फिल्म के फर्स्ट लुक में वैभव का दमदार अंदाज देखने को मिल रहा है। पोस्टर में भक्ति, आस्था और एक्शन की झलक भी दिखाई गई है।

तंत्रा फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मशहूर फिल्ममेकर वेंकट प्रभु क्रिएटिव प्रोड्यूसर की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। फिल्म में आध्यात्मिकता और भगवान के प्रति आस्था को एक्शन के साथ पेश किया जाएगा। मेकर्स का मानना है कि इसकी कहानी सभी उम्र के दर्शकों को पसंद आएगी।

फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में वैभव ब्लू कलर के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। उनके हाथ में भाला है और पीछे भगवान अयप्पा की एक विशाल प्रतिमा दिखाई दे रही है। पोस्टर में सुनहरी रोशनी और आग की लपटों का इस्तेमाल किया गया है। इसका बैकग्राउंड भी फिल्म की धार्मिक और आध्यात्मिक कहानी की झलक पेश करता है। पोस्टर के साथ 'द जर्नी ऑफ द गॉड एंड हिज पीपल' टैगलाइन दी गई है, जिसका मतलब है भगवान और उनके भक्तों का सफर। ऐसे में लोग अंदाजा लगा रहे है कि फिल्म की कहानी भगवान अयप्पा में आस्था रखने वाले भक्तों की यात्रा पर आधारित होगी।

फिल्म का निर्देशन विष्णु शशि शंकर ने किया है। उन्हें मलयालम फिल्म 'मालिकापुरम' के निर्देशन से पहचान मिली थी।

साउथ एक्सेंट पर ट्रोलिंग को लेकर बोलीं ईशा देओल, कहा-मुझे तो बहुत क्यूट लगता है

विश्व केसरी ■

मुंबई। अभिनेत्री ईशा देओल 15 साल बाद एक्शन-क्राइम ड्रामा फिल्म 'प्रताप' से बॉलीवुड में वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में साउथ इंडियन एक्टर्स के एक्सेंट को लेकर ट्रोल किए जाने पर प्रतिक्रिया दी।

अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें साउथ इंडियन एक्सेंट काफी 'प्यारा' और 'क्यूट' लगता है। ईशा ने कहा, 'जब मैं अपने डायलॉग बोलती हूं, खासकर हिंदी में, तो मैं काफी हद तक अपनी मां जैसी लगती हूं, लेकिन असल में मैं वैसी ही हूं और जिन्होंने मुझे किसी खास किरदार के लिए लिया है, वो ये बात अच्छे से जानते हैं। तो मुझे लगता है कि साउथ इंडियन लोगों का हल्का-सा एक्सेंट सुनना बहुत प्यारा और क्यूट लगता है और मुझे बहुत अच्छा लगता है।'

अभिनेत्री ने आगे बताया कि बॉलीवुड में भी ऐसी कई दिग्गज अभिनेत्रियां हैं, जिनकी बोली में साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उन्होंने कहा, 'और भी कुछ लोगों जैसे श्री आंटी, मेरी मम्मी और उर्मिला में भी साउथ इंडियन एक्सेंट सुनने को मिलता है। उर्मिला की तो मैं बहुत बड़ी फैन हूं और उनकी बोली में जो हल्का-सा एक्सेंट आता है, वो मुझे पसंद है।'

अभिनेत्री ने आगे कहा कि लोगों के बोलने के तरीके का मजाक उड़ाने के बजाय भाषाई और सांस्कृतिक विविधता की सराहना करना जरूरी है। दरअसल, साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर चर्चा तब तेज हो गई जब अभिनेत्री रश्मिका मंदाना ने करण जौहर के टॉक शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में अपने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली ट्रोलिंग पर खुलकर बात की थी।

इस एपिसोड में रश्मिका अपने पति और अभिनेता विजय देवरकोंडा के साथ नजर आई थीं। शो के दौरान रश्मिका ने कहा कि वे दक्षिण भारत से हैं, इसलिए उनके बोलने के लहजे में वहां की झलक होना बिल्कुल स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि इसमें परेशान होने वाली कोई बात नहीं है। रश्मिका ने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों के लिए खुद अलग-अलग भाषाओं में डबिंग करने में गर्व महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन ट्रोलिंग उन्हें अपना काम करने से नहीं रोक सकती।

करवा चौथ पर नमन शॉ ने बयां की दिल की बात, बोले- 'त्योहार की खूबसूरती प्यार जताने में है'

विश्व केसरी ■

मुंबई। टीवी अभिनेता नमन शॉ ने करवा चौथ से जुड़ी अपनी यादें साझा की हैं। उन्होंने बताया कि इस त्योहार के बारे में उन्हें पहली बार हिंदी फिल्मों के जरिए पता चला। हालांकि, मुंबई आने और उत्तर भारत, खासकर पंजाबी लोगों के संपर्क में आने के बाद उन्हें इस त्योहार और इससे जुड़ी परंपराओं को करीब से जानने का मौका मिला।

उन्होंने मीडिया से बातचीत में करवा चौथ के महत्व और पति-पत्नी के रिश्ते में इसके मायने पर बात की। मीडिया से बात करते हुए नमन शॉ ने कहा, ''मुझे लगता है कि करवा चौथ जैसे त्योहार बहुत खूबसूरत होते हैं, क्योंकि ये प्यार, प्रतिबद्धता और उन छोटी-छोटी चीजों का जश्न मनाते हैं, जो किसी रिश्ते को मजबूत बनाए रखती हैं। मेरे लिए रिश्ता सिर्फ बड़े-बड़े वादों या खास अंदाज में प्यार जताने तक सीमित नहीं है। यह एक-दूसरे के साथ खड़े रहने, एक-दूसरे को समझने और जिंदगी के हर पड़ाव पर साथ निभाने के बारे में है। उन्होंने कहा, 'मुझे यह बात भी अच्छी लगती है कि समय के साथ परंपराएं बदलती हैं। आज इस त्योहार में आपसी प्यार और सम्मान की भावना ज्यादा देखने को मिलती है, जहां दोनों साथी अपने-अपने तरीके से अपने रिश्ते का जश्न मनाते हैं।''

नमन ने कहा, ''एक अभिनेता के तौर पर मैं टेलीविजन पर कई बार करवा चौथ के सीन्स कर चुका हूं, लेकिन शादी के बाद असल जिंदगी में इस त्योहार को मनाने का अनुभव बिल्कुल अलग था।''

अभिनेता ने कहा, ''बचपन में मैंने इस त्योहार को फिल्मों में ही देखा था। कोलकाता में रहने के दौरान मेरे लिए यह कोई बड़ा त्योहार नहीं था। मुंबई आने के बाद जब मैं उत्तर भारत के लोगों, खासकर पंजाबियों के संपर्क में आया, तब मुझे करवा चौथ की परंपराओं, उत्साह और इससे जुड़ी भावनाओं को करीब से समझने का मौका मिला।''

नमन शॉ ने करवा चौथ मनाने के तरीके में आए बदलावों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि पहले यह त्योहार ज्यादा निजी होता था और परिवार के लोग मिलकर इसे मनाते थे। उस समय इसका मुख्य आधार आस्था, प्यार और पति-पत्नी का एक-दूसरे के साथ खास समय बिताना था। अब सोशल मीडिया के बढ़ते चलन के साथ त्योहार मनाने के तरीके में बदलाव आया है। इसका ध्यान सजने-संवरने, तस्वीरें खिंचवाने और दुनिया को अपना जश्न दिखाने पर ज्यादा चला गया है।''

निजी जिंदगी की बात करें तो नमन शॉ की शादी नेहा मिश्रा से हुई है। दोनों का एक बेटा है, जिसका नाम क्रीवान है। नमन हिंदी टेलीविजन के कई लोकप्रिय शोज में काम कर चुके हैं। उन्हें 'कसम से', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कसौटी जिंदगी की', 'कस्तूरी' और 'टशन-ए-इश्क' जैसे शोज में अपनी भूमिकाओं के लिए जाने जाते हैं।

इसके अलावा, वह 'मंगल लक्ष्मी' में आदित सक्सेना और 'कैरी : रिश्ता खट्टा मीठा' में अनुज के किरदार में भी नजर आ चुके हैं।

उदित और सानू की जोड़ी ने फिर बिखेरा जादू, 'सुनियो जरा' में दिखेगी सनी देओल-रवि किशन की दोस्ती

विश्व केसरी ■

मुंबई। उदित नारायण और कुमार सानू पूरे 21 साल के लंबे अंतराल के बाद सनी देओल की आगामी फिल्म 'सूयाः अंत से आरंभ तक' के 'सुनियो जरा' गाने के लिए फिर से साथ आए हैं। उदित नारायण ने इस कोलेबोरेशन को एक नॉस्टैल्जिया एक्सपीरियंस बताया।

'सुनियो जरा' एक फ्रेंडशिप एंथम (दोस्ती पर आधारित गाना) है। इस गाने में उदित नारायण और कुमार सानू के साथ गायक अनुपम अमोद ने भी अपनी आवाज दी है। आरएएचई द्वारा कंपोज किया गया और प्रिया सरैया द्वारा लिखा गया यह गाना फिल्म 'सूयाः अंत से आरंभ तक' का पहला ट्रैक है।

गाने में सनी देओल और रवि किशन एक खूबसूरत रोड ट्रिप पर दिख रहे हैं, जो उनकी लंबे समय से चली आ रही दोस्ती की गर्मजोशी को दिखाता है। उनका सफर मस्ती भरे पलों, बातचीत और अपनों की यादों को कैप्चर करता है, जो उनके बीच के बॉन्ड को हाइलाइट करता है।

सालों बाद कुमार सानू के साथ अपने काम करने के अनुभव को शेयर करते हुए उदित नारायण ने कहा, 'इतने सालों बाद कुमार सानू के साथ काम करना मेरे करियर के खूबसूरत चैप्टर को दोबारा जीने जैसा है। गाने में अनुपम अमोद की मौजूदगी एक फ्रेश एनर्जी लेकर आई और मुझे विश्वास है कि सुनने वालों को हर नोट में वह बॉन्ड महसूस होगा।'

कुमार सानू ने कहा, 'यह गाना इसलिए खास है क्योंकि यह सिर्फ म्यूजिक के बारे में नहीं बल्कि दोस्ती, यादों और एक साथ आने की खुशी के बारे में है। मुझे खुशी है कि हम दर्शकों को कुछ दिल से निकला और टाइमलेस दे पाए।'

अनुपम अमोद ने कहा, 'उदित नारायण और कुमार सानू के साथ इस कोलेबोरेशन का हिस्सा बनना मेरे लिए सम्मान की बात है। 'सुनियो जरा' में साथ और सफर के इमोशन्स हैं और मुझे गर्व है कि मैं इतने मीनिंगफुल ट्रैक को अपनी आवाज दे पाया।' सॉन्ग 'सुनियो जरा' जी म्यूजिक कंपनी के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल और अलग-अलग म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है।

ओम बिड़ला और थाईलैंड सीनेट अध्यक्ष की मुलाकात, व्यापार, पर्यटन और रक्षा सहयोग पर हुई चर्चा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने मंगलवार को नई दिल्ली में थाईलैंड की सीनेट के अध्यक्ष मोंगकोल सुरासज्जा से मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं ने व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, रक्षा, आयुर्वेद और योग समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

बैठक में दोनों पक्षों ने संसदीय सहयोग को और मजबूत बनाने, एक-दूसरे के अनुभवों और अच्छी कार्यप्रणालियों को साझा करने तथा आतंकवाद-रोधी प्रयासों, आपदा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मामलों में सहयोग बढ़ाने पर भी विचार-विमर्श किया।

ओम बिड़ला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, 'थाईलैंड की सीनेट के अध्यक्ष मोंगकोल सुरासज्जा से मुलाकात कर खुशी हुई। भारत और थाईलैंड के बीच सदियों पुराने सांस्कृतिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित गहरी मित्रता की हमने फिर से पुष्टि की। हमने व्यापार, पर्यटन, शिक्षा, रक्षा, आयुर्वेद और योग के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' हमारी साझेदारी को नई गति दे रही है।'

बिड़ला ने कहा, 'हमने संसदीय सहयोग को और गहरा करने, अच्छी संसदीय प्रक्रियाओं को साझा करने तथा आतंकवाद-रोधी प्रयासों, आपदा प्रबंधन और अंतरराष्ट्रीय मामलों में मिलकर काम करने के अवसरों पर भी चर्चा की। इसमें ब्रिक्स के तहत सहयोग को बढ़ाने पर भी विचार हुआ, ताकि दोनों देशों की साझा प्राथमिकताओं और लोगों के कल्याण को आगे बढ़ाया जा सके।

यह मुलाकात नई दिल्ली में संसद भवन स्थित संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित दो दिवसीय 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के दौरान हुई। सोमवार से शुरू हुए इस फोरम में ब्रिक्स सदस्य और साझेदार देशों के संसदीय नेता शामिल हुए हैं। फोरम का उद्देश्य संसदीय सहयोग को मजबूत करना और जन-केंद्रित विकास को आगे बढ़ाना है।

मोंगकोल सुरासज्जा 25 अक्टूबर को 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे थे। उनके स्वागत में लोकसभा ने 'एक्स' पोस्ट पर लिखा, '12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम 2026 में भाग लेने के लिए नई दिल्ली पहुंचे थाईलैंड की सीनेट के अध्यक्ष मोंगकोल सुरसज्जा का हार्दिक स्वागत है। 25 अक्टूबर को आईजीआई हवाई अड्डे पर सांसद संध्या राय और दिलीप सैकिया ने उनका स्वागत किया।'

वियतनाम के राष्ट्रपति से किम जोंग उन का वादा, 'संबंधों को बनाएंगे मजबूत'

विश्व केसरी■

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने वियतनाम के राष्ट्रपति तो लाम से वादा किया है कि दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाएंगे।

प्योंगयांग के सरकारी मीडिया कोरियाई सेंट्रल न्यूज एजेंसी के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। बताया कि उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन ने राष्ट्रपति तो लाम को उनके खत के जवाब में अपने देश के संबंधों को और गहरा करने का वादा किया।

लैम ने 9 सितंबर को उत्तर कोरिया की स्थापना की 78वीं वर्षगांठ के अवसर पर किम को एक पत्र भेजा था। केसीएनए के अनुसार, सोमवार को भेजे गए अपने जवाब में किम ने लिखा, 'मैं शुभकामनाओं के लिए दिल से आपका आभार व्यक्त करता हूं। पिछले अक्टूबर में प्योंगयांग में हमारी मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच दोस्ती और सहयोग के पारंपरिक संबंध विकास के एक नए दौर में प्रवेश कर गए। मुझे उम्मीद है कि दोनों देशों की जनता के साझा हितों की खातिर ये और अधिक विस्तार लेंगे और समृद्ध होंगे। लाम ने पिछले महीने भेजे अपने पत्र में कहा था कि शिखर सम्मेलन के बाद से दोनों देशों के संबंध लगातार मजबूत हुए हैं और दोनों पक्षों ने समझौतों पर अमल किया है। उन्होंने कहा कि वियतनाम, क्षेत्रीय और वैश्विक शांति तथा स्थिरता के लिए उत्तर कोरिया के साथ मिलकर काम करने को तैयार है।

अक्टूबर में लाम की यात्रा के बाद से दोनों देशों के संबंधों में काफी सुधार आया है। 18 वर्षों में किसी शीर्ष वियतनामी नेता की उत्तर कोरिया की यह पहली यात्रा थी। मई में, वियतनाम के विदेश मंत्री ले होआई ट्रुंग ने प्योंगयांग में अपने उत्तर कोरियाई समकक्ष चो सोन-हुई से मुलाकात की थी। इसके अगले महीने, दोनों देशों के सुरक्षा मंत्रियों ने वहां सार्वजनिक सुरक्षा और कानून प्रवर्तन के क्षेत्र में सहयोग को लेकर बातचीत की थी।

संक्षिप्त खबर

चुनाव से पहले एंटी-ट्रंप समूह का इंस्टाग्राम अकाउंट निलंबित होने पर विवाद, मेटा पर उठे सवाल

विश्व केसरी■

वाशिंगटन। अमेरिका में तीन नवंबर को होने वाले कांग्रेस चुनावों से ठीक पहले मेटा को विपक्षी नेताओं और राज्य के अटॉर्नी जनरल्स के सवालों का सामना करना पड़ रहा है। मामला एंटी-ट्रंप संगठन 'नो किंग्स कोएलिशन' के इंस्टाग्राम अकाउंट को अस्थायी रूप से निलंबित किए जाने से जुड़ा है। इससे राजनीतिक अभिव्यक्ति और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की भूमिका को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। सोमवार को 14 राज्यों के अटॉर्नी जनरल्स के एक समूह ने मेटा से पूछा कि 17 अक्टूबर को देशभर में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के दौरान 'नो किंग्स कोएलिशन' का इंस्टाग्राम अकाउंट क्यों बंद किया गया था और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कंपनी ने क्या कदम उठाए हैं। इससे पहले 22 अक्टूबर को पांच डेमोक्रेटिक सीनेटरों ने मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग को पत्र लिखकर कंपनी की स्वचालित कंटेंट मॉडरेशन प्रणाली के बारे में सवाल पूछे थे। उन्होंने चिंता जताई थी कि कहीं राजनीतिक संगठनों को गलती से निशाना तो नहीं बनाया जा रहा। मेटा ने स्वीकार किया है कि अकाउंट का निलंबन एक गलती थी। कंपनी के अनुसार, अकाउंट पर अचानक बहुत ज्यादा गतिविधि होने लगी थी, जिसे उसके सिस्टम ने संदिग्ध या स्वचालित गतिविधि समझ लिया।

4.97 लाख रुपए की ऑनलाइन ठगी मामले में आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

मुंबई। महाराष्ट्र साइबर विभाग ने 4.97 लाख रुपए के ऑनलाइन शेयर बाजार निवेश धोखाधड़ी मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, 42 वर्षीय कल्याण ने शिकायत दर्ज कराई है, जिसे सोशल मीडिया विज्ञापन और 'ब्रेकथ्रू कम्युनिकेशन' नाम से संचालित व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से संपर्क किया गया था और उसने ऑनलाइन ट्रेडिंग एप्लिकेशन में निवेश करने के लिए प्रेरित किया था। शिकायत के मुताबिक, यह धोखाधड़ी 25 अगस्त से 23 सितंबर के बीच हुई। इस दौरान कल्याण को सोशल मीडिया पर 'सस्केहाना इंटरनेशनल ग्रुप' से जुड़ा एक विज्ञापन दिखा, जिसके बाद वे एक वॉट्सऐप ग्रुप में शामिल हो गए। अधिकारियों ने बताया, 'शिखा शर्मा ने शिकायतकर्ता से संपर्क किया, निवेश संबंधी मार्गदर्शन प्रदान किया और उसे एक ट्रेडिंग एप्लिकेशन के माध्यम से शेयर बाजार में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। इन बातों को विश्वसनीय मानते हुए शिकायतकर्ता ने कुल 4.97 लाख रुपए आठ अलग-अलग बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिए।' वित्तीय धोखाधड़ी का संदेह होने पर कल्याण ने 27 सितंबर को राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 के माध्यम से मामले की सूचना दी। इसके बाद महाराष्ट्र साइबर के नोडल साइबर पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) और 319(2) के साथ सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) अधिनियम की धारा 66(सी) और 66(डी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई।

कीव में रूसी मिसाइलों ने विश्वविद्यालय परिसर को बनाया निशाना

विश्व केसरी■

कीव। यूक्रेन में रूसी बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले लगातार जारी हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बताया कि सोमवार रात रूसी मिसाइलों ने कीव में एक विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास के क्षेत्र को निशाना बनाया। इन घातक हमलों ने एक बार फिर कई लोगों की जान ले ली। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट पर इन हमलों की जानकारी साझा की।

जेलेंस्की ने पोस्ट में लिखा, ''कीव में एक विश्वविद्यालय परिसर और उसके आसपास के इलाकों को रूसी मिसाइलों ने निशाना बनाया। हमले में विश्वविद्यालय का कैंपस, क्योटो पार्क, मेट्रो स्टेशन के पास का क्षेत्र और आसपास की रिहायशी इमारतें प्रभावित हुईं। फिलहाल हताहतों की सही संख्या की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, दुखद रूप से कुछ लोगों की मौत होने और कई लोगों के घायल होने की खबर है। राहत और बचाव कार्य जारी है।'' उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा, ''मिसाइलें ऐसे इलाकों में गिरीं, जहां काफी भीड़ रहती है। आसपास कोई सैन्य ठिकाना नहीं था। यह हमला सीधे शहर और उसकी नागरिक बुनियादी सुविधाओं को निशाना बनाकर किया गया।''

राष्ट्रपति ने बताया कि हमले से बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। ऐसी भी आशंका है कि कुछ लोग मलबे के नीचे फंसे हो सकते हैं। सभी आपातकालीन सेवाएं मौके पर मौजूद हैं और लोगों की जान बचाने में जुटी हुई हैं। आशंका जताई जा रही है कि आगे भी और हमले हो सकते हैं। इसी दौरान 'शाहेद' ड्रोन के जरिए हमले भी जारी हैं, जो कीव समेत यूक्रेन के अन्य शहरों और समुदायों को निशाना बना रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में, जब खतरा लगातार बना हुआ है और किसी भी समय शहरों और गांवों पर हमला हो सकता है, यूक्रेन को हवाई रक्षा प्रणाली उपलब्ध कराने में होने वाली देरी आतंक को बढ़ावा देने का काम करती है।

भारत ने यूएनएससी में 'डी फैक्टो वीटो' पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■

न्यूयॉर्क। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में वीटो को लेकर अपना मत स्पष्ट किया है। भारतीय प्रतिनिधि ने 'डी फैक्टो वीटो' की आलोचना करते हुए कहा कि वीटो अधिकार का नहीं बल्कि जिम्मेदारी का एहसास कराता है।

सोमवार को महासभा में पांच स्थायी सदस्यों (पी5) के वीटो अधिकारों पर हुई बहस के दौरान, संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने बताया कि सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए 'इंटरगवर्नमेंटल नेगोशिएशन्स' (आईजीएन) के तहत यह एक अहम मुद्दा था, लेकिन कुछ देशों ने 'अप्रत्यक्ष वीटो' का इस्तेमाल किया जिससे ये प्रक्रिया अटक गई है।

उन्होंने कहा, 'आईजीएन प्रक्रिया में भी 'आम सहमति' की दलील का इस्तेमाल एक डी फैक्टो वीटो (छिपे हुए) के रूप में किया जा रहा है। भारत के अनुसार, वीटो पावर का विशेषाधिकार किसी संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को साधने का साधन नहीं बनना चाहिए।

'यूनाइटिंग फॉर कंसेंसस' नाम के देशों के एक छोटे समूह ने प्रक्रिया संबंधी पैंतरों का इस्तेमाल करके आईजीएन को बातचीत के लिए कोई मसौदा अपनाने से रोक दिया है। इस समूह का नेतृत्व इटली कर रहा है और इसमें पाकिस्तान भी शामिल है।

हरीश ने कहा कि 2008 का महासभा प्रस्ताव, जो 'आईजीएन के लिए आधारभूत निर्णय है, बिल्कुल स्पष्ट है: इसका मुख्य सिद्धांत 'अधिकतम राजनीतिक स्वीकृति' है, न कि 'आम सहमति'।'

उन्होंने बताया कि बातचीत के 17 दौर पूरे होने के बाद भी, 'हमारे पास दिखाने के लिए कोई नतीजा नहीं है।'

सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की पेरोल बढ़ाने से किया इनकार

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राजस्थान में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम की पेरोल बढ़ाने से इनकार कर दिया। इस कारण पिछले 20 दिन से बाहर आसाराम को दोबारा जेल में लौटना पड़ेगा।

आसाराम पिछले 20 दिन से पेरोल पर जेल से बाहर है। मंगलवार को यह पेरोल खत्म हो रही है। इसके पहले, आसाराम ने मेडिकल आधार पर पेरोल बढ़ाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। याचिका में आसाराम के वकील ने कहा था कि वह उज्जैन के अस्पताल में भर्ती हैं। इसलिए मेडिकल आधार पर पेरोल को बढ़ाया जाए।

मंगलवार को सुनवाई करते हुए कोर्ट ने पेरोल बढ़ाने से इनकार कर दिया। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि राजस्थान सरकार आसाराम की सेहत का ध्यान रखे।

कोर्ट के आदेश के साथ ही आसाराम को मंगलवार को शाम पांच बजे तक जेल में सरेंडर करना पड़ेगा। इससे पहले, राजस्थान हाईकोर्ट ने सजायाफ्ता आसाराम को 3 अगस्त को 20 दिन की पैरोल दी थी। एक अन्य मामले के कारण रिहाई में अड़चन आने पर कोर्ट ने 6 अक्टूबर को राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वे 3 अगस्त के अपने पिछले आदेश का पालन करते हुए आसाराम को 20 दिन की पैरोल पर रिहा करें। कोर्ट ने राज्य सरकार को इस आदेश के पालन के संबंध में एक रिपोर्ट सौंपने का भी निर्देश दिया था।

इसके बाद आसाराम को 20 दिन की पेरोल पर जेल से रिहा किया गया था। पेरोल के दौरान आसाराम मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचा, जहां सीने में दर्द की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बता दें कि 2018 में, जोधपुर की एक विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आसाराम को एक नाबालिग के साथ बलात्कार और यौन उत्पीड़न का दोषी ठहराया और उसे आजीवन कारावास (जीवन भर जेल) की सजा सुनाई। तब से वह अपनी सजा काट रहा है। हालांकि, बीच-बीच में उसे इलाज के लिए चिकित्सा केंद्रों (अस्पतालों) में जाने की अनुमति दी जाती रही है।

चक्रवात 'अर्नब' के चलते दक्षिण मध्य रेलवे ने 11 ट्रेनें रद्द की

विश्व केसरी■

हैदराबाद। दक्षिण मध्य रेलवे ने बंगाल की खाड़ी में बने अत्यंत गंभीर चक्रवात 'अर्नब' के मद्देनजर 11 ट्रेनें रद्द कर दी हैं। इस चक्रवात के बुधवार को आंध्र प्रदेश के तट से टकराने की संभावना है।

दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने मंगलवार को एक विज्ञप्ति में कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए ट्रेनों को रद्द किया गया है। मंगलवार (27 अक्टूबर) को शुरू होने वाली दस ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। 28 अक्टूबर को चलने वाली एक अन्य ट्रेन भी रद्द की गई है।

रद्द की गई ट्रेनों में सिकंदराबाद-हावड़ा फलकनुमा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-भुवनेश्वर नई विशाखा एक्सप्रेस, हैदराबाद-विशाखापत्तनम गोदावरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, महबूबनगर-विशाखापत्तनम सुपरफास्ट एक्सप्रेस, सिकंदराबाद-विशाखापत्तनम गरीबरथ सुपरफास्ट एक्सप्रेस, लिंगमपल्ली-काकीनाडा टाउन कोकानाडा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, लिंगमपल्ली-नरसापुर एक्सप्रेस, लिंगमपल्ली-काकीनाडा पोर्ट गौतमी सुपरफास्ट एक्सप्रेस, हजूर साहिब नांदेड़-संबलपुर नागवल्ली सुपरफास्ट एक्सप्रेस, चारलापल्ली-श्रीकाकुलम रोड स्पेशल और श्रीकाकुलम रोड-चारलापल्ली स्पेशल शामिल हैं।

नागरासोल-नरसापुर एक्सप्रेस को चरलापल्ली और नरसापुर के बीच आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया है। 29 अक्टूबर को हावड़ा से रवाना होने वाली हावड़ा-सिकंदराबाद फलकनुमा एक्सप्रेस भी रद्द कर दी गई है। साउथ कोस्ट रेलवे पहले ही 61 ट्रेनों को रद्द करने की घोषणा कर चुका है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि चक्रवात के तीव्र होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा और रेल संचालन को ध्यान में रखते हुए स्थिति के अनुसार क्षेत्र में रेल सेवाओं के पैटर्न में बदलाव किया जाएगा।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में पुस्तक 'खामोश लड़कियाँ' पर विशेष परिचर्चा एवं विमोचन समारोह

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। साहित्य, संस्कृति और सामाजिक चेतना के संगम के रूप में स्थापित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के जनपद संपदा विभाग के पुस्तक चर्चा श्रृंखला 'ज्ञानपथ' के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण साहित्यिक परिचर्चा का आयोजन किया। इस श्रृंखला के अगले सोपान के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय में मीडिया की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सीमा भारती की नवीनतम कृति 'खामोश लड़कियाँ' पर केंद्रित एक विशेष परिचर्चा एवं पुस्तक विमोचन समारोह का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर साहित्य, अकादमिक और सामाजिक चिंतन से जुड़े प्रतिष्ठित विद्वान, समालोचक और लेखकगण उपस्थित रहे। पुस्तक का विमोचन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष राम बहादुर राय ने किया। वही इस आयोजन के मुख्य अतिथि भी रहे। अध्यक्षीय वक्तव्य के लिए प्रख्यात आलोचक और दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष गोपेश्वर सिंह ने संग्रह के शीर्षक को गहरा और संवेदनशील बताते हुए कहा कि धूमिल के अनुसार कविता ज़माने के कटघरे में खड़े बेक़सूर आदमी का हलफनामा है। इस लाइन के अनुसार हर कवि अपने समय में बेक़सूर आदमी का हलफनामा दर्ज करता है। सभी महत्वपूर्ण कवियों ने अपने-अपने तरीके से अपने समय में यह हलफनामा दर्ज करने की कोशिश की। यही कोशिश सीमा की कविताओं में भी दिखाई देती है ।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के डीन प्रो. अनिल कुमार राय ने कहा कि इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य साहित्य के माध्यम से समाज, संवेदना और स्त्री-अनुभवों को गहराई से समझना और विचारों का सार्थक आदान-प्रदान करना है। यह आयोजन न केवल पुस्तक के पाठ का उत्सव है, बल्कि उन सभी खामोश आवाजों को सुनने का एक प्रयास भी है जो हमारे आसपास मौजूद हैं। प्रख्यात स्त्रीवादी चिंतक और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भारतीय भाषा केंद्र की प्रो. गरिमा श्रीवास्तव जी ने कहा कि 21वीं सदी की इस उथल-पुथल भरी जिंदगी में, जहाँ स्त्रियां परिवार, करियर और समाज की अपेक्षाओं के बीच मल्टीटास्किंग कर रही हैं।

'नशामुक्त बिहार' अभियान गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना है: सीएम सम्राट चौधरी

विश्व केसरी■

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को राज्यव्यापी 'नशामुक्त बिहार अभियान' का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाना है। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाने और नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। यह अभियान 27 अक्टूबर से 26 नवंबर तक राज्यभर में चलाया जाएगा।

पटना में मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्वलित कर अभियान की शुरुआत की। इस अवसर पर उन्होंने नशामुक्ति के लिए व्हाट्सऐप चैटबोट और हेल्पलाइन का शुभारंभ किया। साथ ही, जन-जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये वाहन अगले एक महीने तक बिहार के विभिन्न जिलों में ऑडियो-विजुअल माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों और नशामुक्त जीवन के लाभों के प्रति जागरूक करेंगे।

सीएम सम्राट चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों एवं आम नागरिकों को नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करने, दूसरों को नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करने, नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार को रोकने और बिहार को नशामुक्त बनाने में सक्रिय योगदान देने की शपथ दिलाई।

आईसीसी रैंकिंगः वनडे बल्लेबाजी में स्मृति ने गंवाया 'नंबर 1' का ताज, हरमनप्रीत और दीप्ति को फायदा

विश्व केसरी ■

दुबई। भारतीय कप्तान स्मृति मंधाना ने महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा दिया है। वहीं, जिम्बाब्वे के खिलाफ जारी वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के चलते हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा की रैंकिंग में सुधार हुआ है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शुरुआती दो मुकाबलों में 32 और 0 के स्कोर पर आउट होने के कारण स्मृति मंधाना ने अपने महत्वपूर्ण रैंकिंग अंक गंवा दिए, जिससे साउथ अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने फिर से वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में 'नंबर 1' स्थान पर पहुंच गईं। मंधाना ने पहले वनडे में 32 रन बनाए थे, जबकि दूसरे मैच में वह बिना खाता खोले आउट हुई थीं।

भारत ने तीन मुकाबलों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है। अब विमेन इन ब्लू की निगाहें क्लीन स्वीप पर हैं। इस सीरीज के बाद जारी ताजा रैंकिंग में कई भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी स्थिति बेहतर की है।

भारत की पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर वनडे बल्लेबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर आठवें नंबर पर आ गई हैं, जबकि दीप्ति शर्मा चार स्थान की छलांग लगाकर 23वें नंबर पर पहुंच गई हैं। इन दोनों खिलाड़ियों ने दूसरे वनडे में शतक जड़े थे, जिसका फायदा उन्हें रैंकिंग में मिला है।

दीप्ति शर्मा वनडे ऑलराउंडर्स की सूची में भी दो स्थान ऊपर चढ़कर चौथे नंबर पर आ गई हैं। वह वनडे गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान के सुधार के साथ आठवें नंबर पर पहुंच गई हैं। भारतीय तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ वनडे गेंदबाजों की सूची में दो स्थान ऊपर चढ़कर 25वें नंबर पर आ गई हैं, जबकि युवा बल्लेबाज प्रतिका रावल सात स्थान की छलांग लगाकर अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ 21वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं।

ताजा टी20 रैंकिंग में भी भारतीय खिलाड़ियों को फायदा हुआ है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद, शेफाली वर्मा टी20 बल्लेबाजों की सूची में एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे नंबर पर आ गई, जबकि स्मृति मंधाना एक स्थान के सुधार के साथ चौथे नंबर पर पहुंच गई हैं।

जिम्बाब्वे की खिलाड़ियों ने भी वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में अपनी स्थिति बेहतर की है। मोडेस्टर मुपाचिकवा पांच स्थान ऊपर चढ़कर 39वें नंबर पर, चिपो मुगेरी-तिरिपानो चार स्थान के सुधार के साथ 47वें नंबर पर आ गई हैं। वहीं, इन तीनों में सबसे बड़ी छलांग लगाते हुए बिलेव्ड बिजा 16 स्थान ऊपर चढ़कर 56वें नंबर पर पहुंच गई हैं।

इसके अलावा, न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई सीरीज के बाद, ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नौ स्थान ऊपर चढ़कर 19वें नंबर पर आ गई हैं। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज जॉर्जिया वेयरहैम और किम गार्थ क्रमशः संयुक्त सातवें और संयुक्त 10वें स्थान पर पहुंच गईं।

न्यूजीलैंड की ब्री इलिंग टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में छह स्थान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर आ गईं, जबकि नैन्सी पटेल इस सीरीज़ के बाद 29वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

छत्तीसगढ़ की दूसरी शानदार जीत, बंगाल को 6 विकेट से हराया

सृष्टि शर्मा की अर्धशतकीय पारी से आसान जीत, साक्षी शुक्ला ने गेंद से बरपाया कहर

सूरत ■आभाष राज गुप्ता

बीसीसीआई सीनियर महिला टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 में छत्तीसगढ़ की टीम ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बंगाल को 6 विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। सूरत में 27 अक्टूबर को खेले गए मुकाबले में बंगाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन छत्तीसगढ़ की गेंदबाजों ने उसे बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए बंगाल ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 130 रन बनाए। बंगाल की ओर से तनुश्री सरकार ने नाबाद 49 रन की शानदार पारी खेली। उनके अलावा तितास साधु ने 18 रन और मीता पॉल ने 16 रन का योगदान दिया।

छत्तीसगढ़ की ओर से साक्षी शुक्ला ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए, जबकि प्रतिज्ञा सिंह ने 2 विकेट झटके। गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के चलते बंगाल की टीम 130 रन तक ही पहुंच सकी।

131 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ की टीम ने सधी हुई बल्लेबाजी करते हुए 19.2 ओवर में 4 विकेट खोकर 131 रन बना लिए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से सृष्टि शर्मा ने 48 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 52 रन की शानदार अर्धशतकीय पारी खेली। उनके अलावा नेहा बड़वाईक ने 32 रन बनाए, जबकि कशीश अग्रवाल ने 18 रन का उपयोगी योगदान दिया।

बंगाल की ओर से मीता पॉल ने 2 विकेट हासिल किए, लेकिन वह छत्तीसगढ़ को लक्ष्य तक पहुंचने से नहीं रोक सकीं।

इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ ने टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

कनाडा ओपनः इंग्लिश खिलाड़ी को मात देकर क्वार्टर फाइनल पहुंचीं अनाहत

विश्व केसरी ■

ओंटारियो। भारत की अनाहत सिंह ने प्रोफेशनल स्क्वैश एसोसिएशन (पीएसए) टूर पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलावर को इंग्लैंड की सारन न्विएम के खिलाफ जीत हासिल की। इसी के साथ अनाहत 'कैनेडियन विमेंस ओपन' के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं।

टोरंटो में जारी प्रतियोगिता में 18 वर्षीय अनाहत ने 103,750 अमेरिकी डॉलर इनामी राशि वाले पीएसए सिल्वर-लेवल टूर्नामेंट के दूसरे दौर में वर्ल्ड 52 खिलाड़ी को 11-6, 4-11, 11-5, 11-7 से शिकस्त दी। छठी वरीयता प्राप्त अनाहत को पहले दौर में 'बाय' (सीधे अगले दौर में प्रवेश) मिला था।

वर्ल्ड नंबर-15 अनाहत ने आत्मविश्वास के साथ शुरुआत करते हुए पहला गेम 11-6 से जीता, लेकिन न्विएम ने जोरदार वापसी करते हुए दूसरा गेम 11-4 से जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। तीसरे गेम में भारतीय खिलाड़ी ने फिर से खेल पर नियंत्रण बनाया और 11-5 से जीत दर्ज की। इसके बाद चौथे गेम में 11-7 से जीत हासिल कर उन्होंने मैच अपने नाम कर लिया।

इस जीत के साथ अनाहत का शानदार सफर जारी है। पिछले हफ्ते उन्होंने पीएसए गोल्ड-लेवल इवेंट, 'सिलिकॉन वैली ओपन' में पहली बार सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था।

पीएसजी ने ओलंपिक लियोनिस को 2-0 से हराकर लीग 1 में शीर्ष स्थान हासिल किया

विश्व केसरी ■

पेरिस। सेनी मायुलु और मिका गॉड्स द्वारा दूसरे हाफ में किए गए शानदार गोलों की बदौलत पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने पार्क डेस प्रिंसेस में ओलंपिक लियोनिस को 2-0 से हरा दिया। लीग 1 में यह पीएसजी की लगातार पांचवीं जीत है और इस जीत के साथ टीम अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई है।

मैच की शुरुआत से ही पेरिस के खिलाड़ियों ने दबदबा बनाया। फेरान टोरेस ने शुरुआती मौके बनाए, लेकिन लियोन के गोलकीपर डोमिनिक ग्रीफ ने 22वें मिनट में उनका शॉट रोक दिया। कैपिटल क्लब शानदार फॉर्म में नजर आया, जिसके चलते लियोन को अपने ही हाफ में गहराई में बचाव करना पड़ा।

आधे घंटे के बाद लियोन ने काउंटर-अटैक से वापसी की कोशिश की। 31वें मिनट में जूलियन दुरानविले के शॉट को पीएसजी के गोलकीपर मैटफे सफानोव ने शानदार बचाव करते हुए रोक दिया। दो मिनट बाद सफानोव को फिर से जैकरी एथेकेम का शॉट रोकना पड़ा। पहला हाफ काफी कड़ा और टक्कर वाला रहा। 40वें मिनट में मैग्नेस अक्लिउचे गोल करने के करीब पहुंचे, लेकिन कामयाब नहीं हो पाए और हाफटाइम तक स्कोर 0-0 रहा।

दूसरे हाफ में पीएसजी ने फिर से तेज शुरुआत की। 53वें मिनट में अचरफ हकीमी के पास पर जोआओ नेवेस ने एक्रोबैटिक ओवरहेड किक लगाई, लेकिन गेंद गोल के ठीक ऊपर से निकल गई। 57वें मिनट में फेरान टोरेस को एक बार फिर मौका मिला, लेकिन बॉक्स के दाईं ओर से लगाए गए उनके शॉट को डोमिनिक ग्रीफ ने रोक दिया। स्लोवाकिया के गोलकीपर ने अपनी टीम को लंबे समय तक मैच में बनाए रखा।

आखिरकार कोच लुइस एनरिक के बदलाव ने रंग दिखाया। 72वें मिनट में सेनी मायुलु ने बॉक्स के किनारे से शानदार गोल दागकर पीएसजी को 1-0 की बढ़त दिला दी और पूरे स्टेडियम को झूमने पर मजबूर कर दिया। इसके बाद पीएसजी ने दबाव बनाए रखा। 84वें मिनट में मिका गॉड्स ने बाईं ओर से अंदर की ओर कट करके एक बेहतरीन फिनिश के साथ स्कोर 2-0 कर दिया और पीएसजी की जीत पक्की कर दी। यह सभी प्रतियोगिताओं में पीएसजी की लगातार आठवीं जीत है। लीग में लगातार पांच जीत के साथ पेरिस की टीम अब लीग 1 की अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गई है।

ट्रेनिंग के दौरान चोटिल हुए मुशफिकुर रहीम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रहे पहले टेस्ट से पहले बांग्लादेश को झटका लगा है। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज मुशफिकुर रहीम को चोट लगने की खबर है।

द डेली स्टार के मुताबिक, मुशफिकुर को नेट सेशन के दौरान मंगलवार को हाथ में चोट लगी। ट्रेनिंग सेशन छोड़ने से पहले उन्हें मैदान पर बर्फ से सिकाई की गई। चोट की गंभीरता का पता अभी नहीं चल सका है।

मुशफिकुर को पिछले हफ्ते घोषित बांग्लादेश की 15 सदस्यीय टीम में कप्तान नजमुल हुसैन शान्तो और साथी अनुभवी बल्लेबाज लिटन दास के साथ शामिल किया गया था, जो हाल ही में कूल्हे की चोट से जूझ रहे हैं। मुशफिकुर 106 टेस्ट में 14 शतक और 30 अर्धशतक की मदद से 6,957 रन बना चुके हैं।

बांग्लादेश को तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद की वापसी से मजबूती मिली है, जो इस महीने की शुरुआत में अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में नहीं खेल पाए थे। उनके शामिल होने से टीम की तेज गेंदबाजी मजबूत होगी। बांग्लादेश आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश करेगी।

हैरी केन ने एम्बाप्पे और यामल को पछाड़ते हुए 2026 का 'बैलन डी'ओर' अवॉर्ड जीता

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। इंग्लैंड फुटबॉल टीम के कप्तान हैरी केन को 2026 के बैलन डी'ओर सम्मान से नवाजा गया है। पिछले 25 साल में इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को हासिल करने वाले और वह इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं।

हैरी केन को लंदन के पैलेडियम थिएटर में हुई एक शानदार सेरेमनी में बैलन डी'ओर से सम्मानित किया गया। केन ने इस पुरस्कार की रेस में शामिल स्पेन के लामिन यामल और फ्रांस के काइलियन एम्बाप्पे को पीछे छोड़ा। क्लब फुटबॉल में हैरी बायर्न म्यूनिख के लिए खेलते हैं, जबकि यामल और एम्बाप्पे रियल मैड्रिड के लिए खेलते हैं।

एल'एक्विप द्वारा स्पॉन्सर्ड 'बैलन डी'ओर' की ट्रॉफी फुटबॉल के दुनिया भर के पत्रकारों और प्रशासकों के वोट से दी जाती है।

हैरी केन ने सम्मान लेते हुए अपने साथ नॉमिनेट हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई देने के साथ ही अपने साथ खेले सभी खिलाड़ियों को भी धन्यवाद दिया।

उन्होंने कहा, 'मैं लगभग बोल नहीं पा रहा हूं। लंदन में होना इसे और भी खास बना देता है।'

केन के लिए यह पुरस्कार उनकी कड़ी मेहनत के दम पर हासिल सफलता का परिणाम है। केन ने इसी साल यूरोपियन गोल्डन बूट जीता है, बायर्न म्यूनिख के बुंडेसलीगा टाइटल में अहम रोल निभाया है और इंग्लैंड को वर्ल्ड कप सेमीफाइनल तक पहुंचाया है। इंग्लैंड के इस दिग्गज फुटबॉलर ने इस महीने इंग्लैंड के ऑल-टाइम कैप्स रिकॉर्ड की बराबरी की और 125 मैचों में अपने इंटरनेशनल गोल की संख्या 91 तक पहुंचा दी।

हैरी का पिछले एक साल में प्रदर्शन शानदार रहा है। अगस्त 2025 की शुरुआत से क्लब और देश के लिए वह 89 गोल कर चुके हैं। बायर्न म्यूनिख के लिए खेलने वाले केन अपने ऑल-राउंड गेम, क्रिएटिविटी, इंटेलिजेंस और पेशेवर रवैये की वजह से बुंडेसलीगा के लोकप्रिय चेहरे हैं। बायर्न ने तीन साल पहले केन के लिए रिकॉर्ड 100 मिलियन यूरो की शुरुआती फीस दी थी। यह एक ऐसा ट्रांसफर था जिसने क्लब के आम रिक्रूटमेंट पैटर्न को तोड़ दिया, क्योंकि उस समय केन की उम्र 30 साल थी। केन ने अपने प्रदर्शन से अपने ऊपर क्लब के निवेश को सही ठहराया है।

केन को मिले इस सम्मान ने न सिर्फ मेस्सी-रोनाल्डो के दबदबे को समाप्त किया है, बल्कि भविष्य में उनकी कमाई को कई गुणा बढ़ा सकता है। केन अब एलीट फुटबॉलरों की लाइन में शामिल हो गए हैं।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम का शेड्यूल बेहतर बनाया जाएः एलिसा हीली

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम दुनिया की सफलतम टीमों में से एक है, लेकिन इस टीम को अपने ही देश में वो पहचान और सम्मान नहीं मिल रहा, जिस पहचान और सम्मान की यह टीम हकदार है। पूर्व कप्तान एलिसा हीली और पूर्व क्रिकेटर मेल जोन्स ने इसको लेकर चिंता जताई है।

दरअसल, पिछले गुरुवार को नॉर्थ सिडनी ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का तीसरा वनडे मैच खेला जाना था। उसी दिन शाम 7 बजे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पुरुष टीम का टेस्ट मैच भी था। दोनों मैचों का समय टकरा गया। सिडनी में बारिश के कारण महिला टीम का मैच सिर्फ 16 गेंदों के बाद ही रद्द करना पड़ा।

इस पर एलिसा हीली ने कहा, 'वे शाम 7:15 बजे नॉर्थ सिडनी में खेल रहे हैं और 7 बजे टेस्ट शुरू होगा। हम अपनी ही टीम से टकरा रहे हैं, जो विदेश में खेल रही है। यह बहुत निराशाजनक है। हमारी लड़कियां इतना अच्छा खेल रही हैं, लेकिन अपने ही देश में उन्हें स्पॉटलाइट नहीं मिल रही।'

मेल जोन्स ने हीली की बात का समर्थन करते हुए कहा, 'दुनिया की सबसे अच्छी स्पोर्ट्स टीम हमारे दरवाजे पर है, लेकिन हम उसे दिखा नहीं पा रहे। उनके शानदार प्रदर्शन और उनकी कहानियों को वो जगह नहीं मिल रही, जिसकी वो हकदार हैं। फैंस के लिए भी ऐसी गर्मी में आकर टीम को सपोर्ट करना मुश्किल हो जाता है।'

शेड्यूल की समस्या सिर्फ एक मैच की नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम अगले चार महीने तक अपने देश में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलेगी। अक्टूबर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज सिर्फ ब्रिस्बेन और सिडनी में ही होंगी।

हीली ने कहा, 'आप तीन वनडे ब्रिस्बेन में और तीन टी20 सिडनी में खेल रहे हैं। पूरे ऑस्ट्रेलिया को उस टीम को देखने का मौका भी नहीं मिल रहा, जो अभी वर्ल्ड कप जीतकर आई है।

स्टार्टअप इंडिया से 2.5 लाख से अधिक स्टार्टअप्स को मिला बढ़ावा, 25 लाख से ज्यादा रोजगार सृजितः सरकार

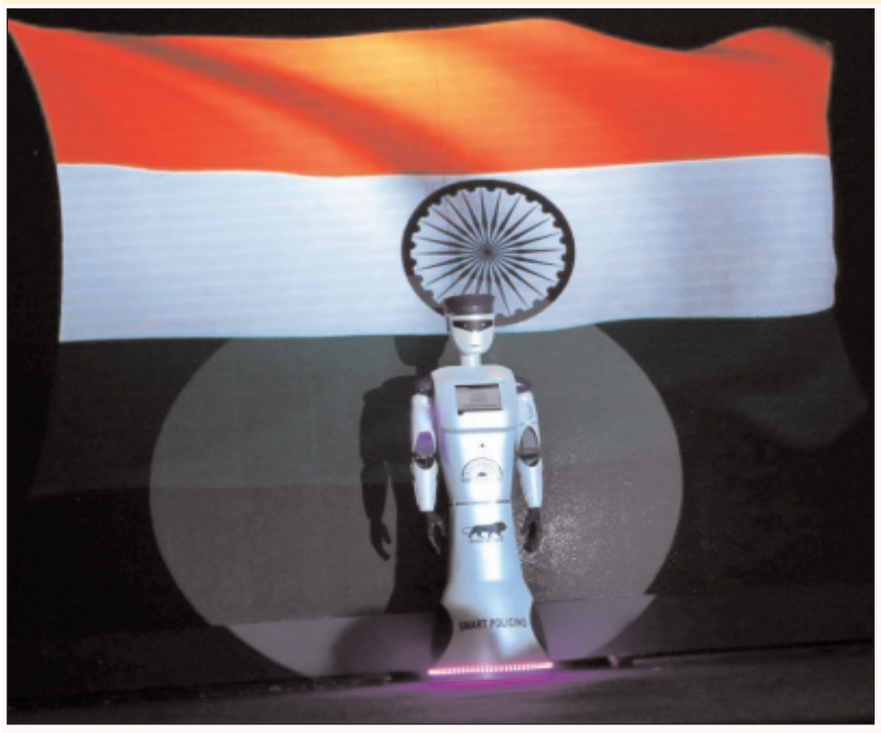

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कारोबार को आसान बनाने और नियामकीय बोझ कम करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में किए गए सुधारों ने भारत के कारोबारी माहौल को अनुमति-आधारित व्यवस्था से भरोसा-आधारित ढांचे में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सरकार का कहना है कि इन कदमों ने स्टार्टअप, निवेश, रोजगार सृजन और डिजिटल सेवाओं के विस्तार को नई गति दी है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार, स्टार्टअप इंडिया पहल के तहत अब तक देश के 770 से अधिक जिलों और 56 क्षेत्रों में 2.5 लाख से ज्यादा स्टार्टअप्स को मान्यता दी जा चुकी है। इन स्टार्टअप्स ने मिलकर 25.42 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक, मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स में से लगभग 52 प्रतिशत गैर-मेट्रो शहरों से हैं, जो यह दर्शाता है कि उद्यमिता अब केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं रह गई है। इसके अलावा 48 प्रतिशत स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक शामिल है, जो महिला उद्यमिता की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है।

वहीं, सरकार समर्थित वित्तपोषण योजनाओं का दायरा भी लगातार बढ़ा है। स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम के तहत 32 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 244 इन्क्यूबेटरों के माध्यम से 4,100 से अधिक स्टार्टअप्स के लिए 775 करोड़ रुपए से अधिक की सहायता स्वीकृत की गई है।

इसी तरह, सिडबी यानी भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (एसआईडीबीआई) के माध्यम से संचालित फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स के तहत वैकल्पिक निवेश फंडों (एआईएफ) को 12,600 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिबद्धता दी गई है। इन फंडों ने आगे चलकर लगभग 1,500 स्टार्टअप्स में 28,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश किया है।

क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स के अंतर्गत 500 से अधिक ऋण मामलों को समर्थन दिया गया है, जिनकी कुल राशि 1,662 करोड़ रुपए से अधिक है। इन स्टार्टअप्स में 41,000 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है।

सरकार ने स्टार्टअप्स की वित्तीय जरूरतों को देखते हुए गारंटी कवर को 10 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए कर दिया है। साथ ही प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए वार्षिक शुल्क भी कम किया गया है।

डीपीआईआईटी के अनुसार, स्टार्टअप क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण सुधार किए गए हैं। इनमें एंजेल टैक्स की समाप्ति, सूचीबद्ध और गैर-सूचीबद्ध शेयरों पर पूंजीगत लाभ कर व्यवस्था का सरलीकरण तथा बीमा कंपनियों और पेंशन फंड जैसे संस्थागत निवेशकों को वैकल्पिक निवेश फंडों में निवेश की अनुमति देना शामिल है। इसके अलावा 4,400 से अधिक स्टार्टअप्स को आयकर अधिनियम की धारा 80-आईएसी के तहत पात्रता प्रमाणन भी प्रदान किया गया है।

सरकारी खरीद में स्टार्टअप्स की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस (जीईएम) पर पंजीकृत स्टार्टअप्स की संख्या 2021 में 8,000 से कम थी, जो अब बढ़कर 43,000 से अधिक हो चुकी है। सरकारी खरीदारों द्वारा इन स्टार्टअप्स को 68,000 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि नियामकीय सुधारों की प्रक्रिया तेज हुई है। केंद्र और राज्यों में लगभग 48,000 अनुपालन आवश्यकताओं को कम किया गया है, जबकि 22,000 से अधिक अनुपालन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया जा चुका है।

सोआ में छिपे हैं सेहत के लिए जरूरी पोषक तत्व, शरीर को बीमारियों से लड़ने में करता है मदद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हरी सब्जियां हमारी सेहत के लिए अच्छी होती हैं। ये शरीर को जरूरी पोषक तत्व देती हैं और हमें स्वस्थ रखने में मदद करती हैं। सोआ भी ऐसी ही एक हरी पत्तेदार सब्जी है। इसमें कई विटामिन और खनिज पाए जाते हैं, जो शरीर के अलग-अलग कामों में मदद करते हैं। इसे खाने से शरीर को कुछ जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं।

सोआ की पत्तियों में थोड़ी मात्रा में फाइबर होता है, जो पेट को ठीक रखने में मदद करता है। फाइबर खाने को पचाने में सहायक होता है। सोआ को सब्जी या दाल में मिलाकर खाने से दैनिक भोजन में अहम पोषक तत्व जुड़ जाते हैं। इसके बीजों का इस्तेमाल भी कुछ लोग पेट संबंधी समस्याओं में करते हैं। इसे खाने से गैस, कब्ज या अपच ठीक हो जाती है।

हमारे शरीर को बीमारियों से बचने के लिए सही खान-पान की जरूरत होती है। सोआ में मौजूद विटामिन सी शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर करने में मदद करता है। इसमें कुछ ऐसे प्राकृतिक तत्व भी होते हैं, जो शरीर की कोशिकाओं को नुकसान से बचाने में मदद करते हैं।

सोआ में पाया जाने वाला पोटैशियम मांसपेशियों और शरीर में पानी का सही संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। पोटैशियम वाली चीजें खाना दिल की सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। वहीं, सोआ में मौजूद कैल्शियम हड्डियों को मजबूत रखने में मदद करता है। हालांकि, सोआ में कैल्शियम कम मात्रा में होता है। इसलिए हड्डियों को मजबूत रखने के लिए दूध, दही, तिल और दूसरी कैल्शियम वाली चीजें भी खानी चाहिए।

जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, वे सोआ को अपने खाने में शामिल कर सकते हैं। इसकी ताज़ी पत्तियों में कैलोरी कम होती है। इसे सब्जी, दाल या सलाद में मिलाकर खाने से भोजन का स्वाद भी बढ़ता है। अगर इसे कम तेल में बनाया जाए, तो यह संतुलित भोजन का अच्छा हिस्सा बन सकता है।

सोआ में मौजूद विटामिन सी त्वचा को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

तनाव और कमर दर्द से हैं परेशान? रोज करें शशकासन, मिलेगा आराम

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव, चिंता और कमर दर्द आम समस्या बनकर रह गई है। ऐसे में शशकासन एक ऐसा योगासन है, जो न सिर्फ मन को शांत और शरीर को भी रिलैक्स बनाता है। इसके रोजाना अभ्यास से न केवल रीढ़, कंधों और पीठ को आराम मिलता है बल्कि मानसिक तनाव से भी आराम मिलता है।

शशकासन दो शब्दों से मिलकर बना है - 'शशक' यानी खरगोश और 'आसन' यानी मुद्रा। इस आसन में शरीर की आकृति खरगोश जैसी बन जाती है, इसलिए इसे शशकासन कहा जाता है।

आयुष मंत्रालय इसे रोजाना करने की सलाह देता है। शशकासन तनाव, चिंता और गुस्से को कम करने वाला एक प्रभावी योगासन है, जो मन को शांत करता है। यह पीठ के निचले हिस्से, रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन और पाचन तंत्र को सुधारने के साथ-साथ एड्रेनल ग्रंथि को नियंत्रित करने में सहायक है, जिससे यह बच्चों और वयस्कों के उत्तम स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर को कई तरह के लाभ मिलते हैं। यदि हो सके, तो अभ्यासकर्ता इसे शांत वातावरण में ही करें। इसे करने के लिए सबसे बेहतर योग मैट पर वज्रासन में बैठ जाएं। आपकी रीढ़ सीधी होनी चाहिए। अब दोनों पैरों के घुटनों को धीरे-धीरे एक-दूसरे से दूर फैलाएं लेकिन इस बात का ध्यान रखें कि पैरों के अंगूठे आपस में मिले हुए रहें।

गहरी श्वास लेते हुए अपनी दोनों हथेलियों को घुटनों के बीच जमीन पर रखें। अब धीरे-धीरे श्वास छोड़ते हुए आगे की ओर झुकें और अपनी ठुड्डी को जमीन पर टिकाने का प्रयास करें। इस स्थिति में दोनों भुजाओं को समानांतर और सीधा रखें। सामने की ओर देखें और सामान्य गति से श्वास लेते हुए 10 से 30 सेकंड तक इस स्थिति में बने रहें। इसके बाद धीरे-धीरे वापस वज्रासन की स्थिति में आ जाएं।

बिना जानकारी के योग पड़ सकता है भारी, अभ्यास करते समय बरतें ये सावधानी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। योग शरीर और मन दोनों के लिए फायदेमंद है, लेकिन गलत तरीके से किया गया योग शरीर को लाभ पहुंचाने की जगह नुकसान भी कर सकता है। अक्सर लोग बिना किसी ट्रेनर या सही जानकारी के योगाभ्यास शुरू कर देते हैं, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव, जोड़ों में दर्द और दूसरी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए योग शुरू करने से पहले उसके सही नियम, तरीका और सावधानियों के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने योगासन को लेकर सावधानियां बरतने की हिदायत दी। उनके अनुसार, योग आमतौर पर सुरक्षित होता है, जब इसे सही तरीके से सीखा और जरूरी सावधानियों के साथ किया जाए। जबरदस्ती कोई आसन करना, अपनी क्षमता से ज्यादा देर तक सांस रोकना या सफाई की क्रियाओं को गलत तरीके से करना नुकसान पहुंचा सकता है।

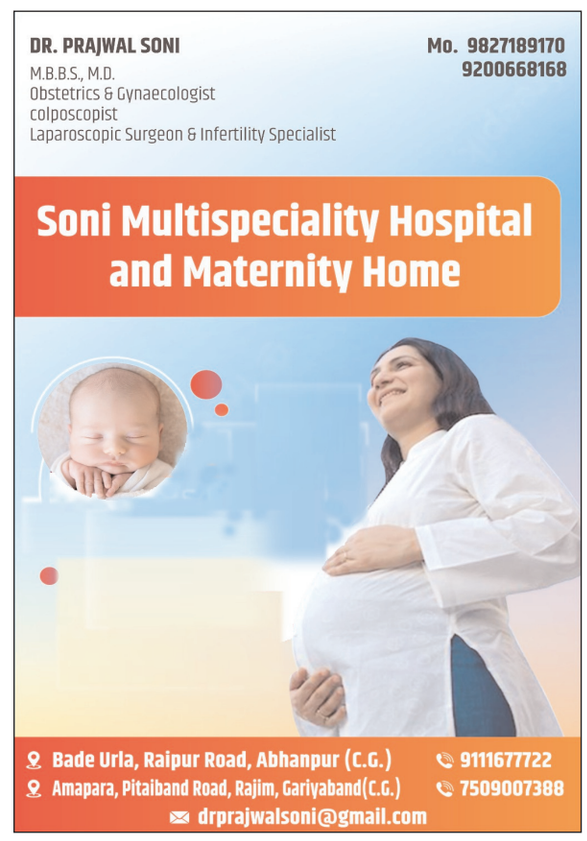

राष्ट्रपति के कार्यक्रम में रिटायर्ड अफसर की ड्यूटी!

सेवानिवृत्त अधिकारी को प्रवेश की अनुमति पर उठ रहे हैं सवाल

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। राष्ट्रपति का हर कार्यक्रम देश की सर्वोच्च सुरक्षा प्रोटोकाल के दायरे में आता है। वहीं राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास के दौरान उनके दो कार्यक्रमों में नायब तहसीलदार के पद से सेवानिवृत्त अधिकारी को प्रवेश की अनुमति दी जाने की खबर है। नियमत: किसी भी सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी की ड्यूटी राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में नहीं लगाई जा सकती। ऐसे में राष्ट्रपति के बस्तर वाले दोनों कार्यक्रमों में गंभीर प्रशासनिक चूक और प्रोटोकाल का उल्लंघन किया गया, जिसका जिम्मेदार कौन है? एक ऐसे सेवानिवृत्त अधिकारी को प्रवेश देकर सारे नियमों को दरकिनार किया गया जो रेलवे की जमीन मामले में दागी है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 23 अक्टूबरर को जगदलपुर प्रवास के दौरान दंतेश्वरी मंदिर पूजा अर्चना करने पहुंची थी। इसके बाद वह सिरहासार भवन में आयोजित विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा के मुरिया दरबार के रस्म में हिस्सा लेने पहुंची। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के लिए सुरक्षा और आवागमन के विशेष प्रबंध किए गये थे। इन दोनों स्थलों पर सेवानिवृत्त अधिकारी की उपस्थिति रही है। इस कृत्य ने प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सेवानिवृत्त अधिकारी अर्जुन श्रीवास्तव को बस्तर सांसद द्वारा दशहरा समिति के प्रमुख सलाहकार नियुक्त किए जाने की जानकारी मिली है। उक्त सेवानिवृत्त अधिकारी को किसकी अनुमति से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में प्रवेश की अनुमति दी गई। सुरक्षा व्यवस्था संभालने वाले अधिकारी के पास उनकी सूची उपलब्ध थी या नहीं यह जाचं का विषय है।राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में सिरहासार भवन के अंदर सुरक्षा के दृष्टिकोण का हवाला देकर मीडिया का प्रवेश वर्जित किया गया था और मीडिया को पास के एक टेंट में स्थान दिया गया था, लेकिन उस सेवानिवृत्त अधिकारी को प्रवेश किस अफसर की सहमति से दी गई थी जो जांच का विषय है साथ ही साथ राष्ट्रपति के सुरक्षा का भी प्रश्न है। दशहरा समिति में अर्जुन श्रीवास्तव को विशेष सलाहकार नियुक्त किए जाने को लेकर समिति के सदस्यों के समक्ष किसी प्रकार से कोई प्रस्ताव नहीं लाया गया है। समिति की बिना सहमति के सलाहकार नियुक्त किया जाना भी जांच का विषय है। पूर्व में उक्त अधिकारी का रेलवे के भूमि विवाद से गहरा नाता रहा है ऐसे में विवादित व्यक्ति को सलाहकार बनाया जाना दशहरा के सामग्री क्रय को लेकर भी चर्चा है। कानून के जानकारों की मानें तो सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार की ड्यूटी राष्ट्रपति के अधिकारिक कार्यक्रमों या प्रोटोकाल व्यवस्था में नहीं लगाई जा सकती है। यदि कोई सेवानिवृत्त नायब तहसीलदार वर्तमान में किसी भी सरकारी संविदा या पुर्ननियुक्ति पर नहीं है तो वह आम नागरिक की श्रेणी में आता है और प्रशासनिक प्रोटोकाल ड्यूटी का हकदार नहीं होता।

दुर्गूकोंदल के कन्या छात्रावास में 12वीं के छात्रा की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। उत्तर बस्तर कांकेर जिले के दुर्गूकोंदल स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस कन्या आवासीय विद्यालय के छात्रावास में कक्षा 12वीं की 17 वर्षीय छात्रा की मौत से हड़कंप मच गया। सोमवार शाम छात्रावास के कमरे में छात्रा का शव फंदे पर लटका मिला। घटना की सूचना मिलते ही दुर्गूकोंदल पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद प्रशासनिक अमला भी सक्रिय हुआ। भानुप्रतापपुर के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनिकेत अशोक फड़तरे और तहसीलदार ने छात्रावास पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया तथा संबंधित लोगों से जानकारी ली। घटना के बाद विद्यालय परिसर में शोक का माहौल है।

बीमारी के चलते घर गई थी छात्रा - परिजनों के अनुसार, छात्रा की तबीयत खराब होने पर 23 अक्टूबर को उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुर्गूकोंदल में उपचार कराया गया था। इसके बाद परिजन उसे घर ले गए थे। स्वास्थ्य में सुधार होने पर 26 अक्टूबर को उसके मामा उसे वापस छात्रावास छोड़ने पहुंचे थे। छात्रा ने पहले पढ़ाई प्रभावित होने की बात कहते हुए घर ले जाने की इच्छा जताई थी। पिता के मुताबिक, सोमवार शाम करीब 5:37 बजे उन्हें बेटी की मौत की सूचना मिली। घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

दरवाजा खोलने पर सामने आई घटना - छात्रावास अधीक्षिका शैलेन्द्री मरकाम के अनुसार, छात्रा अस्वस्थ होने के कारण 23 अक्टूबर को घर गई थी और 26 अक्टूबर को वापस छात्रावास लौटी थी। सोमवार को वह विद्यालय आई, लेकिन दोपहर में कक्षा में नहीं पहुंची। शाम करीब पांच बजे जब अन्य छात्राएं छात्रावास लौटीं, तो संबंधित कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। छात्राओं को आशंका हुई कि उसकी तबीयत खराब होगी। दरवाजा खोलने पर छात्रा फंदे पर लटकी मिली। इसके बाद तत्काल पुलिस को सूचना दी गई।

पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव - एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर ने बताया कि छात्रावास में छात्रा की मौत की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस घटना से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों की जांच कर रही है। फिलहाल मौत के कारणों को लेकर कोई अंतिम निष्कर्ष सामने नहीं आया है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक परिस्थितियां स्पष्ट हो सकेंगी।

कांकेर में साइबर सेल का शुभारंभ, साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने की पहल

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिले में बढ़ते साइबर अपराधों की रोकथाम और ऑनलाइन ठगी सहित साइबर संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण की दिशा में कांकेर पुलिस ने नई पहल की है। मंगलवार को कांकेर विधायक आशाराम नेताम, बस्तर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक बद्रीनारायण मीणा और पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा ने साइबर सेल का उद्घाटन किया। साइबर सेल की स्थापना से साइबर अपराधों की जांच, तकनीकी साक्ष्य जुटाने और शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। साइबर सेल के माध्यम से जिले में साइबर अपराधों से संबंधित शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने और तकनीकी संसाधनों की मदद से मामलों की जांच को गति देने पर जोर दिया जाएगा। इसका उद्देश्य नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के साथ साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना है।

नियमितीकरण सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का एक दिवसीय धरना

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। छत्तीसगढ़ प्रदेश आंगनवाड़ी महिला कार्यकर्ता सहायिका संघ ब्लॉक शाखा चारामा के बैनर तले मंगलवार, 27 अक्टूबर को जनपद पंचायत कार्यालय चारामा के सामने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया गया। ब्लॉक अध्यक्ष हेमलता नायक के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने अपनी लंबित मांगों को पूरा करने की आवाज उठाई। प्रदर्शन के बाद रैली निकालकर तहसील कार्यालय पहुंचीं कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े तथा विभागीय सचिव के नाम तहसीलदार चारामा सत्येंद्र शुक्ल को ज्ञापन सौंपा।

नियमितीकरण और मानदेय वृद्धि प्रमुख मांग

संघ ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों के माध्यम से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की सेवा शर्तों में सुधार, मानदेय वृद्धि और सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है। संघ की पहली मांग है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को नियमित किया जाए। नियमितीकरण होने तक श्रम कानून के तहत कार्यकर्ताओं को 30 हजार रुपये और सहायिकाओं को 25,500 रुपये मासिक मानदेय दिया जाए। दूसरी मांग में कार्यकर्ताओं को सुपरवाइजर पद पर तथा सहायिकाओं को कार्यकर्ता पद पर सीधे पदोन्नति देने और पदोन्नति में आयु संबंधी बंधन समाप्त करने की मांग रखी गई है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक के जीर्णोद्धार की फाइल गायब, पार्षदों ने कीजांच की मांग

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। नगर पंचायत चारामा अंतर्गत पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी चौक के जीर्णोद्धार कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण शासकीय फाइल गुम होने का मामला सामने आया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जनप्रतिनिधियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को आवेदन सौंपकर निष्पक्ष जांच कराने, संबंधित कर्मचारी की जिम्मेदारी तय करने तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही उचित कार्रवाई नहीं होने पर एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन करने की चेतावनी दी गई है।

शासकीय फाइल गुम होने पर उठाए सवाल - प्रस्तुत आवेदन में उल्लेख किया गया है कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौक के जीर्णोद्धार कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण शासकीय फाइल गुम होने का मामला गंभीर है। शासकीय अभिलेखों का इस प्रकार गुम होना विकास कार्यों को प्रभावित कर सकता है तथा विभागीय कार्यप्रणाली और जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है।

जनप्रतिनिधियों ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी से जानकारी मांगी है कि संबंधित फाइल गुम होने के मामले में अब तक क्या कार्रवाई की गई है। क्या इस संबंध में विभागीय जांच कराई गई है और जिम्मेदार कर्मचारी की जवाबदेही निर्धारित की गई है? यदि अब तक कार्रवाई नहीं हुई है, तो उसका कारण स्पष्ट करते हुए लिखित जवाब देने की मांग की गई है।

कांकेर कांग्रेस ने वोट चोरी और एसआईआर प्रक्रिया पर उठाए सवाल

विश्व केसरी■

कांकेर (सीताराम शर्मा)। जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के अध्यक्ष बसंत यादव के नेतृत्व में आज जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक राजेश राठौड़ ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी 'वोट बचाओ-देश बचाओ' अभियान के तहत मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण , कथित वोट चोरी, मतदाता सूची में अनियमितताओं तथा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर सवाल उठाए।

मतदाता सूची में गड़बड़ियों की निष्पक्ष जांच की मांग - पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए राजेश राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस लगातार चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने की मांग कर रही है।

पटवारियों की हड़ताल के 15वें दिन विधायक सावित्री मंडावी ने दिया समर्थन

विश्व केसरी■

चारामा (संदीप मेश्राम)। राजस्व पटवारी संघ चारामा अपनी चार सूत्रीय मांगों को लेकर 13 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है। हड़ताल के 15वें दिन धरना स्थल पर पहुंचकर भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने पटवारियों की मांगों का समर्थन किया। उन्होंने प्रदेश के राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा को पत्र लिखकर पटवारी संघ की मांगों को पूरा करने की अपील भी की है। धरना स्थल पर पहुंचीं विधायक सावित्री मनोज मंडावी ने पटवारी संघ की चार सूत्रीय मांगों के प्रति समर्थन जताते हुए उनके निराकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। राजस्व मंत्री को लिखे पत्र के माध्यम से उन्होंने पटवारियों की समस्याओं पर गंभीरता से विचार कर उनकी मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की शुरुआत

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। भ्रष्टाचार उन्मूलन सप्ताह (सतर्कता जागरूकता सप्ताह) के अंतर्गत 85वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के नयापारा, बीजापुर स्थित परिसर में सोमवार को अधिकारियों एवं जवानों द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों एवं जवानों ने ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता एवं जवाबदेही के मूल्यों को अपनाने की शपथ ली। सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन निष्पक्षता एवं पूर्ण निष्ठा के साथ करने, भ्रष्टाचार से दूर रहने तथा किसी भी रूप में भ्रष्ट आचरण को प्रोत्साहित नहीं करने का संकल्प लिया। साथ ही, भ्रष्टाचार के विरुद्ध आवाज उठाने और अपने आचरण के माध्यम से समाज में नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता भी जताई। इस अवसर पर बटालियन के कमांडेंट सुनील कुमार राही ने कहा कि भ्रष्टाचार मुक्त व्यवस्था के निर्माण में प्रत्येक कार्मिक की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, अनुशासन एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने से जनविश्वास को मजबूत किया जा सकता है। कमांडेंट ने सभी अधिकारियों एवं जवानों से अपने दैनिक कार्यों में उच्च नैतिक मानकों का पालन करने तथा संगठन में ईमानदारी और पारदर्शिता पर आधारित कार्यसंस्कृति विकसित करने का आह्वान किया।

गौवंश की चोरी करने वाले तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

नरहरपुर (सीताराम शर्मा)। गौवंशों को गौशाला पहुंचाने का झांसा देकर करीब 40 मवेशियों को ले जाने और बाद में उन्हें बेचने के मामले में नरहरपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रकरण में फरार चल रहे मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से एक हुंडई क्रेटा और दो पिकअप वाहन सहित कुल 25 लाख 10 हजार रुपये की संपत्ति जब्त की गई है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में अब तक कुल 13 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, नरहरपुर के वार्ड क्रमांक 8 निवासी रविकांत ठाकुर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि क्षेत्र के ग्रामीणों की गाय और बछड़े 30 सितंबर की रात से लापता हैं। पूछताछ के दौरान पता चला कि हिमांशु तिवारी और गौरव सोरी ने आवारा एवं लावारिस मवेशियों को गौशाला पहुंचाने की बात कहकर ग्रामीणों से संपर्क किया था। इसके बाद नरहरपुर हाईस्कूल खेल मैदान से लगभग 40 गौवंशों को पिकअप वाहनों में भरकर ले जाया गया।

ग्रामीणों ने जब पंडरीपानी, सिहावा स्थित गौशाला में पहुंचकर जानकारी ली, तो वहां नरहरपुर से कोई भी मवेशी नहीं पहुंचने की बात सामने आई। इसके बाद मामले की शिकायत पुलिस से की गई। पुलिस ने अपराध क्रमांक 193/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 303(2) में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की।

ओडिशा में मवेशियों को बेचने का आरोप - मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू एवं एसडीओपी हरिश कुमार पाटिल के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक सोमेश सिंह बघेल के नेतृत्व में टीम गठित की गई। पुलिस ने पहले 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा था। वहीं, फरार आरोपियों की तलाश लगातार की जा रही थी। पुलिस के मुताबिक, सूचना के आधार पर धमतरी से हेमंत यादव निवासी धमतरी और प्रियेश साहू निवासी खरतूली को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर हिमांशु तिवारी और गौरव सोरी के साथ मिलकर मवेशियों को ओडिशा के पापड़हांडी ले जाकर 45 हजार रुपये में बेचने की बात स्वीकार की। पुलिस का कहना है कि आरोपियों ने जांच को गुमराह करने के लिए दूसरी जगह से मवेशी लाकर उन्हें नरहरपुर से लाए जाने की बात बताई थी।

वाहनों सहित 25.10 लाख की संपत्ति जब्त - पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 15 लाख रुपये कीमत की हुंडई क्रेटा, 10 लाख रुपये कीमत के दो पिकअप वाहन तथा मवेशियों की बिक्री से प्राप्त 10 हजार रुपये जब्त किए हैं। कुल जब्त संपत्ति की कीमत 25 लाख 10 हजार रुपये आंकी गई है।

नाबालिग बच्चों के बाइक चलाने पर नैमेड़ पुलिस ने दी समझाइश, दोबारा पकड़े जाने पर होगी कार्रवाई

विश्व केसरी■

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले के नैमेड़ थाना क्षेत्र में नाबालिग स्कूली बच्चों द्वारा मोटरसाइकिल चलाए जाने की जानकारी मिलने पर नैमेड़ पुलिस ने बच्चों और उनके अभिभावकों को समझाइश दी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में इस तरह की पुनरावृत्ति होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, थाना नैमेड़ क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत कुछ बच्चों द्वारा स्कूल आने-जाने के लिए मोटरसाइकिल का उपयोग किया जा रहा था। इस पर नैमेड़ पुलिस ने संबंधित बच्चों के परिजनों को बुलाकर उन्हें यातायात नियमों एवं बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया।

पुलिस ने बच्चों और उनके अभिभावकों को समझाया कि निर्धारित आयु पूरी किए बिना तथा वैध ड्राइविंग लाइसेंस के अभाव में मोटरसाइकिल चलाना कानूनन प्रतिबंधित है। नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने से सड़क दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है। पुलिस ने अभिभावकों को अपने बच्चों को मोटरसाइकिल चलाने से रोकने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की हिदायत दी। नैमेड़ पुलिस ने चेतावनी दी कि भविष्य में थाना नैमेड़ क्षेत्र में इस प्रकार की पुनरावृत्ति होने पर नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

अभिभावकों से अपील - नैमेड़ पुलिस ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने नाबालिग बच्चों को मोटरसाइकिल चलाने की अनुमति न दें तथा यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करें।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251